

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:267। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 19 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा कैंप जनसेवा केंद्र में होंगे तब्दील

● आदिवासियों को नौकरी में मिलेगा 15 फीसदी आरक्षण: अमित शाह

एजेंसी

बस्तर। छत्तीसगढ़के बस्तर में सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 'शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा' जन सुविधा केंद्र के शुभारंभ के मौके पर कहा कि हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सलमुक्त भारत बनाने के लिए

● 'हमारे बस्तर में 31 मार्च 2026 के बाद ही आजादी का सूर्य उदय हुआ है।'

छत्तीसगढ़ में जहां-जहां सुरक्षा कैंप बनाकर सिक्योरिटी कैंपस्थापित किए थे, अब वहां कॉमन सर्विस सेंटर बनाए जा रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि आज का दिन सचमुच एक ऐतिहासिक दिन है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि महज छह महीनों के भीतर, यह केंद्र जो अभी केवल एक सरकारी पहल जैसा दिखता है, स्थानीय आदिवासियों की



मौजूदगी और उनकी हंसी-खुशी से गुलजार, जीवन से भरपूर नजर आएगा। जिस जमीन पर मैं आज खड़ा हूं, वह अपने आप में भारत के हर नागरिक के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल है। यह शहीद वीर गुंडा धुर की जन्मभूमि और कर्मभूमि है। आज, उनसे प्रेरणा लेते हुए नेतानार कैंप (जो 2013 से एक सुरक्षा चौकी के रूप में काम कर रहा था) अब आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित एक सेवा केंद्र में बदला जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि आजादी देशभर में बहुत पहले ही आ गई थी, लेकिन हमारे बस्तर में 31 मार्च 2026 के बाद ही आजादी का सूर्य उदय हुआ है। इस दौरान बस्तर का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हम बहुत जल्द करेंगे। यहां के लोगों के विकास के लिए भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने आदिवासी भाई-बहनों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की है। कहीं पर भी नौकरी का विज्ञापन निकलता है, तो 15 फीसदी आरक्षण आपके लिए सुनिश्चित है। एक ओर आप अपने बच्चों को पढ़ा दें, तो उन्हें सरकारी नौकरी भी मिलेगी और उद्योगों में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। आपके लिए बनाई गई एक राष्ट्रीय स्तर की कोऑपरेटिव के माध्यम से वन उपज का भी अच्छे तरीके से पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने का हमने संकल्प लिया है।

यूपी पुलिस ने नौ वर्षों में 289 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में किया ढेर

34,253 गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ । योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 289 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया है। इस दौरान पुलिस ने कुल 17,043 मुठभेड़ की कार्रवाइयां की, जिनमें 34,253 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 11,034 अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि 1,052 पुलिसकर्मी घायल हुए। सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गई, जहां पुलिस ने 4,013 कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 1,921 अपराधी दबोचे गए, जबकि 3,513 अपराधी घायल हुए। वहीं, 97 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ के दौरान 477 पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मी शहीद हुए। एनकाउंटर कार्रवाई में पूरे प्रदेश में मेरठ जोन पहले स्थान पर रहा है। इसी तरह आगरा जोन में 1,292 मुठभेड़ हुई, जिनमें 2,426 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 29 अपराधियों को मार गिराया गया। मुठभेड़ में ढेर किए गए। इस दौरान 907 अपराधी और 104 पुलिसकर्मी घायल हुए। पूरे प्रदेश में आगरा जोन एनकाउंटर कार्रवाई में दूसरे स्थान पर है। वहीं, एनकाउंटर कार्रवाई में पूरे प्रदेश में आगरा जोन तीसरे स्थान पर है। यहां 2,494 एनकाउंटर की कार्रवाई की गई, जिनमें 5,045 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 960 अपराधी घायल हुए, जबकि 24 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 62 पुलिसकर्मी घायल हुए।



एनकाउंटर आंकड़ों पर नजर डालें तो बरेली जोन में 2,222 मुठभेड़ों के दौरान 21 दुर्दांत अपराधियों को मार गिराया गया, वहीं लखनऊ जोन में 971 मुठभेड़ों में 10, गोरखपुर जोन में 1,144 मुठभेड़ों में 9, वाराणसी कमिश्नरी में 699 मुठभेड़ों में 6, प्रयागराज कमिश्नरी में 146 मुठभेड़ों में 6, मिर्जापुर कमिश्नरी में 150 मुठभेड़ों में 6 और जौनपुर कमिश्नरी में 253 मुठभेड़ों में 4 अपराधियों को ढेर किया गया।

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में यूपी पुलिस ने जीरो टॉलरेंस नीति को धरातल पर उतारा।

बंगाल में 2021 चुनाव बाद हिंसा मामलों में सीआईडी ने दर्ज की 181 नई प्राथमिकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों में राज्य की अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने नई कार्रवाई शुरू की है। सीआईडी अधिकारियों के अनुसार, अब तक 450 नई जांच प्रक्रियाएं शुरू की गई हैं और 181 नई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा 59 मामलों को दोबारा खोला गया है। सीआईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि चुनाव बाद हिंसा से संबंधित प्राप्त शिकायतों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि एजेंसी उन मामलों की भी दोबारा जांच कर रही है, जिनमें पहले अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर मामले बंद कर दिए गए थे। अधिकारी के अनुसार अब तक पेंडिंग 59 मामलों को फिर से खोला गया है और उनमें नए सिरे से जांच शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के कई जिलों में हिंसा, हमले, धमकी और लोगों के विस्थापन के आरोप लगे थे। इन घटनाओं को लेकर व्यापक राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ था और विभिन्न स्तरों पर जांच शुरू की गई थी।

जैन संतों को बदनाम करने वाली सिंडिकेट के खिलाफ मध्य प्रदेश में FIR दर्ज;

क्रिमिनल बैकग्राउंड वाला जगत पारेख और हार्दिक हुड़िया अब पुलिस के शिकंजे में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पूजनीय जैन संतों को सोशल मीडिया पर फेक और मॉर्फ्ड तस्वीरों के जरिए बदनाम कर करोड़ों रुपये ऐंठने की साजिश रचने वाली शातिर गैंग की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। सूरत के आचार्य श्री सागरचंद्रसागरसूरीश्वरजी महाराज साहेब को क्लीन चिट मिलने के बाद, इन साजिशकर्ताओं के खिलाफ अब मध्य प्रदेश में आधिकारिक पुलिस शिकायत दर्ज की जा चुकी है। अखबारों और सोशल मीडिया की आड़ में ब्लैकमेलिंग का नेटवर्क चलाने वाले जगत पारेख, हार्दिक हुड़िया, विक्रम बाफना और कल्पेश सिंघवी के खिलाफ कानून का शिकंजा कसते ही पूरी गैंग में हड़कंप मच गया है।

criminal बैकग्राउंड वाला जगत पारेख बेनकाब

इस पूरी सिंडिकेट का मुख्य सरगना जगत पारेख खुद गहरे आपराधिक इतिहास से ताल्लुक रखता है। जिस पर पहले से ही कई पुलिस मामले दर्ज हैं, ऐसा हिस्ट्रीशीटर तत्व आज जैन समाज की आस्था और संतों की गरिमा पर प्रहार करने की हिम्मत कर रहा है! साजिशकर्ताओं ने सोचा था कि वे मीडिया और झूठे वायरल मैसेज से डर का माहौल बनाकर मुनिश्री से मोटी रकम वसूल लेंगे। लेकिन, गच्छाधिपति श्री नरदेवसागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब द्वारा करवाई गई हाई-लेवल फॉरेंसिक जांच में इस गैंग के झूठ का पर्दाफाश हो गया और वायरल तस्वीरें 100' फेक (फर्जी) साबित हुईं।

मध्य प्रदेश पुलिस एक्शन मोड में: कानूनी फंदा कसा झूठ पकड़े जाने के बाद भी यह गैंग सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाना जारी रखे हुए थी, इसलिए अब उनकी इस पापलीला का अंत करने के लिए कानून का सहारा लिया गया है। मध्य प्रदेश में दर्ज इस FIR के तहत पुलिस अब इस ब्लैकमेलिंग गैंग के आईपी एड्रेस, सोशल मीडिया अकाउंट्स और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच करेगी। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के संगठित अपराध (सिंडिकेट) और संतों की मानहानि करने के आरोप में इन सभी आरोपियों को लंबी जेल की सजा हो सकती है। MP पुलिस की FIR साजिशकर्ताओं के लिए 'द एंड'



कानूनी प्रहार: मध्य प्रदेश में इस शातिर गैंग के खिलाफ सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज।

मुख्य निशाना: क्रिमिनल जगत पारेख और पत्रकारिता के नाम पर कलंक बना हार्दिक हुड़िया अब कानूनी रडार पर।

सबूत गायब, साजिश उजागर: गच्छाधिपति के समक्ष सबूत देने में पूरी तरह नाकाम रही यह गैंग अब पुलिस के तीखे सवालों का सामना करेगी।

नई बौखलाहट: जेल के डर से बौखलाए साजिशकर्ता अब पुरानी खबरों और मरोड़कर पेश की गई कतरनों को वायरल कर अपनी साख बचाने के लिए हाथ-पैर मार रहे हैं।

महानगर मेट्रो न्यूज का कड़ा आक्रोश

जैन शासन की एकता, शांति और पूजनीय संतों की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वाले इन अधर्मी और शातिर तत्वों को समाज से बहिष्कृत करने का समय आ गया है। पीत पत्रकारिता और ब्लैकमेलिंग के इस जहरीले गठजोड़ का शिकार बनने के बजाय जैन समाज को संगठित होकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करना होगा। मध्य प्रदेश पुलिस की यह FIR तो सिर्फ एक शुरुआत है; जब तक यह पूरी गैंग जेल की सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाती, तब तक सत्य की यह लड़ाई जारी रहेगी!

एआई-आधारित साइबर सुरक्षा खतरे बाजार की विश्वसनीयता के लिए बड़ा जोखिम: सेबी प्रमुख

● 'हाल के समय में एआई टूल्स को लेकर ज्यादातर चिंताएं साइबर सुरक्षा से जुड़ी हैं'

एजेंसी

मुंबई । सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित साइबर सुरक्षा खतरे भारत के वित्तीय बाजारों के सामने सबसे बड़े जोखिमों में से एक बनकर उभर रहे हैं।

उन्होंने बाजार व्यवस्था में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आक्रामक कदम उठाने की जरूरत बताई। एनडीटीवी प्रॉफिट के साथ बातचीत के दौरान सेबी प्रमुख ने कहा कि फिलहाल एआई टूल्स को लेकर सबसे बड़ी चिंता बाजार में हेरफेर या एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग नहीं,



बल्कि साइबर सुरक्षा कमजोरियों को लेकर है। पांडे ने कहा कि वित्तीय बाजार बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर सिस्टम पर निर्भर हैं और यदि साइबर सुरक्षा ढांचे में कोई कमजोरी रह जाती है तो उसका गलत इस्तेमाल बाजार की विश्वसनीयता के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

● इसे पहले से ही यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस भी सॉफ्टवेयर सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है, वे पूरी तरह सुरक्षित हों।'

उन्होंने कहा, 'हाल के समय में एआई टूल्स को लेकर ज्यादातर चिंताएं साइबर सुरक्षा से जुड़ी हैं। जैसा कि आप जानते हैं, बाजार आपसी इंटरफेस तक सॉफ्टवेयर सिस्टम पर निर्भर करते हैं। अगर साइबर सुरक्षा कमजोर पड़ती है या सॉफ्टवेयर में खामियां पनपती हैं, तो साइबर हमलों का खतरा बहुत बढ़ जाता है। ऐसे हमले सफल होने पर बाजार की विश्वसनीयता को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।' उन्होंने वित्तीय बाजारों में इस्तेमाल होने वाले सभी सॉफ्टवेयर, खासकर थर्ड-पार्टी वेंडर्स द्वारा उपलब्ध कराए गए सिस्टम के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों की जरूरत पर जोर दिया। पांडे ने कहा, 'नियामकों और बाजार से जुड़े सभी पक्षों को मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, आक्रामक पैच मैनेजमेंट और लगातार कमजोरियों की जांच सुनिश्चित करनी होगी।'

आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को 155 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान उनके घर के बाहर बड़ी संख्या में समर्थक जमा हो गए। जैसे ही ईडी की टीम दीपक सिंगला को अपने साथ लेकर निकली, समर्थकों ने केंद्र सरकार के खिलाफ भी नारेबाजी शुरू कर दी। यह पूरी कार्रवाई महेश टिंबर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े 155 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में की गई है। इस फाइनेंशियल फ्रॉड के तार पहले से गिरफ्तार पंजाब के मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता संजीव अरोड़ा से भी जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी को जोड़ने और पूरे नेटवर्क को समझने के लिए ईडी ने बड़े स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया।

ओडिशा दौरे पर नीतिन नवीन, कोर कमेटी बैठक में संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा

● मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार सुबह भुवनेश्वर स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में आयोजित पार्टी की राज्य कोर कमेटी की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, राज्य के आर्थिक विकास तथा विभिन्न राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, जुएल ओराम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मनमोहन सामल,



भाजपा ओडिशा प्रभारी विजय पाल सिंह तोमर, सहप्रभारी लता उसेंडी, उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंहदेव तथा उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिडा भी मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव मनस मोहंती, सांसद प्रताप षड़ंगी, डॉ. संबित पात्र और अन्य वरिष्ठ नेता भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोशल मीडिया पर कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की उपस्थिति में आयोजित राज्य कोर कमेटी की बैठक में वरिष्ठ नेताओं के साथ संगठनात्मक कार्यों को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने की जनसुनवाई-लोगों की समस्याओं का हुआ हाथोंहाथ समाधान

मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनकर परियोजियों से व्यक्तिगत संवाद भी किया।

● जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया।

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई में प्रदेशभर से आई महिलाओं, विशेष योग्यजन, वरिष्ठ नागरिक एवं विभिन्न वर्गों के लोगों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना। मुख्यमंत्री ने अनेक फरियादों में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर मौके पर ही परिवेदनाओं का समाधान कर परिवादियों को राहत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई आमजन और शासन के बीच विश्वास एवं संवाद का प्रभावशाली माध्यम है। हमारी सरकार सुशासन के उच्च मानकों पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए



सभी फरियादों के निस्तारण की समय-समय पर मॉनिटरिंग की जाए। अधिकारी ऐसी पारदर्शी एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे परिवादी को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई हो।

पीएम मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से नवाजा गया

एजेंसी

ओस्लो। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। नॉर्वे ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी को अपने सबसे बड़े सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से नवाजा। यह पीएम मोदी को मिला 32वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। एक दिन पहले ही भारत के प्रधानमंत्री को स्वीडन में सर्वोच्च सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' (कमांडर ग्रैंड क्रॉस) से सम्मानित किया गया था। पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में अलग-अलग एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद दोनों नेताओं ने अपने संबोधन



दिया। नॉर्वे में भारतीय समुदाय के लोगों ने पूरी गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट के जरिए भावनाएं व्यक्त की। उन्होंने लिखा, 'ओस्लो में आज भारतीय समुदाय द्वारा किए गए स्वागत कार्यक्रम में 'रिदम ऑफ इंडिया' की प्रस्तुति ने भारत की सांस्कृतिक विविधता की खूबसूरत झलक पेश की। सत्तरिया से भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी से ओडिसी, कथक से मोहिनीअट्टम तक, प्रत्येक नृत्य शैली में वर्षों की

● पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

लगन, अनुशासन और उत्कृष्ट झलकती है। भारत की संस्कृति को जीवंत और संजोए रखने के लिए हम अपने प्रवासी भारतीयों पर गर्व करते हैं। पीएम मोदी ने लिखा, 'मुझे गर्व है कि हमारे प्रवासी भारतीय समुदाय भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत और सशक्त बनाए हुए है। भारत के प्रधानमंत्री के सम्मान जैसी अच्छियों ने भी शास्त्रीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। पीएम मोदी ने लिखा, 'ओस्लो में स्वागत कार्यक्रम के दौरान नाट्यलय नृत्य विद्यालय के एक समूह ने भरतनाट्यम से संबंधित अलारिप्पु नृत्य प्रस्तुत किया। यह समूह लगभग तीन दशकों से नॉर्वे में भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को लोकप्रिय बनाने का काम कर रहा है। ऐसे प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं।'

प्रधानमंत्री के स्वागत में देसी विदेशी कलाकारों की मंडली आरती ओम जय जगदीश गाती दिखी। पीएम ने लिखा, 'संगीत, संस्कृति और साझा कलात्मक भावना के माध्यम से एकजुटता का एक सुंदर प्रतिबिंब 'साथ साथ' का सादी बना।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर लाईन सहायक श्रेणी-दो ललेश्वर दास साहू को कारण बताओ सूचना जारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कार्यपालन अभियंता संभाग छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी लिमिटेड कौशलेन्द्र पाण्डे ने सोमनी उपकेन्द्र में कर्तव्य अवधि में शराब पार्टी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के संबंध में उप संभाग सोमनी में पदस्थ लाईन सहायक श्रेणी-दो ललेश्वर दास साहू को कारण बताओ सूचना जारी किया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार सोमनी उपकेन्द्र में 16 मई 2026 को रात्रि में कर्तव्य अवधि के दौरान लाईन सहायक श्रेणी-दो ललेश्वर दास साहू एवं आउटसोर्सिंग ठेका कर्मचारी धनेश देशमुख शराब पार्टी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। यह कृत्य गंभीर कदाचरण की श्रेणी में आता है। जिससे कंपनी की छवि धूमिल हुई है। यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा का उल्लंघन है। नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए एक वार्षिक वेतन वृद्धि या गतिरोध भत्ता असंचयी प्रभाव से अवरूद्ध करने प्रस्तावित किया गया है। इस संबंध में लाईन सहायक श्रेणी-दो श्री ललेश्वर दास साहू को 15 दिवस के भीतर उचित माध्यम से कार्यालय में बचाव कथन व प्रतिउत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। समय सीमा में सुसंगत स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने पर एकपक्षीय निर्णय लेते हुए प्रस्तावित दण्ड अधिरोपित कर दिया जाएगा।

उरईडबरी में बरसाती चौंका आरती श्रध्दा-भाव से सम्पन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजनांदगांव. सदुरु कबीर साहेब, पंथ श्री हुजुर प्रकाश मुनि नाम साहेब, पंथ श्री हुजुर उदित मुनि नाम साहेब के असीम कृपा से एक दिवसीय महायज्ञ बरसाईत महात्म्य चौका आरती शनिवार को श्रद्धा-भाव से यह आयोजन जीई रोड चिचोला समिपस्थ उरईडबरी स्थित कबीर गुरुद्वारा में सम्पन्न हुआ जिसमें मानिकपुरी समाज एवं कबीर पंथ के हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। यह भव्य आयोजन महंत सुकृतदास , महंत गोपेश्वर दास, महंत प्रताप दास और दिवान बोधनदास, तिलोकदास के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस वार्षिक अध्यात्मिक समागम और चौका आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने गुरुओं,महंत दिवानों का आशीर्वाद और प्रसाद प्राप्त अपनी आस्था प्रकट की।

नमाज पर सीएम योगी आदित्यनाथ का कड़ा रुखः 'नमाज पढ़नी है, तो शिफ्ट में पढ़िए..



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पढ़ने और यातायात बाधित होने के मुद्दे पर अब तक का सबसे बड़ा और कड़ा बयान दिया है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने साफ शब्दों में कहा कि अगर नमाज पढ़नी है, तो शिफ्ट में पढ़िए, लेकिन सड़कों को ब्लॉक मत कीजिए। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए आगे कहा, 'प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। ' मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद राज्य की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है, वहीं राजनीतिक गलियारों में भी बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है।

'सड़कें नमाज के लिए नहीं, आवागमन के लिए हैं' - सीएम योगी

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था और धार्मिक आयोजनों के बीच संतुलन बनाने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि:

• **शिफ्ट का फॉर्मूला:** यदि मस्जिदों में जगह कम है, तो नमाज अलग-अलग शिफ्ट (समय) में पढ़ी जा सकती है, ताकि किसी भी श्रद्धालु को दिक्कत न हो।

• **सार्वजनिक व्यवस्था सर्वोपरि:** किसी भी धार्मिक गतिविधि के कारण आम जनता, एम्बुलेंस या यातायात को असुविधा नहीं होनी चाहिए।

• **सख्त चेतावनी:** मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सरकार पहले समझाकर और प्यार से कानून का पालन कराना चाहती है, लेकिन यदि कोई जानबूझकर कानून हाथ में लेगा या व्यवस्था बिगाड़ेगा, तो प्रशासन सख्त विधिक रुख (दूसरा तरीका) अपनाने से पीछे नहीं हटेगा।

कानून का राज या चुनावी एजेंडा? विपक्ष हमलावर

सीएम योगी के इस बयान के सामने आते ही विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है।

• **विपक्ष का आरोप:** मुख्य विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार बुनियादी मुद्दों जैसे बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के संवेदनशील बयान दे रही है। धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को सीमित करने का प्रयास किया जा रहा है।

• **सत्ता पक्ष की दलील:** भाजपा और सरकार के समर्थकों का कहना है कि यह बयान किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वजनिक अनुशासन और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए है।

बनासकांठा पुलिस या तस्करों की साझीदार? 'शूरवीर' नाम के वहीवटदार ने गिरवी रखी पूरी बॉर्डर! धानेरा बॉर्डर पर टकों के भाव बिक रहा कानून

महानगर मेट्रो ब्यूरो



बनासकांठा। गुजरात में शराबबंदी के नाम पर कानून की जो धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, उसकी सबसे वीभत्स तस्वीर बनासकांठा की धरती पर देखने को मिल रही है। राज्य के गृहमंत्री गांधीनगर से भले ही कितनी भी गर्जनाएं करें, लेकिन बनासकांठा बॉर्डर पर बैठे भ्रष्ट अधिकारियों के लिए ये आदेश महज रद्दी के टुकड़े के समान हैं। सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी के अनुसार, बनासकांठा जिले में कानून-व्यवस्था का राज कोई एसपी या कलेक्टर नहीं, बल्कि पुलिस विभाग में 'आका' बनकर बैठा 'शूरवीर' नाम का एक कथित वहीवटदार (बिचौलिया/एजेंट) चला रहा है! खाकी वर्दी की आड़ में चल रहा यह पूरा खेल उच्च अधिकारियों के सीधे संरक्षण में होने के गंभीर आरोपों से पूरा इलाका दहल उठा है। रोंगटे खड़े कर देने वाली हकीकत यह है कि अमीरगढ़, पांथावाड़ा, अंबाजी और धानेरा बॉर्डर से किस काली रात में कितनी शराब से भरी ट्रकें और कंटेनर गुजरात की सीमा में प्रवेश करेंगे, इसका पूरा हिसाब-किताब इस कथित वहीवटदार 'शूरवीर' के दफ्तर से तय होता है। जिला पुलिस प्रमुख और एलसीबी की नाक के नीचे ही करोड़ों रुपये की शराब और जहरीले ड्रग्स गुजरात की युवा पीढ़ी को बर्बाद करने के लिए धकेले जा रहे हैं। जो सरहदें देश और राज्य की सुरक्षा के लिए हैं, उन्हें इन भ्रष्ट बाबुओं ने बुटलेगरों (शराब तस्करों) के हवाले क्यों कर दिया? सिर्फ शराब ही नहीं, बल्कि चरस, गांजा और घातक केमिकल ड्रग्स जैसे जानलेवा नशे के सौदागर आखिर किसके दबाव में बॉर्डर पार कर रहे हैं? बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद एसपी साहब मौन क्यों साधे बैठे हैं? क्या इस चुप्पी की वजह लाखों रुपये का 'कट' (कमीशन) है?

गृहमंत्री हर्ष संघवी के आदेशों को ठेंगा दिखा रही भ्रष्ट टोली!

मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी बार-बार गुजरात को नशामुक्त बनाने के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन बनासकांठा के इस भ्रष्ट सिंडिकेट ने पूरी व्यवस्था को पंगु बना दिया है। स्थानीय लोगों ने कई बार लिखित सबूतों के साथ शिकायतें कीं, लेकिन यह 'शूरवीर' और उसके आका इतने रसूखदार हैं कि कानून इनके घर की दासी बनकर रह गया है।

जनता अब तीखे सवाल पूछ रही है कि:

• रोजाना लाखों रुपये का यह काला कारोबार कब तक चलेगा?

• आम आदमी की छोटी सी भूल पर डंडे बरसाने वाली पुलिस, इन करोड़ों के नशे के सौदागरों के सामने दुम दबाकर क्यों बैठ जाती है?

अब पूरे गुजरात की नजरें गांधीनगर की SMC (स्टेट मॉनिटरिंग सेल) पर टिकी हैं। सवाल यह है कि क्या एसएमसी के आला अधिकारी इस कथित 'शूरवीर' के राजनीतिक और खाकी के रसूख के आगे झुक जाएंगे? या फिर एक बड़ा एक्शन लेकर इन भ्रष्ट आकाओं को जेल की सलाखों के पीछे धकेलेंगे बनासकांठा की जनता अब आर-पार के मूड में है। इस खोजी रिपोर्ट के जरिए प्रशासन को साफ चेतावनी है कि यदि तंत्र तुरंत नहीं जागा, तो इस भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ जनता खुद सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएगी।

पूरे भारत मे शिक्षा की अलख जगाई गुरु वल्लभ ने नित्यानंद सूरीश्वरजी गुरु आत्म वल्लभ स्कूल में अत्याधुनिक सुविधाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुना। गुरु वल्लभ ने पूरे भारत में शिक्षा की अलख जगाई और लोगों को शिक्षित करने के लिए कई कार्य किए। उन्होंने शिक्षा को समाज में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने के लिए काम किया और लोगों को ज्ञान की रोशनी से अवगत कराया।इसमें गोडवाड़ व पंजाब का उल्लेख करना भुला नहीं जा सकता। उपरोक्त विचार पंजाब केसरी विजय वल्लभ सूरीश्वरजी म.सा.समुदाय के गच्छाधिपति आचार्य विजय नित्यानंद सूरीश्वरजी म.सा. ने पूना स्थित आचार्य श्री विजय वल्लभ स्कूल में अत्याधुनिक पुस्तकालय एवं आर्ट रूम का भव्य उद्घाटन संपन्न करने के बाद किये।उन्होंने कहा कि 'केवल पुस्तकीय शिक्षा पर्याप्त नहीं होती। चित्रकला बच्चों की सृजनशीलता, एकाग्रता और निरीक्षण क्षमता को विकसित करती है। इस कक्ष के माध्यम से विद्यालय में अनेक कलाकार तैयार होंगे। इस उद्देश्य से आधुनिक बैठक व्यवस्था, चित्रफलक, रंग, ब्रश, डिजिटल चित्रकला हेतु कंप्यूटर एवं अन्य आवश्यक सामग्री से युक्त अत्याधुनिक आर्ट रूम का निर्माण इंदरभाई, महावीरभाई, नरेंद्रभाई छाजेड परिवार ने करवाया है।

गुरुदेव ने कहा कि आचार्य श्री विजय वल्लभ स्कूल आधुनिक तकनीक एवं कौशल का उपयोग कर विद्यार्थियों को भविष्य के लिए उत्कृष्ट रूप से तैयार करने में सक्षम विद्यालय है। यहाँ आधुनिक पद्धतियों को अपनाकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारा जाता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहने वाली इस शाला की निरंतर प्रगति होती रहे, ऐसा शुभाशीर्वाद उन्होंने प्रदान किया। स्कूल में विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित एवं अत्याधुनिक कांचन दिलीपचंदजी गादिया पुस्तकालय तथा व भीमराजजी बादरमलजी छाजेड आर्ट रूम का उद्घाटन भी हुआ।स्कूल के अध्यक्ष सुभाष परमार ने बताया कि विद्यालय का पुस्तकालय केवल पुस्तकों का कक्ष नहीं, बल्कि विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता की रीढ़ होता है।इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नए कांचनदीप आधुनिक डिजिटल पुस्तकालय का निर्माण संजयभाई दिलीपचंद गादिया परिवार द्वारा किया गया है। इसमें शांत एवं सुसज्जित बैठक व्यवस्था के साथ विभिन्न विषयों की संदर्भ पुस्तकें, बाल साहित्य, कहानियाँ, उपन्यास, विश्वकोश, धार्मिक पुस्तकें आदि का समावेश किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने रायपुर में अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' और मोबाइल फॉरेंसिक वैन का किया शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो



रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज माना पुलिस परेड ग्राउंड, रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस की अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' तथा मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष श्री रमन सिंह एवं की गरिमामयी उपस्थिति में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने 400 अत्याधुनिक डायल-112 वाहनों तथा 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर आधारित यह आधुनिक सेवा पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करते हुए नागरिकों को एक ही नंबर पर त्वरित आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराएगी। इसके तहत शुरू किए गए 400 अत्याधुनिक वाहनों में स्मार्टफोन, जीपीएस, वायरलेस रेडियो, पीटीजेड कैमरा, डैश कैम, मोबाइल एनवीआर और सोलर बैकअप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन तकनीकों की मदद से घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल-टाइम ट्रैकिंग और त्वरित संचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह सेवा संचालित होगी। इसमें जीआईएस आधारित मॉनिटरिंग, एडवांस व्हीकल ट्रैकिंग, एसआईपी ट्रंक टेक्नोलॉजी तथा स्वचालित कॉलर लोकेशन पहचान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। राज्य के सभी 33 जिला समन्वय केंद्रों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। नागरिक वॉयस कॉल, एसएमएस, ईमेल, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, चैटबॉट और SOS-112 इंडिया ऐप के माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

मोबाइल फॉरेंसिक वैन से घटनास्थल पर ही होगी वैज्ञानिक जांच

Science on Wheels - Towards Faster Justice थीम पर आधारित 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदेश में अपराध अनुसंधान को नई दिशा देंगी। '32 वैन - 32 जिले - एक संकल्पः सटीक जांच, त्वरित न्याय' के उद्देश्य के साथ शुरू की गई यह पहल घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक .

भोपाल की ट्विषा शर्मा मौत मामलाः मेरा जीवन नर्क बन गया है, ममी.



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। भोपाल की ट्विषा शर्मा के संदिग्ध निधन के मामले में एक ऐसा सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मोड़ आया है, जिसने समाज और रिश्तों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मौत से पहले ट्विषा ने ससुराल में जो असहनीय यातनाएं और दर्द सहा था, उसकी पूरी हकीकत अब सामने आ गई है। ट्विषा के मोबाइल से मिली वाट्सएप और इंस्टाग्राम चैट्स ने उसके दुख और मानसिक-शारीरिक शोषण की एक ऐसी खौफनाक दास्तान बयां की है, जिसे पढ़कर किसी की भी रूह कांप जाए। अपने आखिरी दिनों में ट्विषा लगातार अपने भाई, मां और एक करीबी दोस्त को मैसेज कर मदद की गुहार लगा रही थी।

'मुझे यहां से ले जाओ, ये मुझे जीने नहीं देंगे '

सामने आई मोबाइल चैट्स के मुताबिक, मृतका ट्विषा शर्मा पर कई दिनों तक गंभीर मानसिक और शारीरिक जुल्म ढाए गए। निधन से पांच दिन पहले उसने अपनी मां को एक मैसेज भेजा था, जिसमें उसने अपने ससुराल वालों को 'घिनौना' बताया था।

• 30 अप्रैल का दर्दनाक संदेशः ट्विषा ने अपनी मां को लिखा था, 'ममी, मेरा जीवन जीता-जागता नर्क बन गया है। '

• 7 मई की अंतिम गुहारः मौत के ठीक पहले उसने फिर मां को मैसेज किया, 'मुझे प्लीज यहां से ले जाओ, ये लोग मुझे जिंदा नहीं रहने देंगे। '

चरित्र पर शक और घिनौने आरोप

चैट्स से यह भी साफ हुआ है कि ट्विषा का पति समर्थ उस पर लगातार झूठे शक करता था और उसकी चारित्रिक हत्या कर रहा था। ट्विषा ने अपनी मां को चैटिंग में बताया थाः

समर्थ मुझसे पूछ रहा है कि मैंने किसका बच्चा एबॉर्शन (गर्भपात) कराया है? ममी, मैं अब यह सब और बर्दाश्त नहीं कर सकती। प्लीज मुझे यहां से ले जाओ। अम्मा (सास) भी यह मानने से इनकार कर रही हैं कि समर्थ ने वास्तव में ऐसा कुछ कहा है। 'इस प्रताड़ना के पीछे केवल शक नहीं, बल्कि पैसों की भूख भी थी। ससुराल पक्ष द्वारा ट्विषा पर लगातार मायके से पैसे लाने का दबाव बनाया जा रहा था, जिसके चलते वह मजबूरन अपने पिता से बार-बार पैसे मांग रही थी। अपनी एक सहेली के साथ हुई बातचीत में उसने अपनी बेबसी जाहिर करते हुए साफ-साफ लिखा था कि वह 'शादी करके बुरी तरह फंस गई है।

राजकोट में फिर कांड का शक? ज़हरीली शराब पीने से दो करीबी दोस्तों की दुखद मौत,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। शराब पर पूरी तरह बैन वाले गुजरात में एक बार फिर कथित 'लट्ठा कांड' का काला साया देखने को मिला है। राजकोट शहर में ज़हरीली शराब (केमिकल वाला लिक्विड) पीने से दो करीबी दोस्तों की अचानक मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटना के बाद राजकोट पुलिस सिस्टम में तेज़ी आ गई है और बड़े अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंच गया है। पुलिस ने इस मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए मुख्य बूटलेगर समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने साथ में शराब पी और एक साथ अपनी जान गंवा दीः क्या है पूरी घटना मिली जानकारी के मुताबिक, राजकोट के लोकल इलाके में रहने वाले दो दोस्तों ने रात में एक लोकल बूटलेगर से देसी शराब खरीदी थी। दोनों ने साथ में शराब की पार्टी की थी। लेकिन शराब पीने के कुछ ही घंटों में दोनों की हालत बिगड़ गई।

• ज़हरीली शराब का जानलेवा असरः दोनों दोस्तों को बेहोशी, उल्टी और सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

• हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही खेल खत्मः घरवाले उन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाते, इससे पहले ही ज़हरीली शराब ने अपना असली रंग दिखा दिया और दोनों दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई।

20 मई को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा श्री रूद्र महाचण्डी महायज्ञ का समापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नागदा । राजा जन्मेजय की ऐतिहासिक नगरी नागदा के रूपेट रोड स्थित श्री पंचमुखी नाग महाराज मंदिर परिसर में इन दिनों भक्ति और आध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। गत 13 मई से आरंभ हुआ दिव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण से परिपूर्ण श्री रूद्र महाचण्डी महायज्ञ अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस भव्य धार्मिक आयोजन का समापन आगामी 20 मई को पूर्णाहूति एवं एक विशाल भंडारे के साथ होगा।

पंडित श्री विजय शर्मा (पण्डा जी महाराज) के सानिध्य तथा उज्जैन के प्रसिद्ध यज्ञाचार्य पं. गजानंद गुरु के मार्गदर्शन में आयोजित इस महायज्ञ में प्रतिदिन श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। पूरा क्षेत्र वैदिक मंत्रोच्चार और आहुतियों की खुशबू से सराबोर हो उठा है।

महायज्ञ का संकल्पः विश्व शांति और जनकल्याण

पंडित विजय शर्मा (पण्डा जी महाराज) ने बताया कि इस भव्य महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति, जनकल्याण एवं सर्व समाज की सुख-समृद्धि की मंगल कामना है। आयोजन के तहत विशेष वैदिक अनुष्ठान, पूजन एवं यज्ञ क्रियाएं विधि-विधान से संपन्न की जा रही हैं। इस महायज्ञ में लगभग डेढ़ लाख से अधिक आहूतियां अर्पित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

20 मई को दोपहर 12 बजे से प्रभु इच्छा तक भंडारा

आयोजन समिति के सदस्य आदित्य शर्मा, कान्हा शर्मा एवं रजत जायसवाल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया किः

• 20 मई को सुबह महायज्ञ की मुख्य पूर्णाहुति होगी।

• इसके पश्चात दोपहर 12:00 बजे से विशाल भंडारे (महाप्रसाद) का आयोजन किया जाएगा।

• इस भंडारे में नागदा सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

पंडित श्री विजय शर्मा ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से अपील की है कि वे इस पावन और पुण्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लें एवं महाप्रसाद ग्रहण करें।

इनका मिल रहा है सराहनीय सहयोग

इस विशाल धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में नगर के अनेक भक्तजन और समाजसेवी पूरी निष्ठा के साथ जुटे हुए हैं।

इनमें मुख्य रूप से:

सत्यनारायण शर्मा, विजय संघवी, नितिन ओरा, राजेश सकलेचा, संजय जैन, काशीराम पाटीदार, कालूराम पोरवाल, टिंकू मीणा, जैकी शर्मा, रवि चौहान, राधे जायसवाल, रोहित पोरवाल, राजा पोरवाल, धर्मेन्द्र चौहान, बद्रीलाल चौहान, श्याम पाटीदार, जगदीश पाटीदार, सुरेश पाटीदार, दिनेश मीणा, ओमप्रकाश शर्मा, नितेश टांक, कैलाश कुमावत, आतू बाबा, दीपक गुर्जर, सुमित दवे, सोनू मीणा, राजेश इयान, रजनीश रघुवंशी, दीपक जैन एवं जीवनलाल जैन सहित समस्त श्रद्धालु सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

ड्यूटी समय के बाद भी देर रात तक कार्य करते हैं युवा सीएमएचओ डॉ. संजय गहलोत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



ब्यावर। ब्यावर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इन दिनों अपनी सक्रिय कार्यशैली, जनसुनवाई और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर लगातार चर्चा में हैं। जहां अधिकांश कार्यालय निर्धारित समय के बाद बंद हो जाते हैं, वहीं युवा सीएमएचओ डॉ. संजय गहलोत देर रात तक कार्यालय में रहकर स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते दिखाई देते हैं। आमजन का कहना है कि डॉ. गहलोत केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अस्पतालों की वास्तविक स्थिति, मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं, दवाइयों की उपलब्धता और ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार नजर बनाए रखते हैं। ड्यूटी समय समाप्त होने के बाद भी वे फाइलों की समीक्षा, योजनाओं की मॉनिटरिंग और शिकायतों के निस्तारण में व्यस्त रहते हैं।

हर व्यक्ति को बैठाकर सुनते हैं समस्या

डॉ. संजय गहलोत की सबसे बड़ी विशेषता उनकी जनसुनवाई शैली मानी जा रही है। कार्यालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को वे धैर्यपूर्वक बैठाकर उसकी पूरी समस्या सुनते हैं। चाहे मरीज हो, कर्मचारी हो या ग्रामीण क्षेत्र से आया कोई आम नागरिक – वे सभी की बात गंभीरता से सुनकर तत्काल समाधान का प्रयास करते हैं। लोगों का कहना है कि कई बार देर शाम तक भी लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं और सीएमएचओ स्वयं उपस्थित रहकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए समाधान करवाने का प्रयास करते हैं। यही वजह है कि स्वास्थ्य विभाग में उनकी कार्यशैली की सराहना की जा रही है।

युवा सोच और तेज कार्यशैली

कम उम्र में प्रशासनिक जिम्मेदारी संभाल रहे डॉ. गहलोत अपनी युवा सोच और तेज निर्णय क्षमता के कारण अलग पहचान बना रहे हैं। अस्पतालों में अनुशासन, समय पर चिकित्सकीय सेवाएं और मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए वे लगातार निरीक्षण और समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। ब्यावर जिले के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से भी वे लगातार सक्रिय हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को समय पर उपचार मिल सके। जब अधिकारी स्वयं देर रात तक कार्य करते हैं तो कर्मचारियों में भी जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना बढ़ती है। डॉ. गहलोत की सक्रियता के कारण कई लंबित कार्यों में तेजी आई है और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार देखने को मिल रहा है।

आमजन के बीच बन रही सकारात्मक छवि

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आमजन के बीच जो दूरी महसूस की जाती थी, उसे कम करने का प्रयास डॉ. संजय गहलोत की कार्यशैली में साफ दिखाई देता है। मरीजों और आम नागरिकों से सीधे संवाद, समस्याओं के त्वरित समाधान और सेवा भाव के कारण उनकी सकारात्मक छवि लगातार मजबूत हो रही है। ब्यावर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और जनहितकारी बनाने की दिशा में युवा सीएमएचओ डॉ. संजय गहलोत की सक्रिय भूमिका लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

ममता सरकार की 'इमाम भत्ता योजना' पर सुवेंदु अधिकारी ने लगाया ब्रेक; सालाना 110 से 150 करोड़ रुपये का होता था खर्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पश्चिम बंगाल। राजनीति में एक बार फिर तुष्टीकरण और वित्तीय प्राथमिकताओं को लेकर घमासान तेज हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा साल 2012 में शुरू की गई मुस्लिम समुदाय के लिए बेहद चर्चित 'इमाम भत्ता योजना' को विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के हस्तक्षेप और कड़े रुख के बाद बंद कर दिया गया है। इस योजना के तहत राज्य के करीब 30,000 इमामों को हर महीने 3,000 रुपये (यानी सालाना 36,000 रुपये) का मानदेय दिया जा रहा था, जिससे सरकारी खजाने पर हर साल 110 करोड़ से 150 करोड़ रुपये के बीच का वित्तीय बोझ आ रहा था।

विस्तृत विवरण

2012 में वोट बैंक और तुष्टीकरण के लगे थे आरोप उल्लेखनीय है कि साल 2011 में सत्ता में आने के ठीक बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2012 में इस योजना की घोषणा की थी। तब से लेकर अब तक यह योजना हमेशा विवादों के घेरे में रही। विपक्षी दलों, विशेषकर भाजपा ने इसे 'वोट बैंक की राजनीति' और 'एकतरफा तुष्टीकरण' करार दिया था। मामला अदालत तक भी पहुंचा



था, जहां सरकारी कोष से किसी एक धर्म विशेष के धार्मिक गुरुओं को वेतन या भत्ता देने की वैधानिकता पर सवाल उठाए गए थे।

सुवेंदु अधिकारी का कड़ा प्रहार और कार्रवाई

इस योजना को बंद कराने में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने इसे राज्य के करदाताओं के पैसों का दुरुपयोग और असंवैधानिक बताते हुए इसके खिलाफ मोर्चा खोला था। आधिकारिक स्तर पर कानूनी और प्रशासनिक आपत्तियों के बाद आखिरकार इस भत्ते पर रोक लगा दी गई है। सुवेंदु अधिकारी का तर्क था कि सरकार को सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखना चाहिए और जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा किसी धार्मिक तुष्टीकरण के बजाय राज्य के बुनियादी विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च होना चाहिए।

साइड बॉक्स / इंफोग्राफिक्स योजना का पूरा गणित और इतिहास

शुरुआत: साल 2012 में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा।

मासिक भत्ता: 3,000 रुपये प्रति माह (सालाना 36,000 रुपये)।

सालाना बजटीय बोझ: राज्य सरकार के खजाने से 110 करोड़ से 150 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय।

ताजा स्थिति: सुवेंदु अधिकारी के कड़े विरोध और कानूनी/प्रशासनिक आपत्तियों के बाद योजना पूरी तरह बंद। राजनीतिक प्रतिक्रियाएं इस फैसले के बाद बंगाल की सियासत गरमा गई है। जहां भाजपा खेमे ने इसे कानून और संविधान की जीत बताया है, वहीं सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (ञस्ख्ष्ट) के सूत्रों का कहना है कि यह कदम अल्पसंख्यकों के कल्याण और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास को रोकने की एक राजनीतिक साजिश है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर और गहरा असर डाल सकता है।

सुशासन तिहार में हंगामा: नशे में धुत युवक ने सरपंच पर किया हमला, पुलिस ने दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पलान्दूर में आयोजित 'सुशासन तिहार' (जनसमस्या निवारण शिविर) के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक नशे में धुत युवक ने अचानक स्थानीय सरपंच पर हमला कर दिया। हालांकि, मौके पर मौजूद जिला प्रशासन और पुलिस की सजगता से एक बड़ा हादसा होने से टल गया। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया, जिसके बाद प्रशासनिक सूझबूझ से स्थिति सामान्य हुई और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

व्यक्तिगत रंजिश के चलते हुआ हमला

मिली जानकारी के अनुसार, हमला करने वाले व्यक्ति का सरपंच से विवाद पूरी तरह निजी और व्यक्तिगत कारणों से था। नशे की हालत में उसने शिविर के दौरान अचानक हमला बोल दिया। घटना की खबर मिलते ही एसडीएम एम. भार्गव तत्काल शिविर स्थल पर पहुंचे और वस्तुस्थिति का जायजा लिया। जिला प्रशासन द्वारा जनमानस से शांति बनाए रखने की अपील की गई, जिसका सकारात्मक असर दिखा और ग्रामीणों के सहयोग से कार्यक्रम यथावत जारी रहा।

11 गांवों के ग्रामीणों की उमड़ी भारी भीड़

इस जनसमस्या निवारण शिविर में सुगम, पारदर्शी और त्वरित सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। शिविर में मुख्य रूप से निम्नलिखित ग्रामों के जनमानस शामिल हुए:

- मुसराकला, कातलवाही और भानपुरी
- आलीवारा, पारागांवकला और पारागांवखुर्द
- कोलिहापुरी (छीपा), छीपा और पेंड्री
- कसारी एवं सलटिकरी

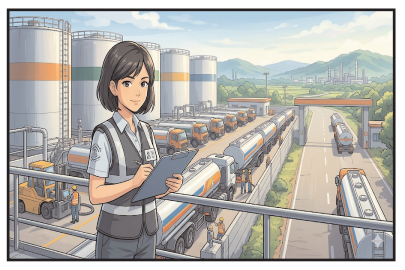
समयबद्ध निराकरण के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निराकरण करना है। हंगामे के बावजूद अधिकारियों की सक्रियता से ग्रामीणों के काम नहीं रुके। शिविर में आए 713 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है, ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के लिए भटकना न पड़े।

राज्य में वर्तमान में 3.29 करोड़ लीटर पेट्रोल तथा 7.76 करोड़ लीटर डीजल उपलब्ध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर राज्य सरकार ने स्थिति पूरी तरह सामान्य बताते हुए कहा है कि प्रदेश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की घबराने की आवश्यकता नहीं है। राज्य में वर्तमान में 3 करोड़ 28 लाख 68 हजार लीटर पेट्रोल तथा 7 करोड़ 75 लाख 71 हजार लीटर डीजल उपलब्ध है। खाद्य विभाग के संचालक आज सभी ऑयल कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक कर उन पेट्रोल पंपों तक जहां स्टॉक की कमी की स्थिति बन रही हो वहां प्राथमिकता में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और किसी भी प्रकार की



कमी की स्थिति नहीं है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों या भ्रम से प्रभावित होकर पैनिक बाइंग अथवा अनावश्यक भंडारण न करें। सरकार द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि उपभोक्ताओं को आवश्यकता अनुसार सुगमता से पेट्रोल और डीजल उपलब्ध हो सके। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि प्रदेशभर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति के लिए कुल 2516 पेट्रोल पंप संचालित हैं। बीते 13 और 14 मई को अचानक मांग बढ़ने के कारण पेट्रोल की खरीद में 43 प्रतिशत तथा डीजल की खरीद में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, कृषि कार्यों के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग भी लगातार बढ़ रही है। अधिकारियों ने बताया कि बढ़ी हुई मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के लखौली और मंदिरहसौद (रायपुर) तथा गोपालपुर (कोरबा) स्थित डिपो से लगातार जिलों को पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की जा रही है। स्थिति को सामान्य बनाए रखने के लिए रविवार अवकाश के दिन भी डिपो संचालित किए गए और लगभग 370 टैंकरों के माध्यम से ईंधन की आपूर्ति विभिन्न जिलों तक पहुंचाई गई। अधिकारियों ने बताया कि ऑयल कंपनियों के सभी डिपो से प्रतिदिन दो शिफ्टों में मांग के अनुरूप ईंधन भेजा जा रहा है।

राउज एवेन्यू कोर्ट का बड़ा फैसला: आरोपी नौ दिनों की सीबीआई कस्टडी में भेजा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी को नौ दिनों के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो की कस्टडी में भेज दिया है। अदालत ने यह फैसला सीबीआई की उस याचिका पर सुनाया, जिसमें मामले की गहनता से जांच और सबूत जुटाने के लिए आरोपी की रिमांड मांगी गई थी। कोर्ट के इस आदेश के बाद अब जांच एजेंसी आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ शुरू करेगी।

विस्तृत विवरण

सबूतों और कड़ियों को जोड़ने के लिए रिमांड जरूरी: CBI

अदालत में सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकीलों ने दलील दी कि यह मामला बेहद संवेदनशील और जटिल है। इस पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को आपस में जोड़ने, छिपे हुए तथ्यों को सामने लाने और महत्वपूर्ण दस्तावेजों व सबूतों को बरामद करने के लिए आरोपी से आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करना अनिवार्य है। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा था, इसलिए उसकी कस्टडी मिलना बेहद जरूरी था।

बचाव पक्ष ने किया विरोध

दूसरी तरफ, बचाव पक्ष के वकीलों ने सीबीआई की इस मांग का कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि उनके मुवक्किल को जानबूझकर फंसाया जा रहा है और पूछताछ के लिए इतनी लंबी कस्टडी की कोई आवश्यकता नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और मामले की गंभीरता को देखने के बाद बचाव पक्ष की दलीलों को खारिज कर दिया और सीबीआई को 9 दिनों की रिमांड सौंप दी।

बाक्स आइटम / हाईलाइट्स

सूत्रों के मुताबिक, अगले 9 दिनों की इस सीबीआई कस्टडी के दौरान कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। जांच एजेंसी आरोपी के बयानों के आधार पर कुछ अन्य संदिग्धों को भी समन भेज सकती है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में कुछ और सफेदपोशों और करीबियों पर भी शिकंजा कसे जाने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

तीन कमरों में सिमटा चपले कॉलेज... छात्रों का भविष्य आखिर किसके भरोसे?

महानगर मेट्रो ब्यूरो



रायगढ़ । सरकार लगातार उच्च शिक्षा को आधुनिक और मजबूत बनाने की बात कर रही है। नई शिक्षा नीति डिजिटल एजुकेशन और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। खरसिया विकासखंड अंतर्गत आने वाला शासकीय नवीन महाविद्यालय चपले, जो शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय से संबद्ध है, आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में संचालित हो रहा है। हालत यह है कि पूरा कॉलेज केवल तीन कमरों में चलाया जा रहा है। वर्ष 2021-22 में शुरू हुए इस महाविद्यालय को आज तक खुद का स्वतंत्र भवन नहीं मिल पाया है। फिलहाल कॉलेज की पढ़ाई स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल भवन के सहारे संचालित हो रही है। पहले से वहां हिंदी और अंग्रेजी माध्यम की स्कूल कक्षाएं चलती हैं। ऐसे में कॉलेज को दोपहर 12 बजे से शाम 5:30 बजे तक कक्षाएं लगानी पड़ रही हैं। एक कमरा कार्यालय के लिए उपयोग हो रहा है, जबकि बाकी कमरों में छात्रों की पढ़ाई कराई जा रही है। सीमित जगह और संसाधनों के बीच पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित होना स्वाभाविक है।

छात्रों के भविष्य पर बढ़ती चिंता

सेमेस्टर सिस्टम, इंटरनल परीक्षा, प्रोजेक्ट और नई शिक्षा नीति के दबाव के बीच छात्र बेहतर शिक्षा की उम्मीद लेकर कॉलेज पहुंचते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी उनके भविष्य पर सवाल खड़े कर रही है। जब पर्याप्त कक्ष, पुस्तकालय और शैक्षणिक सुविधाएं ही उपलब्ध नहीं होंगी, तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे संभव होगी – यह सवाल अब स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है।

क्या प्रशासन अब भी अनजान है?

इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद अब तक न तो कॉलेज के लिए स्वतंत्र भवन की व्यवस्था हो पाई है और न ही कोई बड़ा समाधान सामने आया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो आने वाले शिक्षण सत्र में स्थिति और भी खराब हो सकती है। इसका सीधा असर छात्रों की पढ़ाई और भविष्य पर पड़ेगा।

टोंक में बिखरा हुस्न और आत्मविश्वास का जलवा: 'मिस एंड मिसेज बनास 2026' के दूसरे ऑडिशन में उमड़ी प्रतिभाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



टोंक। नटराज स्टूडियोज़ के तत्वावधान में आयोजित बहुप्रतीक्षित सौंदर्य प्रतियोगिता 'मिस एंड मिसेज बनास 2026 ' के दूसरे ऑडिशन राउंड का आज टोंक स्थित 'द ओशियन रिज़ॉर्ट' में भव्यता के साथ आयोजन किया गया। इस खास मौके पर टोंक सहित आसपास के कई शहरों से आई महिलाओं और युवतियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रैंप पर उतरकर इन प्रतिभागियों ने अपनी छिपी प्रतिभा, अटूट आत्मविश्वास और शानदार व्यक्तित्व का बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया। गौरतलब है कि टोंक शहर के इतिहास में पहली बार इस बड़े स्तर के ब्यूटी कॉन्टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और कस्बों की उन होनहार प्रतिभाओं को एक सशक्त और सुरक्षित मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपनी कला और क्षमता को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रदर्शित कर सके.

Terranovas Pizza से निकले कॉकरोच, Buy One Get One के नाम पर सेहत से खिलवाड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। के कुडासन इलाके में मौजूद मशहूर फूड चेन 'Terranovas Pizza में एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां पिज्जा खाने गए एक कस्टमर के पिज्जा से मरा हुआ कॉकरोच निकलने से बड़ा हंगामा मच गया है। यह इस बात का जीता-जागता सबूत है कि डिस्काउंट और आकर्षक ऑफर के नाम पर कस्टमर को लुभाने वाले ऐसे बड़े रेस्टोरेंट किस हद तक साफ-सफाई और हाइजीन के नियमों को नजरअंदाज कर रहे हैं। जैसे ही इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की फूड सेफ्टी ब्रांच की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। होन्शे होन्शे पिज्जा खाने लगे और बीच में एक कॉकरोच निकल आया! राज्य की राजधानी में खाने की चीजों से कीड़े



निकलने की लगातार घटनाएं होने के बावजूद प्रशासन की आंखें नहीं खुल रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, एक लोकल परिवार वीकेंड (शनिवार-रविवार की छुट्टियों) में कुडासन में टेरानोवास पिज़्ज़ा आउटलेट पर डिनर करने गया था। रेस्टोरेंट ने कस्टमर्स को अट्रैक्ट करने के लिए 'एक खरीदें एक मुफ़्त पाएं' की एक आकर्षक स्कीम चलाई थी। परिवार ने पिज़्ज़ा ऑर्डर किया और पिज़्ज़ा टेबल पर आने के बाद, परिवार ने उसे बड़े चाव से खाना शुरू कर दिया। लेकिन, कुछ ही बाइट लेने के बाद, पिज़्ज़ा के टुकड़े में, चीज़ और सॉस के ठीक बीच में एक बड़ा कॉकरोच निकला। पिज़्ज़ा में कॉकरोच देखकर पूरा परिवार हैरान रह गया और उन्हें अपने मुंह में रखा खाना थूकना पड़ा।

कस्टमर ने वीडियो बनाकर रेस्टोरेंट का दरवाज़ा खोला

जैसे ही पिज़्ज़ा से कीड़ा निकला, कस्टमर ने तुरंत रेस्टोरेंट मैनेजर और वहां मौजूद स्टाफ को बुलाया और कड़ा विरोध जताया। इसके साथ ही, उस जागरूक नागरिक ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। इस वायरल वीडियो में पिज़्ज़ा के एक टुकड़े में एक कॉकरोच साफ देखा जा सकता है, जो आउटलेट के किचन की गंदगी और लापरवाही को खा रहा है।

जम्मू-कश्मीर में 'उड़ता पंजाब' जैसे हालात: सरहद पार के नार्को-टेररिज्म को कुचलने के लिए 100 दिन का 'महा-अभियान' शुरू

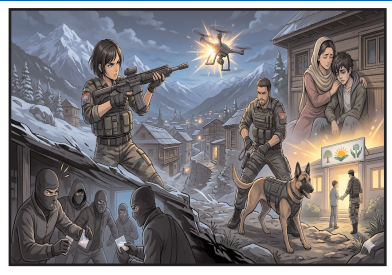
महानगर मेट्रो ब्यूरो

जम्मु-कश्मीर। उड़ता पंजाब' जैसे हालातः 13' आबादी नशे की गिरफ्त में; सरहद पार से आ रही खेप के खिलाफ 100 दिनों का महा-अभियान शुरू

धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला जम्मू-कश्मीर इस समय एक बेहद खौफनाक और अदृश्य संकट से जूझ रहा है। एक चौंकाने वाले खुलासे के मुताबिक, घाटी की करीब 13 फीसदी आबादी इस समय ड्रग्स (नशे) की जानलेवा लत का शिकार हो चुकी है। पंजाब और सरहद पार यानी पाकिस्तान से ड्रोन और अन्य रास्तों के जरिए पहुंचाई जा रही ड्रग्स की इस खेप ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं को खोखला करना शुरू कर दिया है। इस भयानक स्थिति को देखते हुए प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने ड्रग्स माफिया की कमर तोड़ने के लिए '100 दिवसीय विशेष महा-अभियान' की घोषणा की है।

विस्तृत विवरण नार्को-टेररिज्मः सरहद पार से रची जा रही है बड़ी साजिश

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स का यह जाल सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि सरहद पार से प्रायोजित 'नार्को-टेररिज्म' का हिस्सा है। पाकिस्तान की तरफ से घाटी में हथियारों के साथ-साथ अब भारी मात्रा में हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स भेजी जा रही है।



पंजाब के रास्ते भी नशीले पदार्थों की तस्करी धड़ल्ले से हो रही है। इस काले धंधे से होने वाली कमाई का इस्तेमाल घाटी में आतंकी गतिविधियों को फंड करने के लिए किया जा रहा है, जो सुरक्षा के लिहाज से एक नया और बड़ा सिरदर्द बन गया है। 100 दिनों के चक्रव्यूह में फंसेंगे ड्रग्स माफिया घाटी को नशे के इस दलदल से बाहर निकालने के लिए तैयार किया गया 100 दिनों का यह अभियान बेहद आक्रामक होने वाला है। इस रणनीति के तहत तीन मोर्चों पर एक साथ काम किया जाएगाः

1.सख्त कार्रवाई: ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े टॉप पेडलर्स और सप्लायर्स की संपत्तियां कुर्क की जाएंगी और उन पर पीआईटी-एनडीपीएस और पीएसए के तहत सख्त कार्रवाई होगी।

2.सख्त निगरानी: पंजाब बॉर्डर और एलओसी पर एंटी-ड्रोन सिस्टम और खोजी कुत्तों के जरिए चेकिंग को तीन गुना बढ़ा दिया गया है।

3.पुनर्वास और जागरूकता: केवल जेल भेजना समाधान नहीं है, इसलिए युवाओं को इस लत से छुड़ाने के लिए नए डी-एडिक्शन सेंटर (नशामुक्ति केंद्र) खोले जा रहे हैं और काउंसिलिंग का सहारा लिया जा रहा है।

चिंताजनक आंकड़े: युवाओं पर मंडराया संकट

13' आबादी किसी न किसी रूप में नशीले पदार्थों का सेवन कर रही है।

15 से 30 वर्ष की उम्र के युवा इस जाल में सबसे ज्यादा फंसे हैं।

ड्रोन तकनीकः हाल के महीनों में सीमा पार से ड्रोन के जरिए ड्रग्स गिराने की घटनाओं में तेजी आई है।

सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ा चलनः पारंपरिक अफीम-चरस के मुकाबले अब चिट्टा और केमिकल ड्रग्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है, जो बेहद जानलेवा है।

अधिकारियों का बयान

प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने **'महानगर मेट्रो' को बताया,** 'हमारा मकसद सिर्फ ड्रग्स पकड़ना नहीं, बल्कि इसके पूरे नेटवर्क को जड़ से उखाड़ना है। यह 100 दिनों का अभियान जम्मू-कश्मीर के भविष्य को बचाने की एक निर्णायक लड़ाई है, जिसमें जनता का सहयोग भी बेहद जरूरी है। '

आज का राशिफल

19 मई 2026, मंगलवार

जानें कैसा रहेगा आज आपका दिन

मेष (Aries)
- करियर और व्यवसाय: कार्यक्षेत्र में काम का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से काम समय पर पूरे होंगे। व्यापार में नए निवेश से बचें।
- स्वास्थ्य और संबंध: परिवार में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है। शांति से काम लें। वाणी पर संयम रखें।

वृषभ (Taurus)
- करियर और व्यवसाय: धन लाभ के योग बन रहे हैं। अगर कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करना चाहते हैं, तो आज का दिन शुभ है। सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा।
- स्वास्थ्य और संबंध: जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन बाहर के खाने से परहेज करें।

मिथुन (Gemini)
- करियर और व्यवसाय: ऑफिस में आपकी मेहनत की तारीफ होगी। अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को नया अवसर मिल सकता है।
- स्वास्थ्य और संबंध: दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। मानसिक रूप से आप काफी सकारात्मक और ऊर्जावान महसूस करेंगे।

कर्क (Cancer)
- करियर और व्यवसाय: आज आपको संभलकर रहने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में किसी से विवाद न करें। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी में फैसला न लें।
- स्वास्थ्य और संबंध: संतान की ओर से कोई चिंता रह सकती है। मेडिटेशन या योग करने से मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह (Leo)
- करियर और व्यवसाय: व्यापार में बड़ा सौदा होने की संभावना है। सरकारी काम जो लंबे समय से रुके थे, वे गति पकड़ेंगे।
- स्वास्थ्य और संबंध: समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर ही घर से बाहर निकलें।

कन्या (Virgo)
- करियर और व्यवसाय: आज का दिन मिलाजुला रहेगा। काम की व्यस्तता के कारण खुद के लिए समय निकालना मुश्किल होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
- स्वास्थ्य और संबंध: प्रेम संबंधों के लिए दिन अनुकूल है। आंखों या सिरदर्द की समस्या परेशान कर सकती है, पर्याप्त आराम करें।

तुला (Libra)
- करियर और व्यवसाय: किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
- स्वास्थ्य और संबंध: जीवनसाथी के साथ किसी यात्रा पर जाने का प्लान बन सकता है। घरेलू माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक (Scorpio)
- करियर और व्यवसाय: कानूनी या प्रशासनिक मामलों में सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद सुलझ सकते हैं। व्यावसायिक यात्राएं लाभप्रद रहेंगी।
- स्वास्थ्य और संबंध: पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

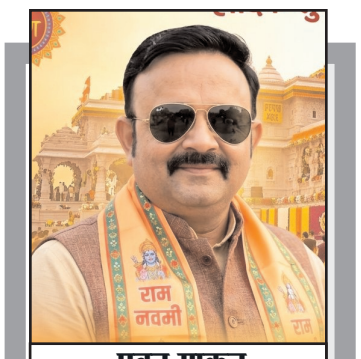
धनु (Sagittarius)
- करियर और व्यवसाय: आज आपको हर काम में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। विरोधियों से सावधान रहें, वे आपकी छवि बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।
- स्वास्थ्य और संबंध: पार्टनर के साथ छोटी-मोटी नोकझोंक हो सकती है। अपनी भावनाओं पर काबू रखें और गुस्से में कोई बात न कहें।

मकर (Capricorn)
- करियर और व्यवसाय: कला, मीडिया और लेखन से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहद शानदार रहेगा। आपकी रचनात्मकता की सराहना होगी। अचानक धन लाभ हो सकता है।
- स्वास्थ्य और संबंध: पारिवारिक जीवन में सामंजस्य रहेगा। वैसा अगर हार्ट-सिंक्रो ऑन मानसिक रूप में खुद खुद को फ्रस्ट्रा-दुरुस्त महसूस करेंगे।

कुंभ (Aquarius)
- करियर और व्यवसाय: नौकरी में स्थान परिवर्तन या नई जिम्मेदारियां मिलने के योग हैं। लेन-देन के मामले में सावधानी बरतें। उधार देने से बचें।
- स्वास्थ्य और संबंध: भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। शाम का समय परिवार के साथ बिताने से थकान दूर होगी।

मीन (Pisces)
- करियर और व्यवसाय: कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का अच्छा दिन है।
- स्वास्थ्य और संबंध: आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का योग बन सकता है। सेहत उत्तम रहेगी।

समुद्र की बेचैनी, बाजार की गर्मी और भारत की ऊर्जा चुनौती



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति,उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

पश्चिम एशिया संकट,तेल-गैस की बढ़ती कीमतें, उर्वरक दबाव और भारत की रणनीतिक तैयारी पर केंद्र सरकार की बड़ी तस्वीर...

विश्व की राजनीति जब युद्ध,तनाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के रास्ते समुद्रों तक पहुँच जाती है,तब उसका असर केवल सीमाओं और कूटनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रहता।उसका कोप आम आदमी की रसोई, अन्नदाता किसान के खेत,उद्योगों जगत की मशीनों और देश की अर्थव्यवस्था तक महसूस होता है।आज पूरी दुनिया कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री मार्गों पर मंडराते खतरे और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है।ऐसे में पी आई बी ,भारत सरकार द्वारा आयोजित आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी बढ़ते संकट और उससे निपटने की राष्ट्रीय तैयारी पर केंद्रित रही।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति,उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है ,लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है।यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है।इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है।इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है,उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है।भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं।देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है।इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है।सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल,डीजल,एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है।हालाँकि सरकार की इस आश्वस्ति के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुँच गई है। कुछ माह पहले तक यही कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई थी।तेल की कीमतों में इस तेज वृद्धि ने सरकार और आम उपभोक्ता दोनों की चिंता बढ़ा दी है।कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे सीधा असर पेट्रोल और डीजल पर



दिखाई देता है।हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में पेट्रोल लगभग 97 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 90 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुँच गया। यह वृद्धि केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहती।परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न,फल-सब्जियों, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी प्रभावित होती हैं।सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर व्यक्त की गई।पश्चिम एशिया का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज विश्व ऊर्जा व्यापार की धुरी माना जाता है।दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़े पैमाने पर एलएनजी का व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है।भारत के लिए यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है,क्योंकि देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।वर्तमान तनाव को देखते हुए भारत ने अपने आयात स्रोतों और समुद्री मार्गों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है।आज भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जबकि वर्ष 2006-07 में यह संख्या केवल 27 थी।रूस,अमेरिका,कनाडा,ब्राजील, अफ्रीकी देशों और अन्य वैकल्पिक बाजारों से आयात बढ़ाकर भारत ने पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।सरकार के अनुसार अब लगभग 70 प्रतिशत तेल आयात वैकल्पिक मार्गों और नए स्रोतों से किया जा रहा है।यही कारण है कि संकट की स्थिति के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति बाधित नहीं हुई।भारतीय नौसेना और समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।इस संकट का प्रभाव केवल पेट्रोलियम तक सीमित नहीं है।इसका बड़ा असर उर्वरक क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है।भारत का उर्वरक उद्योग मुख्यतः नेचुरल गैस आधारित है।यूरिया उत्पादन में गैस प्रमुख कच्चा माल होती है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतें बढ़ती हैं,वैसे-वैसे उर्वरक उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है।खरीफ सीजन नजदीक होने के कारण यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।इसके लिए सरकार ने उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति दी जा रही है,जबकि उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत और उर्वरक क्षेत्र को लगभग 70 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जा रही है।यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि घरेलू रसोई,सार्वजनिक परिवहन और कृषि क्षेत्र पर संकट का न्यूनतम असर पड़े। सरकार ने यह भी संकेत दिए कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त उर्वरक आयात की व्यवस्था की जा सकती है । सरकार ने जमाखोरी और कृत्रिम संकट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अफवाहों पर तुरंत कार्रवाई हो।

ऊर्जा संकट का असर केवल घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता।इसका सीधा प्रभाव विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर भी पड़ता है।भारत जितना अधिक महंगा तेल खरीदेगा,उतना अधिक विदेशी मुद्रा व्यय होगी। यही कारण है कि सरकार ने ऊर्जा आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए कई समानांतर रणनीतियों पर कार्य शुरू किया है।भारत अब केवल आयात आधारित ऊर्जा मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकता। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी सोच के तहत एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम,ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, बायो फ्यूल,सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जा रही है।

भारत ने एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कुछ वर्ष पहले जहाँ पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1-2 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत के आसपास पहुँचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।इससे न केवल तेल आयात पर निर्भरता घटेगी,बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।इसी प्रकार सरकार ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा शक्ति बनाने का प्रयास कर रही है।यदि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सफल होता है तो भविष्य में वैश्विक तेल संकटों का असर काफी हद तक कम किया जा सकेगा।लेकिन वर्तमान संकट यह भी बताता है कि ऊर्जा केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह राष्ट्रीय सुरक्षा,खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा विषय बन चुका है। यदि तेल महंगा होता है तो ट्रांसपोर्ट महंगा होता है।ट्रांसपोर्ट महंगा होता है तो खाद्यान्न महंगे होते हैं।गैस महँगी होती है तो उर्वरक महंगे होते हैं। उर्वरक महंगे होते हैं तो खेती की लागत बढ़ती है।जब खेती की लागत बढ़ती है,तब अंततः उसका असर देश की आम जनता पर पड़ता है।यही कारण है कि आज की यह प्रेस वार्ता केवल एक सरकारी ब्रीफिंग नहीं थी,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा,आर्थिक स्थिरता और भविष्य की रणनीति का व्यापक संकेत भी थी।केन्द्र सरकार ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि भारत स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबा खिंचता है तो भारत की चुनौतियाँ और बढ़ सकती हैं।अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत यदि 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर स्थिर रहती है तो महंगाई, आयात बिल और वित्तीय घाटे पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।हालाँकि भारत की स्थिति कई देशों की तुलना में बेहतर मानी जा रही है।मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार,तेजी से बढ़ती रिफाइनिंग क्षमता,विविध आयात स्रोत और रणनीतिक भंडारण ने भारत को अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में रखा है। लेकिन आने वाला समय भारत की ऊर्जा नीति और आत्मनिर्भरता की परीक्षा भी होगा।आज जब समुद्रों में तनाव है,तब भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न केवल तेल खरीदने का नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।यह समय केवल संकट प्रबंधन का नहीं, बल्कि दूरदर्शी ऊर्जा नीति बनाने का भी है।पश्चिम एशिया का यह संकट भारत को एक बड़ा संदेश दे रहा है - ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।आने वाले वर्षों में भारत जितनी तेजी से वैकल्पिक ऊर्जा, घरेलू उत्पादन और रणनीतिक भंडारण की दिशा में आगे बढ़ेगा,उतना ही वह वैश्विक ऊर्जा राजनीति के झटकों से स्वयं को सुरक्षित रख पाएगा।आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में यह तो स्पष्ट कर दिया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी दे दी कि दुनिया की बदलती ऊर्जा राजनीति आने वाले समय में हर देश की आर्थिक और रणनीतिक दिशा तय करने वाली है।भारत इस चुनौती को अवसर में बदल पाता है या नहीं,यह तो अभी अतीत के गर्भ में है,जो आने वाले समय बताएगा।

संपादकीय

बात-बेबात और विवाद

इसमें दो राय नहीं कि देश के प्रतिष्ठित व शीर्ष पदों पर विराजमान व्यक्तियों को अपने संस्थानों व सार्वजनिक मंचों पर अपनी बात रखने में अतिरेक में सावधानी बरतनी चाहिए। उससे निकलने वाले शब्दों के अर्थों के कई मायने निकाले जा सकते हैं। ऐसी ही चर्चा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के हालिया बयानों को लेकर हुई। बताया जाता है कि एक अधिवक्ता द्वारा सीनियर का दर्जा दिए जाने के बाबत दायर याचिका पर खिन्न मुख्य न्यायाधीश ने प्रासंगिक संदर्भ में जो कहा, उसको लेकर सवाल उठे। बताया जा रहा है कि ह्यउन्होंने मौखिक तौर पर कहा कि समाज में पहले से ऐसे परजीवी हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं, और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं... कुछ युवा ऐसे हैं, जो रोजगार नहीं मिलने और पेशे में जगह न बना पाने के कारण 'कॉकरोच' की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उसमें से कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं।' निश्चय ही हाल के वर्षों में संपादक विहीन सोशल मीडिया में लोगों के अराजक व्यवहार को देखते हुए यह भले ही यह सत्य न हो, कुछ लोग इसे अर्धसत्य बताते हैं। लेकिन न्याय व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति से इस विषय पर संवेदनशील ढंग से अभिव्यक्ति की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, बाद में जस्टिस सूर्यकांत ने 'कॉकरोच' वाले बयान पर कहा है कि 'मीडिया ने उनके शब्दों को गलत ढंग से पेश किया।' उन्होंने अपनी मौखिक टिप्पणी के बाबत कहा कि उनकी बातों को इस तरह पेश किया गया जैसे उन्होंने देश के युवाओं की आलोचना की हो। उनका कथन था कि उनकी टिप्पणी केवल उन लोगों के खिलाफ थीं, जिन्होंने फर्जी या नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य सम्मानित पेशों में घुस आए हैं, इसलिए परजीवियों की तरह हैं। उनका इशारा न्यायापालिका पर होने वाले अनुचित हमलों की तरफ था। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जाने वाली सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानूनी डिग्रियों की प्रमाणिकता पर संदेह है। लेकिन इसके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों, सोशल मीडिया से जुड़े लोगों व सोशल एक्टिविस्ट ने सीजेआई की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी हैं। राज्यसभा में एक राजद सांसद ने सार्वजनिक चिट्ठी लिखकर मुख्य न्यायाधीश की भाषा को लेकर चिंता जतायी। उनका कहना था कि बेरोजगारों, आरटीआई कार्यकताओं, मीडिया कर्मियों और असहमति व्यक्त करने वालों की तुलना 'कॉकरोच' व 'परजीवी' से करना लोकतंत्र की मूल आत्मा और उसकी बुनियादी संवैधानिक संस्कृति को आहत करने वाला लगता है।

चिंतन-मनन

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास। ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें। पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

भीषण गर्मी की मार से झुलसता भारत



कांतिलाल मांडोत

देश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजस्थान से लेकर गुजरात महाराष्ट्र ओडिशा उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश तक गर्म हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग लगातार चेतावनी जारी कर रहा है कि दिन के समय धूप और लू से बचें क्योंकि तापमान कई इलाकों में 42 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर में 48.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड होने के बाद पूरा पश्चिमी भारत मानो आग की भट्टी में बदल गया है।

राजस्थान इस समय देश का सबसे गर्म राज्य बना हुआ है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर फलोदी जोधपुर और बीकानेर में भी तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बाड़मेर जैसलमेर और जोधपुर में रेड अलर्ट जारी कर लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। हालात इतने खराब हैं कि जालोर में गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई। बिजली उपकरणों के ओवरहीट होने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। दूसरी ओर जैसलमेर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का समय बदलना पड़ा ताकि जवानों को तेज धूप और लू से राहत मिल सके। अब पुलिसकर्मी सुबह और शाम की शिफ्ट में काम कर रहे हैं।

गुजरात में भी स्थिति कम गंभीर नहीं है। उत्तर और दक्षिण गुजरात में हीटवेव के कारण लोगों की दिनचर्या बदल गई है। अहमदाबाद सूरत राजकोट और वडोदरा जैसे शहरों में दोपहर के समय बाजार सूने दिखाई देते हैं। लोग सुबह जल्दी और शाम को ही बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बच्चों बुजुर्गों और मजदूरों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़कों पर ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। लोग लस्सी छाछ नींबू पानी और बर्फ के गोलों से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी सूरज आग बरसा रहा है। नागपुर अकोला और विदर्भ के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। खेतों में काम करने वाले किसान और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ओडिशा और आंध्रप्रदेश में समुद्री नमी के कारण उमस भी बढ़ गई है जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बिहार झारखंड और उत्तरप्रदेश में भी लू ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु पक्षियों पर भी दिखाई दे रहा है। पेड़ों के नीचे जानवर छांव तलाशते नजर आते हैं जबकि पक्षी पानी की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। कई जगह सामाजिक संगठनों और छात्रों ने परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था शुरू की है। यह पहल गर्मी के इस कठिन समय में संवेदनशीलता का उदाहरण बन रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल गर्मी का स्वरूप और अधिक खतरनाक होता जा रहा है। जंगलों की कटाई बढ़ते प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण ने तापमान को और बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट और डामर की सड़कों के कारण गर्मी अधिक महसूस होती है। जल स्रोतों के सूखने और भूजल स्तर गिरने से समस्या और गंभीर बन रही है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं।



लू और भीषण गर्मी से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को कपड़े या टोपी से ढंकना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए बार बार पानी पीना जरूरी है। छाछ लस्सी नींबू पानी नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थ शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि शरीर को कम गर्मी लगे। खाली पेट बाहर नहीं निकलना चाहिए और अधिक तला भुना भोजन खाने से बचना चाहिए।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि उन पर लू का असर जल्दी होता है। घरों में खिड़कियों और दरवाजों को पर्दों से ढंककर रखना चाहिए ताकि गर्म हवा अंदर न आए। पशुओं और पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना तेज बुखार उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए क्योंकि यह हीट स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं।

देश के सामने यह गर्मी केवल मौसमी संकट नहीं बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी भी है। तेजी से बदलता मौसम यह संकेत दे रहा है कि प्रकृति के साथ लगातार हो रहे खिलवाड़ का असर अब सीधे लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकारों को जल संरक्षण हरित क्षेत्र बढ़ाने और प्रदूषण कम करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। साथ ही लोगों को भी पेड़ लगाने पानी बचाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है। यदि अभी से गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में गर्मी का यह संकट और विकराल रूप ले सकता है।

बेटे के लिए क्यों नहीं गंदगी पूरे परिवार की, तो सफाई सिर्फ स्त्री की ही क्यों ?

महानगर मेट्रो

बहुत हुई 'कन्या विदाई', अब शुरू करें 'कुमार विदाई' का नया अध्याय!

हमारे समाज में शादी दो आत्माओं का मिलन कम और स्त्री के अस्तित्व की आहुति अधिक बनकर रह गई है। मंडप में गूंजती शहनाइयाँ एक तरफ खुशी का माहौल बनाती हैं, तो दूसरी तरफ एक पिता अपनी पूरी दुनिया किसी अनजान के हाथों में सौंपकर खाली हाथ घर लौटता है। यह विदाई सिर्फ घर बदलने की एक रीत नहीं है, बल्कि एक स्त्री के सपनों और उसकी पहचान पर 'परंपरा' का ठप्पा लगने की शुरुआत है।

आज शिक्षित और आत्मनिर्भर स्त्री शादी करने से डरती है; इसके पीछे कोई पश्चिमी अंधानुकरण नहीं, बल्कि मानसिक गुलामी का डर है। उसे भय है कि जो पंख आसमान नापने के लिए बने थे, उन्हें शादी के पिंजरे में कैद कर दिया जाएगा। उसे शादी से कोई ऐतराज नहीं है, बल्कि शादी के बाद बदलने वाले 'दोहरे मानदंडों' से ऐतराज है।

बेटा देर रात तक बाहर रहे तो वह 'काम' कहलाता है, लेकिन बहू चौखट पार करे तो उसके 'संस्कारों' पर सवाल उठने लगते हैं। कई बार



पति मदद करना भी चाहता है, तो सामाजिक दबाव आड़े आ जाता है। सास-ससुर ही टोक देते हैं 'अजीब बात है, तुम्हारी बहू कोई अकेली नौकरी नहीं करती।' यह मानसिकता बहू को अंदर से तोड़ देती है। अगर गंदगी पूरे परिवार की है, तो सफाई की जिम्मेदारी सिर्फ बहू की ही क्यों? घर के कामों में पुरुष का सहयोग कोई उपकार नहीं, बल्कि सहजीवन (साथ जीने) की बुनियाद है।

बहू की सैलरी अक्सर घर के रोजमर्रा के खर्चों में खर्च हो जाती है, जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं रहता। दूसरी तरफ, पति की सैलरी 'सेविंग्स' (बचत) में जाती है, जिससे उसके या उसके माता-पिता के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदी जाती है। जिंदगी भर खून-पसीना बहाने वाली बहू के नाम पर एक ईंट भी नहीं होती! और जब वह अपने शौक या मायके के लिए थोड़े पैसे खर्च करती है, तब उसे 'स्वार्थी' मान लिया जाता है।

बेटे को मामूली सर्दी भी हो जाए तो पूरा घर चिंता में डूब जाता है, लेकिन बहू बुखार में तप रही हो तब भी रसोई का धुआं उसी का रास्ता देख रहा होता है। 'हमें बाहर का खाना हजम नहीं होता 'यह कहकर बीमार बहू से काम करवाना संस्कार नहीं, बल्कि मानवता का अभाव है। बहू के शरीर में भी लहू बहता है, वह कोई मशीन नहीं है।

समाज से एक सहृदय अपील

समाज में सभी एक जैसे नहीं हैं। ऐसे बेहतरीन परिवार भी हैं जो बहू को सही मायनों में बेटी मानते हैं। ऐसे पति भी हैं जो पत्नी के करियर के लिए अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। हमारा सवाल उन लोगों से है जो आज भी बहू को सिर्फ एक 'मुफ्त की नौकरानी' या 'कमाने वाली मशीन' समझते हैं।

कुमार विदाई ' सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक नई विचारधारा है। हमें बेटियों को यह विश्वास दिलाना होगा कि ससुराल कोई बंधन नहीं बल्कि एक नया आसमान है।

अगर बहू कमाकर घर की आर्थिक स्थिति सुधारती है, तो परिवार के सदस्यों को भी उसे घर के कामों से मानसिक राहत देनी चाहिए।

बहू के मायके वालों को ताने मारना उसके आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुँचाता है।

शादी कोई 'अधिकार' जताने का रिश्ता नहीं है, बल्कि एक-दूसरे के 'समान आदर' का नाम है। जिस दिन बहू को यह अहसास होगा कि इस घर में वह सिर्फ 'सेवा' करने के लिए नहीं, बल्कि 'सम्मान' के साथ जीने के लिए आई है, उस दिन बेटियों को शादी से डर नहीं लगेगा। आइए, बहू को घर की 'लक्ष्मी' मानकर उसके आत्मसम्मान की रक्षा करें, क्योंकि तभी कोई घर सही मायनों में 'मंदिर' बन पाएगा।

दर्शना पटेल-नेशनल मेडलिस्ट,
नेशनल अवार्ड से सम्मानित
(स्पोर्ट्स टीचर)।

योगी कैबिनेट के बड़े फैसले: आगरा मेट्रो, नई यूनिवर्सिटी और बिजली प्रोजेक्ट को मंजूरी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 12 प्रस्ताव पारित किए गए. इनमें आगरा मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कॉरिडोर-2 के लिए जमीन ट्रांसफर की मंजूरी, पशु चिकित्सा छात्रों के इंटर्नशिप भत्ते में तीन गुना बढ़ोतरी और मिर्जापुर में नई निजी यूनिवर्सिटी की स्थापना शामिल हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक हुई. इस दौरान कुल 12 अहम प्रस्तावों को पास किया गया. इनमें यूपी राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा आयोग के गठन को मंजूरी दे दी गई है. इसके साथ ही आगरा मेट्रो, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली विभाग से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स को भी हरी झंडी दिखाई गई है.

आगरा मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कॉरिडोर-2 के लिए कैबिनेट ने जरूरी जमीन ट्रांसफर के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. इस फैसले से ताजनगरी में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को काफी रफ्तार मिलने की उम्मीद है. मेट्रो कॉरिडोर-2 के निर्माण के लिए तहसील सदर के मौजा चक अव्वल की नजूल भूमि को चुना गया है. इसके लिए कुल 550 स्क्वायर मीटर जमीन दी गई है. ये जमीन उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को आवंटित की जा रही है. यूपी मेट्रो के प्रबंध निदेशक ने इस जमीन को बिना किसी शुल्क के आवंटित करने का अनुरोध किया था. शासन स्तर पर इस पर विचार करते हुए जिलाधिकारी सर्किल दर पर पूरी छूट दी गई है. कुछ जरूरी शर्तों और प्रतिबंधों के साथ इसे मुफ्त ट्रांसफर किया जा रहा है. आधिकारिक प्रेस नोट में कहा गया है कि जमीन ट्रांसफर का ये फैसला पूरी तरह से विशेष परिस्थिति में लिया गया है. भविष्य में इसे किसी दूसरे मामले के लिए एक उदाहरण या नजीर के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा.

पशु चिकित्सा छात्रों के लिए इंटर्नशिप भत्ता हुआ 3 गुना

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के पशु चिकित्सा के छात्रों को मिलने वाले मासिक इंटर्नशिप भत्ते में भारी बढ़ोतरी कर दी है. अब छात्रों को मिलने वाले भत्ते को सीधे 3 गुना बढ़ा दिया गया है. छात्रों का इंटर्नशिप भत्ता जो पहले 4,000 रुपए प्रति माह था, उसे अब बढ़ाकर 12,000 रुपए प्रति माह कर दिया गया है. उत्तर प्रदेश पं0 दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय और गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या सरदार वल्लभ भाई पटेल, कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ उत्तर प्रदेश एक बड़ी आबादी और विशाल पशुधन वाला राज्य है. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में पशुपालन विभाग की भूमिका बहुत अहम है.

फर्जी डॉक्टर साहब! दबोचे गए MBBS की नकली डिग्री लगाकर सालों से प्रैक्टिस कर रहे 3 डॉक्टर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। के दमोह में स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ा एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित संजीवनी अस्पतालों में फर्जी एमबीबीएस डिग्री के आधार पर नौकरी करने वाले तीन कथित डॉक्टरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. जांच के दौरान भर्ती प्रक्रिया, फर्जी मेडिकल दस्तावेज और नौकरी दिलाने वाले नेटवर्क की परतें खुल रही हैं, जिससे बड़े गिरोह के संकेत मिले हैं. मध्य प्रदेश के दमोह में फर्जी एमबीबीएस की डिग्री लगाकर भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा संचालित संजीवनी अस्पतालों में नौकरी कर रहे तीन 'डॉक्टर्स' को गिरफ्तार किया गया है.पुलिस ने इनमें से दो को दमोह और एक को जबलपुर से गिरफ्तार किया है. इन तीनों पर आरोप है कि इन्होंने भारत सरकार के उपक्रम संजीवनी अस्पताल में फर्जी डिग्री लगाकर नौकरी पाई है. दरअसल, इस बात का खुलासा तब हुआ जब दमोह के जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी ने शिकायतों के बाद पाया कि जिले में चल रहे संजीवनी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टर काम कर रहे है.

लगाई फर्जी MBBS की डिग्री

सीएमएचओ ने जांच करने के बाद दमोह एसपी को प्रतिवेदन दिया और पुलिस ने जब जांच की तो मामला बड़ा निकला. दमोह एसपी आनंद कलादगी ने खुलासा करते हुए बताया कि सीएमएचओ के प्रतिवेदन के बाद जांच की गई और पाया कि लगभग एक साल पहले दमोह जिले की संजीवनी अस्पतालों के लिए डॉक्टर्स की भर्ती हुई थी जिसमें ग्वालियर के रहने वाले डॉ कुमार सचिन यादव और एमपी के ही सीहोर जिले के निवासी डॉ राजपाल गौर ने अपने शैक्षणिक दस्तावेजों में एमबीबीएस की डिग्री फर्जी लगाई है.

चमत्कार! बिल्डिंग से नीचे गिरी डेढ़ साल की बच्ची, नहीं आई एक भी खरोंच-

मुलताई में चमत्कार! पहली मंजिल से गिरने के बावजूद सुरक्षित बची बच्ची, खौफनाक मंजर देख उड़े परिजनों के होश।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुलताई। अंबेडकर वार्ड में शनिवार रात डेढ़ साल की बच्ची पहली मंजिल से गिर गई, लेकिन सौभाग्य से वह सुरक्षित बच गई. बच्ची बालकनी के पास खेल रही थी, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया. पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई. परिजन तुरंत उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे खतरे से बाहर बताया. मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र में शनिवार रात एक ऐसा हादसा सामने आया जिसने सभी को हैरान कर दिया. यहां एक डेढ़ साल की मासूम बच्ची घर की पहली मंजिल से नीचे गिरने के बावजूद सुरक्षित बच गई. यह घटना मुलताई के अंबेडकर वार्ड की बताई जा रही है. जहां इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और चर्चा का माहौल बन गया है. जानकारी के अनुसार लक्ष्मण बघे की पुत्री भानू शनिवार रात करीब 8 बजे घर की पहली मंजिल पर बालकनी के पास खेल रही थी. इसी दौरान खेलते-खेलते उसका संतुलन अचानक बिगड़ गया और वह नीचे



जा गिरी. बच्ची के गिरने की पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसे बाद में देखकर परिजनों के होश उड़ गए.घटना के तुरंत बाद घर में मौजूद परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बिना देर किए बच्ची को उठाकर नजदीकी अस्पताल ले गए. प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची को केवल हल्की चोटें आई हैं और वह पूरी तरह खतरे से बाहर है. डॉक्टरों के अनुसार इतनी ऊंचाई से गिरने के बावजूद गंभीर चोट न लगना किसी चमत्कार से कम नहीं है. सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि बच्ची कुछ ही पलों में बालकनी के पास खेलते-खेलते नीचे गिर जाती है. यह दृश्य देखने के बाद परिवार के लोग बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखों में आंसू आ गए. हालांकि राहत की बात यह रही कि बच्ची को कोई गंभीर चोट नहीं लगी. घटना के बाद पूरे इलाके में लोग इसे किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं. पड़ोसी और स्थानीय निवासी लगातार परिवार से मिलने पहुंच रहे हैं और बच्ची के सुरक्षित बचने पर राहत जता रहे हैं. वहीं परिवार ने भविष्य में बच्चों की सुरक्षा को लेकर अधिक सतर्क रहने की बात कही है. फिलहाल बच्ची की हालत स्थिर है और उसे डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है. इस घटना ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि छोटे बच्चों की देखभाल में जरा सी लापरवाही भी बड़े खतरे का कारण बन सकती है, लेकिन समय रहते मिला छोटा सा सहारा भी जान बचा सकता है

स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और सूरत को टक्कर देने मैदान में उतरा भोपाल, 106 नोडल अफसरों ने संभाला मोर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण में देश के सबसे साफ शहरों की सूची में टॉप पर आने के लिए भोपाल नगर निगम ने अपनी रणनीति बदल दी है। भोपाल ने अब सुपर स्वच्छ लीग में एंट्री कर ली है, जहां उसका सीधा मुकाबला इंदौर, सूरत, नवी मुंबई, अहमदाबाद, विजयवाड़ा और लखनऊ जैसे मजबूत दावेदारों से है। इस कड़े मुकाबले को देखते हुए बीएमसी कमिश्नर संस्कृति जैन खुद मैदान में उतरी हैं और उनके निर्देशन में 106 नोडल अधिकारियों को सीधे ग्राउंड जीरो पर तैनात किया गया है।

लापरवाही पर गिरेगी गाज

नगर निगम के इस अभियान का असर अब शहर की उन तंग गलियों और सरकारी क्वार्टर्स के पीछे वाले हिस्सों में दिखने लगा है, जो कभी गंदगी और बदबू का केंद्र हुआ करते थे। बीएमसी के सफाई कर्मचारी अब सूरज उगने से पहले ही सड़कों पर धूल साफ करने, गड्ढों को भरने और दीवारों की पुताई करने में जुट जाते हैं। कमिश्नर ने साफ कर दिया है कि काम में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी सख्ती के तहत पिछले हफ्ते वार्ड में गंदगी मिलने पर दो अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया और कई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

क्या है भोपाल नगर निगम का एक्शन प्लान ?

निगम के पास भले ही इंदौर जैसे प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में संसाधन कम हों, लेकिन कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं। अशोका गार्डन, गिन्नोरी, नारायण नगर और बिजली नगर जैसे इलाकों के निवासियों ने भी माना है कि अब सड़कों पर कचरा साफ दिख रहा है और सुंदर दीवारें मोहल्ले को चमका रही हैं। उत्कृष्ट काम करने वाले फील्ड वर्कर्स को इस बार विशेष रूप से सम्मानित भी किया जाएगा।

दो मासूम बेटियों का गला काटने वाले 'कसाई' पिता ने खुद की गर्दन पर चलाया ब्लेड, अब दे रहा अजीब सफाई

उत्तरप्रदेश के कानपुर के आलीशान अपार्टमेंट में अपनी दो मासूम बेटियों की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपी पिता शशि रंजन मिश्रा ने जेल के अंदर खुद का गला काट लिया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। की जेल में बंद कैदी शशि रंजन मिश्रा ने रविवार को बैरक के अंदर किसी धारदार चीज से अपनी गर्दन काटकर जान देने की कोशिश की. ठीक एक महीने पहले 18 अप्रैल को कानपुर के त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में रहने वाले इस शख्स ने अपनी दो मासूम बच्चियों रिद्धि और सिद्धि का गला काटकर हत्या कर दी थी. पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद उसे जेल भेज दिया गया था. जेल के भीतर अचानक हुए इस आत्मघाती हमले के बाद प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे समय रहते जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है.

बेटियों की हत्या पर नहीं, खुद पर आ रहा रोना

हैरानी की बात यह है कि जिस पिता को अपनी दो मासूम बच्चियों का गला रेतते वक्त जरा भी रहम या अफसोस नहीं हुआ, उसे अब जेल में अपने इलाज की चिंता सता रही है. अस्पताल के बिस्तर पर पड़ा आरोपी अब खुद को बचाने के लिए अजीब सफाई दे रहा है. उसका कहना है कि वह डिप्रेशन का मरीज है और उसे जेल में सही इलाज नहीं मिल रहा था. वह दावा कर रहा है कि उसे सिर्फ नींद की गोलियां दी जा रही थीं और उसे यह भी नहीं पता कि उसका गला किसने काट दिया.

हत्या के पीछे दी थी अजीब दलील

जब शशि रंजन ने वारदात को अंजाम दिया था, तब उसकी पत्नी रेशमा घर पर नहीं थी. गिरफ्तारी के बाद उसने पुलिस को दलील दी थी कि उसे बच्चियों के भविष्य की चिंता थी कि आगे उनका क्या होगा, इसलिए उसने उनकी हत्या कर दी. अब जेल में गर्दन काटने के बाद वह कह रहा है कि उसके सिर पर कोई भारी बोझ महसूस होता है. उसे अपनी बेटियों का गला काटना तो अच्छी तरह याद है, लेकिन खुद के घायल होने की बात से वह अनजान बन रहा है.



मामले की जांच में जुटी पुलिस

कोतवाली के एसीपी आशुतोष सिंह ने बताया कि जेल प्रशासन से एक कैदी द्वारा अपनी गर्दन पर हमला करने की सूचना मिली थी, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया. उन्होंने पुष्टि की कि यह वही आरोपी शशि रंजन मिश्रा है जिसने अपनी बेटियों की हत्या की थी. आरोपी ने जेल के भीतर धारदार चीज कहां से हासिल की और यह घटना कैसे हुई, पुलिस और जेल प्रशासन अब इसकी गहनता से जांच कर रहा है.

ऑफिस बुलाया, कनपटी पर पिस्टल सटाई और दबा दिया ट्रिगर... सिर के चीथड़े उड़े



महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। यूपी प्रयागराज में एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या से हड़कंप मच गया. नैनी मड़ौका स्थित लगन बिहार गेस्ट हाउस के पास आरोपियों ने महेंद्र पुरवा निवासी 35 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर अजहरुद्दीन को रविवार को अपने ऑफिस बुलाया. पिछले चार साल से जमीन का काम कर रहे अजहरुद्दीन जैसे ही बाइक से वहां पहुंचे, उनके पार्टनर्स ने पैसे के लेनदेन के पुराने विवाद में उनकी दाहिनी कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी. गोली लगने से उनका सिर फट गया और फर्श पर खून फैल गया. अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. एडिशनल सीपी अजय पाल शर्मा और डीसीपी यमुनापार विवेक कुमार यादव ने पुलिस बल के साथ मौके पर जांच शुरू कर दी है.

पैसे का लेनदेन और अंदरूनी लड़ाई

मृतक के परिजन अलाउद्दीन और पड़ोसियों के बयानों के अनुसार, अजहरुद्दीन, अरविंद भारती और वकील बृजेश निषाद मिलकर जमीन का कारोबार करते थे. पिछले एक साल से इनके बीच पैसों के लेनदेन को लेकर अंदरूनी लड़ाई और विवाद चल रहा था. घटना वाले दिन अरविंद ने फोन करके अजहरुद्दीन को दफ्तर बुलाया था. अरविंद और बृजेश पहले ही एक वैगनआर कार से वहां पहुंच चुके थे. अजहरुद्दीन के आने के महज 10 मिनट के भीतर ही इस खौफनाक हत्याकांड को अंजाम दे दिया गया. गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हुए और पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने घटनास्थल से एक खाली पिस्टल का खोखा बरामद किया है. दफ्तर और आसपास तीन सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं,

पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या, पार्टी करने गए थे, देर रात कनपटी में बंदूक रखकर दोस्त ने किया हमला



महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक सनसनी मामला सामने आया है। यहां एक पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस हत्याकांड के बाद पूरे इलाके गांव में तनाव का माहौल है। मामला जिले के सामान थाना क्षेत्र अंतर्गत गड़ारिया मोहल्ले का है। रविवार देर रात यहां एक पुलिसकर्मी की उसके ही दोस्त ने गोली मारकर हत्या कर दी।

करीबी दोस्त ने की हत्या

पुलिसकर्मी राकेश कुमार पटेल रविवार रात घर से दोस्त के यहां पार्टी करने के निकले थे। हत्या का आरोप पुलिसकर्मी के एक करीबी दोस्त पर लगा है। घटना के बाद से दोस्त फरार है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मैहर जिले के रामनगर थाना में पदस्थ पुलिसकर्मी राकेश कुमार पटेल अपने गांव गए थे। उनके बच्चे की तबियत खराब थी जिस कारण से वह रीवा आए थे। रविवार को उनके गड़ारिया मोहल्ले में रहने वाले अपने दोस्त राकेश तिवारी के यहां पार्टी करने के लिए घर से निकले थे।

देर रात 1 बजे गोली मारकर हत्या

इसी दौरान रात करीब 1 दोस्त ने कनपटी में गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने की क्या वजह थी अभी अब अज्ञात है। घायल पुलिस कर्मी को संजय गांधी स्मारक चिकित्सालय रीवा में अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी ने अस्पताल में चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप भी लगाया है। मृतक पुलिसकर्मी एक बेटी और बेटा है। रीवा में पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या रविवार देर रात दोस्त के यहां हो रही थी पार्टी करीबी दोस्त ने गोली मारकर की हत्या हत्या के बाद से आरोपी फरार, पुलिस ने शुरू की जांच मौके पर पहुंचे अधिकारी घटना की सूचना मिलती ही सामान थाना पुलिस एवं विभाग की आलाधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। आरोपियों की तलाश कर हत्या की मुख्य वजह पता करने में जुटे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।



प्रेमानंद महाराज के दर्शन बंद, अनिश्चितकाल के लिए पदयात्रा स्थगित... भक्तों में छाई मायूसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वृंदावन। प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज की केली कुंज आश्रम से सौभरी कुंड तक होने वाली दैनिक पदयात्रा और एकांतिक वार्ता को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है. आश्रम की ओर से इसकी सूचना माइक के जरिए श्रद्धालुओं को दी गई. पदयात्रा बंद होने की खबर से भक्तों में मायूसी छा गई है. धार्मिक नगरी वृंदावन में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद जी महाराज की प्रतिदिन होने वाली पदयात्रा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है. इस फैसले की जानकारी केली कुंज स्थित आश्रम की ओर से माइक के माध्यम से श्रद्धालुओं और आम लोगों को दी गई. पदयात्रा स्थगित होने की खबर फैलते ही भक्तों में मायूसी छा गई और बड़ी संख्या में लोग आश्रम के बाहर जानकारी लेने पहुंचने लगे.

सौभरी कुंड तक निकलती है पदयात्रा



जानकारी के अनुसार संत प्रेमानंद जी महाराज प्रतिदिन अपने केली कुंज आश्रम से सौभरी कुंड तक पदयात्रा करते थे. इस दौरान हजारों श्रद्धालु उनके दर्शन करने और आशीर्वाद लेने के लिए मार्ग में मौजूद रहते थे. पदयात्रा के साथ-साथ एकांतिक वार्ता का आयोजन भी किया जाता था, जिसमें महाराज भक्तों को आध्यात्मिक और धार्मिक संदेश देते थे. लेकिन अब इन दोनों कार्यक्रमों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है. आश्रम प्रशासन की ओर से यह सूचना सार्वजनिक कर दी गई है, लेकिन पदयात्रा को स्थगित किए जाने के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है. ऐसे में श्रद्धालुओं के बीच तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं. हालांकि, आश्रम से जुड़े लोगों ने भक्तों से धैर्य बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है. प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा वृंदावन में लंबे समय से श्रद्धा और आस्था का केंद्र रही है. रोजाना सुबह और शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनकी एक झलक पाने के लिए सड़कों पर खड़े रहते थे. देश-विदेश से आने वाले भक्त भी इस पदयात्रा में शामिल होकर खुद को धन्य मानते थे. सोशल मीडिया पर भी उनकी पदयात्रा और प्रवचनों के वीडियो काफी लोकप्रिय हैं. पदयात्रा स्थगित होने की सूचना मिलते ही कई भक्त भावुक नजर आए. कुछ श्रद्धालुओं का कहना है कि वे रोजाना महाराज के दर्शन के लिए आते थे और पदयात्रा बंद होने से उन्हें काफी दुख पहुंचा है. फिलहाल आश्रम प्रशासन की अगली सूचना का इंतजार किया जा रहा है. भक्तों को उम्मीद है कि परिस्थितियां सामान्य होने के बाद संत प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा है

रेंगते हुए शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के घर पहुंचे अभ्यर्थी, लखनऊ में 69000 शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर अभ्यर्थी सोमवार को फिर से प्रदर्शन कर रहे हैं. प्रदेश में 69000 शिक्षकों की भर्ती मामले में घोटाला सामने आया था. मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है. इससे पहले सोमवार को छात्रों ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया.

क्यों नाराज हैं अभ्यर्थी?

असल में छात्र और अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट में लंबित केस में सरकार की तरफ से पैरवी नहीं होने के चलते नाराज हैं. उनका कहना है कि पैरवी न हो पाने से मामला निस्तारित नहीं हो पा रहा है. प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी रेंगते हुए, दंडवत करते हुए शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर पहुंचे. अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट में लंबित केस में सरकार की तरफ से वकील खड़ा कर पैरवी करने की मांग कर रहे हैं. उनकी मांग है कि सरकार पैरवी कर मामले का निस्तारण कर भविष्य



तय करे.

22 अप्रैल को भी अभ्यर्थियों ने किया था प्रदर्शन

इससे पहले 22 अप्रैल को भी अभ्यर्थियों ने लखनऊ में प्रदर्शन किया था. सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी विधानसभा का घेराव करने के लिए पहुंचे थे. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने गले में झाड़ू और मटकी लटका कर प्रदर्शन किया था. प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप था कि सरकार दलित और पिछड़ों को आगे नहीं बढ़ाना चाहती. अभ्यर्थी बीते 3 सालों से 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षण महा घोटाले का आरोप लगा रहे हैं. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में जून 2020 और जनवरी 2022 की चयन सूचियों को रद्द कर दिया था. साथ ही यूपी सरकार को निर्देश दिया था कि वह 2019 में हुई सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा (एटीआरई) के आधार पर 69 हजार शिक्षकों के लिए नई चयन सूची तीन महीने के भीतर जारी करे. इसको लेकर स्थिति अधर में अटकी हुई है. जिससे नाराज अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं. यह मामला अगस्त 2024 में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था. तबसे इस मामले पर ठीक से सुनवाई नहीं हो पा रही है. असल में, शिक्षक भर्ती में ओबीसी वर्ग को 27' जगह मिली थी, जबकि एससी वर्ग के अभ्यार्थियों को 3.86' जगह मिली थी. इसमें 21' की जगह सिर्फ 16.2' आरक्षण मिला है. आरोप है कि शिक्षक भर्ती में बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 तथा आरक्षण नियमावली 1994 का घोर उल्लंघन हुआ है. सरकार पर आरोप है.

दिल्ली एयरपोर्ट पर एंटी-टेरर मॉक ड्रिल हुई सफल, सुरक्षा बलों ने आतंकी खतरे से निपटने की परखी तैयारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के ढृतढृ एयरपोर्ट पर सोमवार को संयुक्त आतंकवाद-रोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें कई खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने हिस्सा लिया। इस तरह के अभ्यास के आयोजन का मुख्य मकसद यह था कि किसी भी संकट की स्थिति का सामना कैसे किया जाए। साथ ही, यदि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा होती है, तो उससे प्रभावी तरीके से निपटकर यात्रियों के लिए सुरक्षित माहौल कैसे सुनिश्चित किया जाए। इन्हीं सभी परिस्थितियों की रूपरेखा तय करने के उद्देश्य से एयरपोर्ट पर आतंकवाद-रोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का आयोजन डीआईजी, सीएसओ और एएसजी की देखरेख में किया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस अभ्यास में दिल्ली पुलिस, सीआईएसएफ, एनएसजी, बीडीडीएस, डीएफएस, डीआईएलएल, बीसीएएस और एएआई जैसी खुफिया एवं सुरक्षा एजेंसियों ने हिस्सा लिया। सभी एजेंसियों ने यह सुनिश्चित किया कि अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न हो।

सफल मॉक ड्रिल, तैयारियों का हुआ परीक्षण

अभ्यास के दौरान किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती गई। पूरा अभ्यास निर्धारित रूपरेखा के अनुरूप संपन्न हुआ। अभ्यास समाप्त होने के बाद इसे सफल बताया गया। इस अभ्यास का मकसद यह भी था कि यह आकलन किया जा सके कि मौजूदा समय में ये एजेंसियां कितनी कारगर हैं और क्या वे किसी भी संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इन्हीं पहलुओं का परीक्षण करने के लिए इस मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

परखी गई क्षमता बता दें कि दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर समय-समय पर इस तरह की मॉक ड्रिल आयोजित की जाती हैं। इनका मुख्य उद्देश्य एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन करना होता है, ताकि भविष्य में किसी भी संकट की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इस तरह के अभ्यासों से वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों की कार्यकुशलता का भी आकलन हो जाता है। साथ ही यह भी पता चलता है कि किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

बार काउंसिल चुनाव विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोकी मतगणना, हाईकोर्ट को दिए ये आदेश



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली बार काउंसिल (बीसीडी) चुनाव में धांधली के आरोपों के बाद मतगणना पर रोक लगा दी और दिल्ली उच्च न्यायालय को याचिकाओं पर दैनिक आधार पर सुनवाई करने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बीरेंद्र सांगवान और अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। प्रधान न्यायाधीश ने मामले को उच्च न्यायालय की खंडपीठ को स्थानांतरित कर दिया और मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया कि वह विवाद की दैनिक सुनवाई के लिए एक विशेष पीठ का गठन करें। पीठ ने कहा, ''कानूनी पक्षकारों के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है कि विवाद के प्रभावी निपटारे के लिए मतपत्र आदि जैसे मूल रिकॉर्ड को मंगवाना आवश्यक हो सकता है, इसलिए मामले को दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ को सौंपना उचित होगा।''

विशेष बेंच करेगी सुनवाई

पीठ ने आदेश दिया, ''अतः हम इन याचिकाओं को दिल्ली उच्च न्यायालय को हस्तांतरित करते हैं और मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करते हैं कि वह इस सप्ताह के भीतर इन्हें एक विशेष पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें।'' पीठ ने कहा कि ''जब तक उच्च न्यायालय फैसला नहीं सुनाता, तब तक मतपत्रों की गिनती स्थगित रखी जाएगी। हमने मामले के गुण-दोष पर कुछ नहीं कहा है। पक्षकार उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलीलें पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं।''

मतपत्रों से छेड़छाड़ का आरोप

याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करते हुए अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया और पीठ को सूचित किया कि बार के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता दांव पर लगी हुई है। गुप्ता ने कहा, ''जिन मतपत्रों से छेड़छाड़ की गई, उनकी गिनती हो रही है...यह एक आपात स्थिति है।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्च न्यायालय इस मामले को बेहतर ढंग से संभालने में सक्षम है।

बाइक सवार ग्रुप ने RSS मुख्यालय के पास की फायरिंग, CCTV में कैद हुई घटना,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर से एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है। बाइक सवार युवकों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ी यानी आरएसएस के मुख्यालय की तरफ को खुलेआम फायरिंग की। फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। कुछ दिन पहले नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के संवेदनशील जोन में विस्फोटक की बरामगी हुई थी। अब इस घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ कर दिए हैं। सीसीटीवी के कैद हुई फुटेज में छह बाइक सवार फायरिंग करते हुए दिख रहे हैं। इस घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है तो वहीं नागपुर के महल में कोठी रोड इलाके में फायरिंग की घटना से पूरे इलाके में दहशत और डर का माहौल बन गया। यह क्षेत्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हेडक्वार्टर के काफी नजदीक है।

संघ का मुख्यालय रेशीम बाग में स्थित है। रविवार रात को फायरिंग की वारदात

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार यह घटना रविवार यानी 17 मई को रात करीब 11.30 बजे हुई, जब छह अनजान लोग तीन मोटरसाइकिलों पर आए और उस इलाके में फायरिंग शुरू कर दी, जहां से ऋस्स हेडक्वार्टर 1.5 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि शिकायत करने वाले सौरभ से हुए झगड़े के बाद रवि मोहतो और गंगा काकड़े ने कथित तौर पर फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने इलाके में दबदबा बनाने और दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग की। जांच करने वालों को शक है कि आरोपियों के बीच आपसी झगड़ा भी था। रेशीम बाग में संघ मुख्यालय होने के कारण इस इलाके की सुरक्षा का काफी कड़ी रहती है। दो राउंड फायरिंग का खुलासा नागपुर के महल क्षेत्र के कोठी रोड इलाके में दो राउंड फायरिंग की गई।

बेंगलुरु-मुंबई के बीच 30 साल बाद नई एक्सप्रेस, जानिए ट्रेन का किराया, स्टेशन, और टाइमिंग समेत सारी डीटेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चस्क बेंगलुरु और मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच चलने वाली एक हफ़्ते में दो बार चलने वाली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। कर्नाटक में अभी 12 जोड़ी वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, जो 14 ज़िलों को कवर करती हैं। बेंगलुरु और मुंबई के बीच चलने वाली यह नई ट्रेन इस रास्ते पर चलने वाली दूसरी सीधी सेवा है। इससे पहले सिर्फ़ उद्यान एक्सप्रेस चलती थी

बेंगलुरु मुंबई एक्सप्रेस

मुंबई : बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस का पहला सफर रविवार को शुरू हो गया है। इससे कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच संपर्क मजबूत होगा और व्यापार, शिक्षा, पर्यटन और रोजगार के अवसरों के लिए यात्रा सुगम हो जाएगी। यह नई सेवा बेंगलुरु, हुबली-धारवाड़ क्षेत्र, बेलगावी, पुणे और मुंबई के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रेल संपर्क को और बेहतर बनाएगी। इस ट्रेन का संचालन और



एक्सप्रेस ट्रेन 1,210 किलोमीटर की दूरी 24 घंटे और 5 मिनट में तय करेगी। ट्रेन का नियमित संचालन बेंगलुरु से 23 मई से शुरू होगा, जबकि मुंबई से सेवाएं 24 मई से शुरू होंगी।

कितने और किन स्टेशन पर रुकेगी बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस?

नई एसएमवीटी बेंगलुरु-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 15 स्टेशनों पर रुकेगी। ये स्टेशन हैं: तुमकुरु, दावणगेरे, एसएसएस हुबली, धारवाड़, बेलगावी, मिराज, सांगली, कराड, सतारा, लोनांद, पुणे, लोनावला, कर्जत, कल्याण और ठाणे। एक्सप्रेस ट्रेन सप्ताह में दो बार चलेगी। ट्रेन में एक एसी 2-टियर कोच, चार एसी 3-टियर कोच, छह स्लीपर कोच, चार जनरल सेकंड क्लास कोच, दिव्यांगजनों के लिए विशेष डिब्बे वाला एक सेकंड क्लास लगेज-कम-ब्रेक वैन और एक लगेज-कम-जनरेटर कार-कम-ब्रेक वैन होगी, कुल मिलाकर 17 एलएचबी कोच होंगे।एसएमवीटी बेंगलुरु और लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच ट्रेन संख्या 16553/16554 पर यात्रा के लिए, स्लीपर क्लास का टिकट किराया 750 रुपए, एसी 3 टियर का 1,880 रुपए और एसी 2 टियर का 2,575 रुपए निर्धारित किया गया है। ट्रेन संख्या 16553 एसएमवीटी बेंगलुरु-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को रात 8.35 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु से प्रस्थान करेगी और रविवार और बुधवार को रात 8.40 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 16554 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार और बुधवार को रात 11.15 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान करेगी.

'मेरी पूरी यात्रा लोगों की सेवा में रही, आगे भी जनता के मुद्दे उठाता रहूंगा', बोले राघव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। राज्यसभा सांसद राघव ने शिरडी पहुंचकर साईं बाबा के दर्शन किए और देश में सुख-शांति, खुशहाली व लोगों के स्वस्थ रहने की प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को उठाना उनकी प्राथमिकता रही है और आगे भी वह दोगुने समर्पण के साथ जनहित के मुद्दे उठाते रहेंगे. राघव ने कहा कि साईं बाबा का आशीर्वाद हमेशा उन पर बना रहा है और उनके मार्गदर्शन में ही वह देशसेवा का काम कर रहे हैं. राज्यसभा सांसद राघव ने महाराष्ट्र के शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और देश में सुख-शांति, खुशहाली तथा लोगों को रोगमुक्त रखने की प्रार्थना की. इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा से जनता की समस्याओं को उठाना रही है और आगे भी वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ लोगों के मुद्दों को उठाते रहेंगे. उन्होंने कहा कि 'मेरी पूरी यात्रा लोगों की सेवा में रही, आगे भी जनता के मुद्दे उठाता रहूंगा'. उन्होंने कहा, अब व्यवस्था के भीतर रहकर समस्याओं का समाधान निकालने का अवसर मिलेगा. राघव ने कहा, लोगों के हित में काम करना और उनके जीवन से जुड़ी परेशानियों को दूर करने की दिशा में प्रयास करना ही उनकी प्राथमिकता है. 'दोगुने समर्पण के साथ काम करूंगा' सांसद ने कहा कि जिस जोश और समर्पण के साथ वे अब तक जनता के मुद्दे उठाते रहे हैं, आने वाले समय में उससे भी अधिक प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे. उन्होंने भरोसा जताया कि अब केवल समस्याओं को उठाया ही नहीं जाएगा, बल्कि उनके समाधान की दिशा में भी ठोस प्रयास होंगे. राघव ने कहा कि उनकी पूरी राजनीतिक और सामाजिक यात्रा लोगों की सेवा और उनकी परेशानियों को समझने के इर्द-गिर्द रही है. यही यात्रा आगे भी लगातार जारी रहेगी.



शिरडी पहुंचने पर राघव ने साईं बाबा के दर्शन किए और खुद को सौभाग्यशाली बताया. उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें थोड़ा समय मिलता है या भीतर से बाबा का बुलावा महसूस होता है, वह तुरंत शिरडी पहुंच जाते हैं. उन्होंने कहा कि देश के किसी भी कोने में हों, बाबा का आह्वान मिलते ही वहां पहुंचने का प्रयास करते हैं. उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में कई बार शिरडी आने का अवसर मिला और हर बार उन्हें साईं बाबा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ. उनके अनुसार, बाबा की कृपा हमेशा उनके साथ बनी रहती है.देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना राघव ने साईं बाबा से देश में सुख-शांति और तरक्की की कामना की. उन्होंने कहा कि उनकी प्रार्थना है कि देश के सभी लोग स्वस्थ रहें, रोगों से दूर रहें और हर घर तक खुशहाली पहुंचे. उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि बाबा उन्हें अपने भक्त और सेवक की तरह स्नेह देते हैं और हमेशा मार्गदर्शन करते हैं. अंत में उन्होंने साईं बाबा के चरणों में प्रणाम करते हुए सभी लोगों को 'ओम साईं राम' का संदेश दिया.

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव तारीख का ऐलान, 16 सीटों पर 18 जून का वोटिंग, रिजल्ट 22 को

मुंबई। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) के लिए 16 स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्रों से लंबे समय से लंबित। द्विवार्षिक चुनावों का कार्यक्रम घोषित कर दिया। 18 जून को वोटिंग और 22 जून को वोटों की गिनती होगी। आयोग ने पूरी चुनावी प्रक्रिया के लिए समय-सीमा तय की है, जिसे जून के अंत से पहले पूरा करना होगा। अधिसूचना 25 मई को जारी की जाएगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 1 जून है। वहीं, नामांकन की जांच 2 जून को होगी और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 4 जून है।

इन सदस्यों का कार्यकाल 2022 में हो गया था खत्म

जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया है, उनके नाम सहित निर्वाचन क्षेत्रों में सोलापुरः प्रशांत प्रभाकर परिचारक (सेवानिवृत्त 1 जनवरी, 2022), अहमदनगरः अरुणकाका बभीमराव जगताप (सेवानिवृत्त 1 जनवरी, 2022), ठाणेः फाटक रवींद्र सदानंद (सेवानिवृत्त 8 जून,



2022), जलगांवः चंदूभाई वी पटेल (सेवानिवृत्त 5 दिसंबर, 2022), सांगली-सह-सतारा: कदम मोहनराव श्रीपति (सेवानिवृत्त 5 दिसंबर, 2022) हैं। इसके अलावा नांदेड़ः अमरनाथ अनंतराव राजुरकर (सेवानिवृत्त 5 दिसंबर, 2022), यवतमालः दुष्यन्त सतीश चतुर्वेदी (सेवानिवृत्त 5 दिसंबर, 2022), पुणेः अनिल शिवाजीराव भोसले (सेवानिवृत्त 5 दिसंबर, 2022), भंडारा-सह-गोंदियाः डॉ. परिणय रमेश फुके (सेवानिवृत्त दिसंबर) 5, 2022), रायगढ़-सह-रत्नागिरि-सह-सिंधुदुर्गः अनिकेत सुनील तटकरे (सेवानिवृत्त 31 मई, 2024), नासिकः नरेंद्र भीकाजी दराडे (सेवानिवृत्त 21 जून, 2024), वर्धा-सह-चंद्रपुर-सह-गढ़चिरौलीः रामदास भगवानजी अंबतकर (सेवानिवृत्त 21 जून, 2024), अमरावतीः प्रवीण रामचन्द्र पोटे (सेवानिवृत्त 21 जून, 2024), उस्मानाबाद-सह-लातूर-सह-बीडः धास सुरेश रामचन्द्र (सेवानिवृत्त 21 जून, 2024), परभणी-सह-हिंगोलीः विप्लव गोपीकिशन बाजोरिया (सेवानिवृत्त 21 जून, 2024) और औरंगाबाद-सह-जालनाः अम्बादास एकनाथराव दानवे (सेवानिवृत्त 29 अगस्त, 2025) शामिल हैं।

इसलिए विधान परिषद चुनावों में हुई देरी

आयोग के मानक दिशानिर्देशों के अनुसार, किसी स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव तभी कराया जा सकता है, जब उस निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कम से कम 75 प्रतिशत स्थानीय निकाय सक्रिय रूप से कार्यरत हों और उन स्थानीय निकायों के कम से कम 75 प्रतिशत निर्वाचक (मतदाता) अपने पदों पर हों। पिछले कुछ वर्षों में पूरे महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों (जैसे नगर निगम, नगर परिषद और जिला परिषद) को आयोजित करने में हुई भारी देरी और कार्यकाल समाप्त होने के कारण, या जा सका।

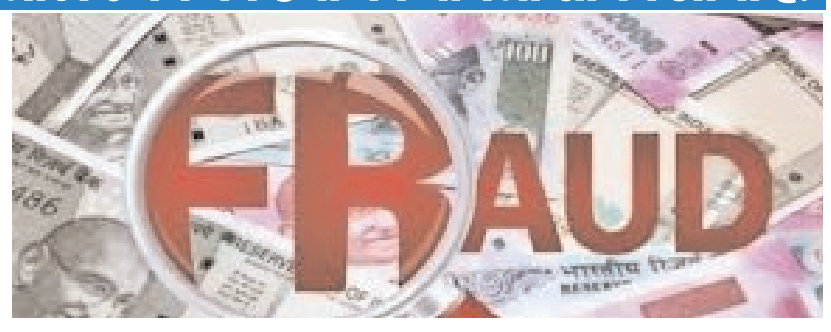
महाराष्ट्र में ज्वेलरी व्यापारी से ठगी, ठगों ने ऐसे ऐंठे 14 लाख रुपये

महाराष्ट्र के ठाणे में सस्ते दाम पर सोना दिलाने का झांसा देकर एक ज्वेलरी व्यापारी से 14 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में सस्ते दाम पर सोना दिलाने का झांसा देकर एक ज्वेलरी व्यापारी से 14 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में तीन नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. घटना के बाद कारोबारी वर्ग में भी चिंता का माहौल है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.

पुलिस के अनुसार पीड़ित 31 वर्षीय ज्वेलरी व्यापारी गोरेगांव का रहने वाला है. व्यापारी ने अपनी शिकायत में बताया कि कुछ लोगों ने उससे संपर्क कर बाजार कीमत से कम दर पर सोना उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया था. आरोपियों ने दावा किया कि उनके पास सस्ता सोना उपलब्ध है और यदि वह नकद भुगतान करेगा तो उसे 100 ग्राम सोना रियायती कीमत पर दे दिया जाएगा. शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने व्यापारी को 12 मई को वसंत विहार इलाके में बुलाया. यहां बातचीत के दौरान आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि भुगतान मिलते ही सोना सौंप दिया जाएगा. व्यापारी ने उन



पर विश्वास करते हुए 14 लाख रुपये नकद दे दिए. हालांकि रकम लेने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और व्यापारी को सोना नहीं दिया गया. काफी देर इंतजार करने के बाद जब व्यापारी को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, तब उसने पुलिस से संपर्क किया. मामले की शिकायत मिलने के बाद चितलसर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज किया है. पुलिस ने शुरू की ठगों की तलाश पुलिस अधिकारियों ने बताया कि FIR में तीन लोगों को नामजद किया गया है, जबकि तीन अन्य अज्ञात आरोपियों को भी आरोपी बनाया गया है. फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के CCTV फुटेज खंगाल रही है. साथ ही मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के झांसे में आकर नकद लेनदेन न करें और कीमती सामान की खरीद-बिक्री केवल अधिकृत माध्यमों से ही करें. अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

दिल्ली में लगेंगे 50 हजार नए CCTV कैमरे, इनमें 2 फीसदी होंगे ANPR, रात में भी पढ़ सकेंगे गाड़ियों के नंबर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए 50 हजार नए CCTV कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें करीब 2' कैमरे ANPR (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) तकनीक वाले होंगे, जो रात में भी गाड़ियों के नंबर प्लेट आसानी से रीड कर सकेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने खास तौर पर ऐसे कैमरों की मांग की थी। इस पूरे प्रोजेक्ट पर दिल्ली सरकार करीब 646 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कैमरे लगाने का काम एक साल में पूरा करने का टारगेट रखा गया है।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, कुल कैमरों में से करीब 17 हजार कैमरे 8 मीटर ऊंचे बिजली के खंभों पर लगाए जाएंगे। हर पोल पर दो से तीन बुलेट कैमरे लगाए जाएंगे। करीब एक हजार पोल ऐसे होंगे, जहां गाड़ियों के नंबर प्लेट पढ़ने वाले कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें ज्यादातर ANPR कैमरे होंगे। हर कैमरे में लोकल स्टोरेज के लिए 512 जीबी का एसडी कार्ड भी लगाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार कैमरे लगाने की जगहों का चयन महिला और बाल विकास विभाग और दिल्ली पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर किया गया है।

क्या रखा गया लक्ष्य

पूरे प्रोजेक्ट पर 646 करोड़ रुपये खर्च करेगी दिल्ली सरकार
कैमरे लगाने का काम एक साल में पूरा करने का टारगेट है
दिल्ली में सुरक्षा मजबूत करने के लिए 50 हजार नए CCTV कैमरे लगाए जाएंगे। (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) तकनीक वाले होंगे, जो रात में भी नंबर प्लेट पढ़ सकेंगे।
दिल्ली सरकार इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 646 करोड़ रुपये खर्च करेगी।
कैमरे लगाने का काम एक साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वन्यजीवों के लिए बनेंगे वॉटर होल, जीवों को गर्मी से बचाने के लिए लिया जा रहा फैसला



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के वन्य क्षेत्र में रहने वाले जीवों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए आर्टिफिशियल वॉटर होल बनाने की योजना है। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। दिल्ली सरकार के वन विभाग से बातचीत जारी है और दो सप्ताह के बाद वॉटर होल बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। चेक डैम की बिगड़ती हालत और प्रदूषित होते पानी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जेएनयू के 1100 एकड़ क्षेत्र में 30 प्रतिशत वन्य क्षेत्र है। इसे दक्षिणी दिल्ली का प्रमुख वन्य क्षेत्र भी माना जाता है। अरावली की पहाड़ियों का यह अहम हिस्सा है। यहां नीलगाय, मोर, गोल्डन जैकल, 20 से 22 प्रजातियों के पक्षी, सांप, आदि पाए जाते हैं। पिछले दिनों इन जानवरों के लिए पीने के पानी का संकट उत्पन्न हुआ है। क्योंकि जेएनयू के दो चेक डैम मरम्मत के अभाव में प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। जेएनयू में एक बड़ा चेक डैम है, जो करीब 500 मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके साथ ही एक छोटा डैम है। इनमें दरारें आ गई हैं। ऐसे में इनमें पानी का ठहराव नहीं होता। इसके अलावा खुले सीवेज डैम के पानी में मिल जाते हैं और वन्य जीव साफ पानी की तलाश में रेजिडेंशियल इलाके में आ जाते हैं।

वन्यजीवों के लिए बनेंगे 30 वॉटर होल

यहां के चेक डैम की खराब हालत होने की वजह से वन्यजीवों के लिए हो गई है पानी की कमी जेएनयू की एनिमल वेलफेयर सोसायटी के सदस्य और पीएडब्लूएस फाउंडेशन के संस्थापक विपुल जैन ने कहा, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और नेल्सन मंडेला मार्ग के कुछ हिस्से से सीवेज बहकर जेएनयू के पानी में मिलता है।

इसके चलते पानी प्रदूषित हो गया है। अब इसे रिपेयर करने के साथ 30 आर्टिफिशियल वॉटर होल बनाए जा रहे हैं। इनमें 15 बड़े और 15 छोटे होंगे। यह एलिवेटेड होल होंगे। जिनमें पानी ठहर सकेगा। बरसात में पानी जमा नहीं होगा, जिससे बीमारियां पनपने का खतरा नहीं होगा। जैन ने बताया कि जेएनयू के वॉटर डिपार्टमेंट के साथ योजना पर काम किया जा रहा है। वॉटर टैंकर डिपार्टमेंट ही उपलब्ध कराएगा।

हरित बुनियादी ढांचा अभियान

इस प्रोजेक्ट को दिल्ली सरकार के व्यापक वन और हरित बुनियादी ढांचा अभियान से भी जोड़े जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दिल्ली सकार ने अपने 2025-26 के बजट में पर्यावरण और वन संबंधी कार्यों के लिए 506 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया है, जिसके तहत चार नए जंगलों के विकास और पुराने ग्रीन जोन के रखरखाव का काम किया जा रहा है।

दिल्ली शराब घोटाले की सुनवाई के लिए हाई कोर्ट ने बनाई नई बेंच



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। शराब नीति से जुड़े सीबीआई मामले में अरविंद केजरीवाल और अन्य को आरोपमुक्त करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने नई बेंच बनाई है. जस्टिस मनोज जैन की सिंगल जज बेंच इन मामलों की सुनवाई करेगी. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अदालत की आपराधिक अवमानना के आरोप में आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की शुरुआत करने की सिफारिश के साथ खुद को सुनवाई से अलग करने के बाद चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने इस नई बेंच को जिम्मेदारी सौंपी है. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अरविंद केजरीवाल और अन्य P नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर कथित मानहानिकारक पोस्ट करने के मामले में उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना शुरू की है. वहीं, केजरीवाल, सिसोदिया, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज सहित अन्य के खिलाफ आपराधिक अवमानना के मामले की सुनवाई भी हाईकोर्ट में खंडपीठ करेगी. ापराधिक अवमानना के मामले पर जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविन्द्र डुडेजा की बेंच सुनवाई करेगी. मंगलवार को हाईकोर्ट में इन दोनो मामलों पर संबंधित बेंच सुनवाई करेगी. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ उन्होंने अवमानना की कार्यवाही शुरू की है,

155 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने दिल्ली-गोवा में मारे छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने 155 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने इस मामले को लेकर दिल्ली और गोवा में सात अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। इस मामले में ईडी ने आप नेता दीपक सिंगला के ठिकानों पर भी रेड मारी। ये पूरा मामला महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दर्ज वित्तीय गड़बड़ी से जुड़ा है। जांच एजेंसी के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ये छापेमारी मुख्य रूप से दीपक सिंगला, महेश सिंगला, अमरीक गिल और कुछ अन्य संदिग्धों से जुड़े परिसरों और ठिकानों पर की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की टीमें सुबह-सुबह ही सभी संदिग्धों के घरों और व्यावसायिक ठिकानों पर पहुंच गईं। जांच में कई अहम दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड्स को खंगाला जा रहा है, ताकि 155 करोड़ रुपए के इस बैंक घोटाले की कड़ियों को आपस में जोड़ा जा सके। दीपक सिंगला का नाम आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं में शुमार है। बताया जा रहा है कि इन संदिग्धों के तार पंजाब सरकार के गिरफ्तार मंत्री संजीव अरोड़ा से भी जुड़े हुए हैं। संजीव अरोड़ा को पहले ही भ्रष्टाचार और वित्तीय गड़बड़ियों के एक मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। अब इस नए बैंक धोखाधड़ी मामले में भी संजीव अरोड़ा, उनके करीबियों और पार्टी सहयोगियों का नाम आने से आम आदमी पार्टी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

वडोदरा-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में 25 मिनट तक नहीं बिजली गुल, उमस और अंधेरे से यात्री परेशान, कई की तबीयत बिगडने लगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा शहर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6E-657 में रविवार रात अचानक बिजली गुल हो जाने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विमान में करीब 25 मिनट तक अंधेरा और उमस भरा माहौल बना रहा, जिससे यात्री बेहाल हो गए। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे एक यात्री ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया था। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट रविवार रात वडोदरा एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना होने की तैयारी में थी। इसी दौरान रात करीब 8:50 बजे विमान की बिजली अचानक बंद हो गई। एयर कंडीशनिंग और केबिन लाइट्स बंद होते ही विमान के भीतर गर्मी और घुटन बढ़ने लगी। अंधेरे के कारण यात्रियों में घबराहट फैल गई और कुछ लोगों की तबीयत भी बिगड़ने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कई यात्री सीटों से उठकर क्रू मेंबर्स से जानकारी लेने लगे। हालांकि एयरलाइन स्टाफ ने यात्रियों को शांत रखने की कोशिश की। करीब 25 मिनट बाद बिजली आपूर्ति दोबारा बहाल हुई, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो सकी। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना था, कि विमान के ग्राउंड पावर यूनिट (जीपीयू) में तकनीकी खराबी आने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई। तकनीकी टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर खराबी को दूर किया और आवश्यक जांच के बाद बिजली आपूर्ति पुनः शुरू की गई। इस घटना के बाद यात्रियों ने एयरलाइन प्रबंधन की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

सीएम शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, मुजफ्फरनगर से पकड़ा

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी सफलता हासिल की है। सीबीआई ने हरिद्वार से लौटते समय बलिया के शार्प शूटर राजकुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। छपार क्षेत्र में टोल प्लाजा के निकट से उसे पकड़ा गया। ट्रांजिट रिमांड के लिए सीबीआई सीजेएम कोर्ट पहुंच गई है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में हमलावरों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई की जांच में बलिया के रातोपुर निवासी राजकुमार सिंह का नाम सामने आया था। राजकुमार अपने परिवार के साथ सोमवार तड़के हरिद्वार से वापस लौट रहा था। सीबीआई की टीम ने पहले से ही मुजफ्फरनगर स्थित टोल प्लाजा पर डेरा डाल रखा था। इसके बाद छपार पुलिस के सहयोग से आरोपी राजकुमार को दबोच लिया गया। काफी देर तक आरोपी से पूछताछ की गई, जिससे घटना के तार जुड़ते हुए नजर आ रहे हैं। सीबीआई के सीओ राजेश कुमार आरोपी के रिमांड के लिए कोर्ट पहुंचे है। पश्चिम बंगाल में हुए इस चर्चित हत्याकांड ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। जांच एजेंसी इस हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित साजिशकर्ताओं का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस गिरफ्तारी से मामले में नए खुलासे होने की उम्मीद है।

पीएम मोदी के सम्मानों पर राउत का तंज: जनता को बेरोजगारी और महंगाई ही मिल रही

मुंबई (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने देश में ईंधन की किल्लत, नीट पेपर लीक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावार है। उद्धव सेना के नेता ने सीधे प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष कर कहा कि पीएम जहां भी जाते हैं, वहां का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त कर अवॉर्ड लेने की सेंचुरी पूरी कर रहे हैं। नीदरलैंड या नॉर्वे जैसे किसी भी देश में उन्हें सम्मान मिल जाता है। लेकिन देशवासियों को क्या मिल रहा है? राउत के अनुसार, जनता को बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और बदहाल कानून-व्यवस्था का अवॉर्ड मिल रहा है।



भाजपा पर तंज कसते हुए शिवसेना यूबीटी के नेता राउत ने पूछा कि इन सम्मानों का आखिर जनता के लिए क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी जगत भ्रमण कर रहे हैं और कई देशों की यात्रा पर निकले हैं, वहीं दूसरी तरफ जनता से घर से बैठकर काम करने को कहा जा रहा है। राउत ने सवाल किया कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी कितनी बार जगत भ्रमण करना चाहते हैं।

राउत ने नीट पेपर लीक मामले में भी भाजपा सरकार की घेराबंदी कर कहा कि एनटीए या आईआईटी जैसी सभी संस्थाएं भाजपा के कब्जे में हैं, इसके बाद पेपर लीक की जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने सीधे तौर पर शिक्षा मंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेने की मांग की, क्योंकि उनके अनुसार, सभी लोग भाजपा से ही जुड़े हैं।

वहीं ईंधन संकट को लेकर राउत ने आरोप लगाया कि चुनाव तक देश में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म हुए, ईंधन की किल्लत सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी और उन्होंने पहले ही ऐसी स्थिति की भविष्यवाणी कर दी थी। पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाकर राउत ने कहा, मोदी कहां हैं? वह 7 देशों की यात्रा पर हैं और भाजपा उनके नीदरलैंड में हुए स्वागत का जश्न मना रही है, जबकि उन्हें देश के भीतर की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

मोदी सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाकर राउत ने पूछा कि प्रधानमंत्री ईरान युद्ध पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं और रूस से तेल खरीदने में क्या दिक्कत है? उन्होंने कटाक्ष कर पूछा कि क्या भारत ट्रंप-निर्भर हो गया है और क्या ट्रंप ने भारत को इसके लिए मना किया है? राउत ने कहा कि यह सरकार अचानक संकट में होने का दावा कर रही है, जिसकी भविष्यवाणी विपक्ष ने पहले ही कर दी थी।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश मे तेल, गैस की कोई कमी नहीं : हरदीप पुरी

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में पीएनजी, एलपीजी और पेट्रोल डीजल की कमी नही होने दी गयी है। केन्द्रीय मंत्री पुरी ने यहां सर्किट हाउस में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, आधारभूत सुविधाओं तथा ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित कार्यों पर विशेष चर्चा हुई। पुरी ने बताया कि विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के लिए 120 पृष्ठों की एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट तैयार की गई है। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग 80 दिनों से यह स्थिति बनी हुई है। इससे पहले रूस-यूक्रेन युद्ध भी हुआ। इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत में कच्चे तेल, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और एलपीजी की कोई कमी नहीं होने दी गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने कहा कि पिछले चार वर्षों में सरकार ने कीमतें बढ़ाने के बजाय घटाने का प्रयास किया है। तेल विपणन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया। उन्होंने बताया कि यहां एलपीजी कनेक्शनों को तेजी से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों में बदला जा रहा है। देशभर में प्रतिदिन 50 हजार पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि एक ऐसा देश है जहां हम दाम कम करते रहे और फिर भी एलपीजी की कोई कमी नहीं होने दी। जहां कहीं भी थोड़ी सी भी ब्लैक मार्केटिंग की कोशिश हुई, वहां हमने डिस्ट्रीब्यूटरशिप रद्द कर दी।



शराब घोटाला मामले की सुनवाई अब जज स्वर्ण कांता नहीं जस्टिस मनोज जैन करेंगे

-मंगलवार को सुनवाई शुरू होगी, अवमानना मामले की भी शुरुआत होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले मामला जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के बाद अब नई बेंच को ट्रांसफर किया जा चुका है। इस मामले की सुनवाई अब जस्टिस मनोज जैन करेंगे। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत छह आप नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया था। वहीं, अवमानना केस की सुनवाई जस्टिस नवीन चावला और रविंद्र जस्टिस रविंदर दुडेजा की खंडपीठ करेगी। दोनों ही मामलों की सुनवाई मंगलवार को होगी।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के अलावा दुर्गेश पाठक और विनय मिश्रा के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए मामले को किसी और बेंच को ट्रांसफर किए जाने का ऐलान किया था। अब इस मामले को जस्टिस मनोज जैन की कोर्ट में ट्रांसफर किया गया है।

एक तरफ जहां मंगलवार को शराब घोटाले मामले की सुनवाई शुरू होगी तो दूसरी तरफ अवमानना मामले की भी शुरुआत होगी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर दुडेजा की बेंच के सामने इस मामले को सूचीबद्ध किया गया है। कोर्ट केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के छह नेताओं के खिलाफ इस मामले की सुनवाई करेगी। इसके अलावा वे लोग भी दायरे में आ सकते हैं जिन्होंने यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो अपलोड किए थे जिनमें जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पर अपमानजनक टिप्पणियां की गईं थीं।

इस मामले को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत में सूचीबद्ध किया गया तो केजरीवाल ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर इस मामले को दूसरी बेंच के सामने ट्रांसफर करने की मांग की थी, लेकिन जब उन्होंने इससे इनकार कर दिया तो केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने रिक्यूजल याचिका दायर करके मांग की कि वह खुद को इस मामले से अलग कर लें। केजरीवाल ने आशंका जाहिर की थी कि उन्हें जस्टिस शर्मा की अदालत में न्याय नहीं मिल सकता है। केजरीवाल ने उन पर हितों के टकराव और आरएसएस से जुड़े संगठन के कार्यक्रम में शामिल होने का आरोप लगाया था।

6 माह में गिर जाएगी थलापति की सरकार, स्टालिन के हाथों में ही राज्य की कमान

डीएमके की विधायक ने किया चौंकाने वाला दावा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी माहौल गर्माया हुआ है। तिरुचेंदुर से विधायक अनीता राधाकृष्णन ने एक बड़ा दावा कर कहा है कि मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की अगुवाई वाली टीवीके (तामिलागा वेत्री कझगम) सरकार आगामी छह महीनों में गिर जाएगी। डीएमके विधायक के अनुसार, राज्य में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के नेता एमके स्टालिन मुख्यमंत्री पद पर वापसी करने वाले है। राधाकृष्णन ने कहा, थलाईवर (नेता) अगले मुख्यमंत्री हैं। चार या छह महीने बाद हमारे नेता मुख्यमंत्री बनने वाले है। इस दावे पर टीवीके की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिसने हाल ही में दक्षिणी राज्य की सत्ता संभाली है।



डीएमके विधायक राधाकृष्णन ने केवल भविष्यवाणी ही नहीं की, बल्कि टीवीके के विधायक आधव अर्जुन को खुली चुनौती भी दी है। उन्होंने अर्जुन से कहा, यह टीवीके सरकार सिर्फ चार और महीने टिक पाएगी। अगर आप में हिम्मत है, तब अपने विधायक पद से इस्तीफा दें। मैं भी ऐसा ही करूंगा। फिर तिरुचेंदुर में मुकाबला करते हैं। यह हमारा शहर है, हम किसी को भी हरा सकते हैं। गौरतलब है कि तिरुचेंदुर पिछले 25 सालों से राधाकृष्णन का गढ़ रहा है, जहां उन्होंने पहली बार 2001 में जीत हासिल की थी।

एक ओर जहां राज्य में सत्ता को लेकर दावे-प्रतिदावे चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्य विपक्षी दल डीएमके अपनी हालिया विधानसभा चुनाव की करारी हार के कारणों का विश्लेषण करने में जुटा गई है। डीएमके पार्टी ने इस अप्रत्याशित हार के बाद 36 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसे हार के कारणों का आत्मनिरीक्षण और निष्पक्ष विश्लेषण करने का काम सौंपा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने समिति से हार की वजहों पर एक स्पष्ट और विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

स्टालिन ने समिति के सदस्यों को संबोधित कर स्पष्ट किया कि यह कवायद केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पार्टी की चुनावी गिरावट के मूल कारणों को समझने का एक गंभीर प्रयास है। उन्होंने इस प्रक्रिया की तुलना मेडिकल डायग्नोसिस से करते हुए कहा कि जैसे प्रभावी इलाज के लिए डॉक्टर को मरीज की बीमारी की सटीक जानकारी चाहिए, वैसे ही पार्टी नेतृत्व को सुधारात्मक कदम उठाने के लिए जमीनी हकीकत की पूरी जानकारी चाहिए। पैनल को तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक जमीनी अध्ययन करने और कार्यकर्ताओं व लोकल पदाधिकारियों से सीधा फीडबैक लेने का निर्देश दिया गया है। समिति को 5 जून तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा दी गई है। खुद अपनी पारंपरिक सीट कोलाथुर से हार का सामना करने वाले स्टालिन ने कहा कि यह समीक्षा आंतरिक राजनीति, पक्षपात या दोषारोपण से मुक्त होनी चाहिए। उन्होंने सदस्यों से कहा, आपका कर्तव्य न तो किसी को बचाना है और न ही किसी को निशाना बनाना है।

केरल के नए सीएम शपथ ग्रहण में शशि थरूर क्यों नहीं पहुंचे, सामने आई असली वजह

नई दिल्ली। केरल में कांग्रेसी मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अपने 20 मंत्रियों के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण मौके पर जहां राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कई दिग्गज नेता मौजूद थे, वहीं तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर अनुपस्थित रहे। उनकी अनुपस्थिति ने हालांकि कांग्रेस के भीतर अंदरूनी अनबन की चर्चाओं को हवा दी थी, क्योंकि संगठन में असहमति को लेकर उनका नाम पहले भी सामने आता रहा है। हालांकि, शशि थरूर ने अपनी अनुपस्थिति की वजह खुद बता दी थी। उन्होंने 15 मई को ही जानकारी दी थी कि बॉस्टन में टफ्स यूनिवर्सिटी के फ्लेचर स्कूल ऑफ लॉ ऐंड डिप्लोमैसी में मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित करने और अपने ग्रेजुएशन के 50वें रीयूनियन कार्यक्रम में शामिल होने के कारण वह शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। थरूर ने बताया था कि उन्हें अमेरिका में पुराने साथियों के साथ जश्न मनाने का मौका मिला है और वे केरल के भविष्य को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सतीशन को राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री सतीशन के अलावा 20 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं।

विपक्षी एकजुटता की कमी ने बिगाड़ा ममता का खेल

वोट बंटवारे से टीएमसी को भारी नुकसान

कोलकाता (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने यह साबित कर दिया है कि विपक्षी एकजुटता के बिना चुनाव जीतना आसान नहीं है। पश्चिम बंगाल में भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे की वजह से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को करीब तीन दर्जन सीटों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। चुनाव परिणामों के आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि सूबे की 294 विधानसभा सीटों में से भाजपा 207 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है, जबकि टीएमसी के खाते में महज 80 सीटें ही आई हैं। इस चुनाव में कांग्रेस को 2 और लेफ्ट को 1 सीट पर संतोष करना पड़ा है।



राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अगर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया होता, तो राज्य की सियासी तस्वीर पूरी तरह अलग हो सकती थी। प्रदेश की एक दर्जन से अधिक सीटों पर कांग्रेस ने टीएमसी के खेल को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। साल 2021 के चुनाव में इनमें से 10 सीटें टीएमसी के पास थीं, लेकिन इस बार इन सीटों पर कांग्रेस को टीएमसी और भाजपा के बीच जीत-हार के अंतर से भी अधिक वोट मिले हैं। इसके अलावा, छह सीटों पर टीएमसी को नोटा की वजह से नुकसान हुआ, जहां कांग्रेस को नोटा से ज्यादा वोट प्राप्त हुए थे।

वोटों के इस बिखराव का सीधा फायदा भाजपा को मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भी मिला। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर की कुल 43 सीटों में से 20 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। इसका मुख्य कारण यह रहा कि मुस्लिम मतदाता कांग्रेस, लेफ्ट, इंडियन सेकुलर फ्रंट और अन्य क्षेत्रीय दलों के बीच बंट गए, जबकि पिछले चुनाव में यह वोट बैंक पूरी तरह टीएमसी के पक्ष में एकजुट था। 2021 में टीएमसी ने इन 43 में से 35 सीटें जीती थीं और भाजपा को सिर्फ आठ सीटें मिली थीं।

पश्चिम बंगाल में वामदलों (लेफ्ट) के पास आज भी करीब सात फीसदी का मजबूत वोट बैंक मौजूद है। विश्लेषकों का मानना है कि कई दर्जन सीटें ऐसी हैं, जहां लेफ्ट और कांग्रेस को मिले संयुक्त वोट टीएमसी की हार के अंतर से कहीं अधिक हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि अब वक्त आ गया है जब सभी क्षेत्रीय पार्टियों को जमीनी स्थिति को समझना होगा और भाजपा को हराने के लिए लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनावों में भी बेहतर तालमेल और साझेदारी के साथ उतरना होगा। मतों का यह विभाजन इससे पहले गुजरात और दिल्ली के चुनावों में भी विपक्षी दलों को भारी नुकसान पहुंचा चुका है।

240 चैंबरों पर चला बुलडोजर, वकीलों ने 'लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन' बताया

-घटना के बाद बार एसोसिएशन और वकीलों में भारी आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को वकीलों के अवैध चैंबरों पर चला बुलडोजर बड़ा विवाद बन गया। प्रशासन की कार्रवाई में भारी पुलिस बल तैनात रहा और विरोध कर रहे वकीलों पर लाठीचार्ज किया गया। इस घटना के बाद बार एसोसिएशन और वकीलों में भारी आक्रोश देखने को मिला। वकीलों ने इसे ÷लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन÷ बताते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट ने कुछ अवैध चैंबरों को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद नगर निगम की टीम के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और चैंबर तोड़ने की कार्रवाई शुरू हुई। हालांकि इस दौरान वकीलों ने विरोध भी किया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। वकीलों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने केवल 72 चैंबर हटाने का आदेश दिया था, लेकिन प्रशासन ने आदेश की आड़ में करीब 240 चैंबरों पर कार्रवाई कर दी। उनका कहना है कि जिन चैंबरों को चिन्हित किया गया था, उनमें कई वकीलों के चैंबर शामिल ही नहीं थे, बावजूद इसके उन्हें भी तोड़ दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक बुलडोजर कार्रवाई के दौरान कई वकीलों की तबीयत भी बिगड़ गई। कुछ वकील जमीन पर बैठकर विरोध जताते रहे तो कुछ ने कार्रवाई रोकने की मांग को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से बहस की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। वकीलों का कहना है कि वे पिछले करीब 30 सालों से वहीं बैठकर वकालत कर रहे हैं और अचानक इस तरह की कार्रवाई उनके रोजगार पर सीधा हमला है। वकीलों ने प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर उन्हें वहां से हटाया जा रहा है तो पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए थी। वहीं प्रदर्शन कर रहे वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने कार्रवाई नहीं रोकी और उचित समाधान नहीं निकाला तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।



पीएम मोदी के नाम पर ठगी मामले में सुप्रीम कोर्ट से आरोपी को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य केंद्रीय मंत्रियों का करीबी बताकर लोगों से ठगी करने के आरोपी कासिफ को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें कासिफ की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। कासिफ मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है। कासिफ पर आरोप है कि उसने खुद को प्रधानमंत्री मोदी और अन्य सरकारी अधिकारियों का करीबी सहयोगी बताकर लोगों से पैसे ऐंठ लिए। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने का मुख्य कारण यह बताया कि कासिफ पिछले करीब तीन सालों से जेल में है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, कासिफ सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी और कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ अपनी मॉर्फ की गई तस्वीरें अपलोड करता था। इनका इस्तेमाल वह सरकारी विभागों में नौकरी, ठेके या अन्य सहायता दिलाने का वादा करके लोगों से पैसे ठगने के लिए करता था। ईडी ने उसके ठिकानों से 1.10 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भी जब्त की थी, जिसे अपराध की कमाई बताया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कासिफ को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है। अदालत ने उससे यह वादा लिया है कि वह भविष्य में किसी भी संवैधानिक या सरकारी अधिकारी के नाम का दुरुपयोग नहीं करेगा। साथ ही, चल रही कानूनी कार्यवाही में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया गया है।

सूखा, बाढ़, तबाही... क्या अल-नीनो लेकर आएगा 149 साल पहले की प्रलय?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया फिर जलवायु संकट के इसतरह के मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां इतिहास खुद को दोहरा सकता है। इस संकट पर वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि 2026 में बनने वाला संभावित ÷सुपर अल-नीनो÷ 149 साल पहले आई उस भीषण तबाही जैसी स्थिति पैदा कर सकता है, जिस तबाही ने 1877-78 में पूरी दुनिया को अकाल, सूखा, बाढ़ और महामारी की आग में झोंक दिया था। फर्क सिर्फ इतना है कि उस समय धरती अपेक्षाकृत ठंडी थी, जबकि आज दुनिया पहले से ही रिकॉर्ड गर्मी झेल रही है। इसके बाद इस बार खतरा कहीं ज्यादा बड़ा माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। समुद्र की सतह ही नहीं, बल्कि गहराई में भी गर्मी असामान्य स्तर तक पहुंच चुकी है। कई क्लाइमेट मॉडल संकेत दे रहे हैं कि 2026 का अल-नीनो 1877 वाले रिकॉर्ड को भी पार कर सकता है। इसकारण दुनियाभर की मौसम एजेंसियां लगातार निगरानी कर रही हैं।

1876 से 1878 के बीच आया सुपर अल-नीनो

इतिहास गवाह है कि 1876 से 1878 के बीच आया सुपर अल-नीनो मानव सभ्यता की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में शुमार है। भारत, चीन, ब्राजील और अफ्रीका के बड़े हिस्सों में सूखा पड़ा। मानसून फेल हो गया, फसलें नष्ट हुईं और जल संकट ने करोड़ों लोगों को भूख व बीमारी की तरफ धकेल दिया। अनुमान है कि उस दौर में दुनिया की आबादी का करीब 2 से 3 प्रतिशत खत्म हो गया था। कई अध्ययनों में मौतों का आंकड़ा 5 करोड़ तक बताया गया है।

भारत में हुई थी 3 करोड़ लोगों की मौत

भारत इस तबाही का सबसे बड़ा शिकार बना था। इतिहासकारों के अनुसार उस समय 1.2 करोड़ से लेकर करीब 3 करोड़ लोगों तक की मौत हुई थी। खेत सूख गए, पशुधन खत्म हुआ और गांवों में भुखमरी फैल गई। उत्तरी चीन में भीषण सूखा पड़ा, जबकि ब्राजील के उत्तर-पूर्वी इलाके जल संकट से तबाह हो गए। अफ्रीका में भी खाद्यान्न संकट गहराया। उस समय वैज्ञानिक यह नहीं समझ पाए थे कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हो रही ये घटनाएं दरअसल प्रशांत महासागर में बने शक्तिशाली अल-नीनो से जुड़ी थीं।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता और उनकी टीम के मुताबिक, 1877 से पहले कई वर्षों तक प्रशांत महासागर का उष्णकटिबंधीय क्षेत्र असामान्य रूप से ठंडा रहा। इससे पश्चिमी प्रशांत में भारी मात्रा में गर्मी जमा हो गई। जब मौसम प्रणाली बदली, तब विशाल अल-नीनो विकसित हुआ। भारतीय महासागर और उत्तर अटलांटिक में तापमान का असंतुलन भी इस संकट को और घातक बनाने वाला कारक बना। अब 2026 में चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि आज की दुनिया पहले से ही ग्लोबल वार्मिंग के असर झेल रही है। ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और समुद्र लगातार गर्म हो रहे हैं। इसके बाद अगर सुपर अल-नीनो बनता है, तब उसके प्रभाव कई गुना ज्यादा विनाशकारी हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 और 2027 के दौरान दुनिया को भीषण हीटवेव, सूखा, जंगलों में आग, फसलों की बर्बादी और कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों पर असर पड़ने से वैश्विक खाद्य संकट भी गहरा सकता है।

भारत कृषि प्रधान, खेती बारिश पर निर्भर



भारत के लिए खतरा सबसे ज्यादा मानसून को लेकर है। अल-नीनो के दौरान अक्सर मानसून कमजोर पड़ जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में सूखे की आशंका बढ़ सकती है। इससे किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ेगा। महंगाई बढ़ सकती है और पानी का संकट गंभीर हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारों को अभी से जल संरक्षण, सूखा-प्रतिरोधी फसलों, बेहतर सिंचाई, बीमा कवर और आपदा प्रबंधन योजनाओं पर तेजी से काम करना होगा। 1877-78 की त्रासदी केवल इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
19 मई 2026

परमाणु संयंत्र पर हमले से तेल बाजार में भूचाल, अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर

भू-राजनीतिक तनाव से कच्चे तेल में भारी तेजी, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के पार

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के ठप पड़ने से निवेशक घबराए हुए हैं। हमले की खबर आते ही कच्चे तेल के दोनों बेंचमार्क में जोरदार उछाल आया। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 1.32 फीसदी बढ़कर 110.70 डॉलर प्रति बैरल पर, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.75 फीसदी की तेजी के साथ 107.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह 5 मई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अमीराती अधिकारियों ने बराकाह परमाणु संयंत्र पर हमले की पुष्टि करते हुए इसे आतंकी हमला करार दिया और करारा जवाब देने की बात कही। इसी बीच सऊदी अरब ने भी इराकी हवाई क्षेत्र से आए तीन लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य विकल्पों पर चर्चा ने तनाव को और बढ़ा दिया है। आईजी मार्केट के विश्लेषकों के अनुसार ये ड्रोन हमले वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं। यदि अमेरिका या इज़राइल की ओर से ईरान पर कोई जवाबी कार्रवाई होती है, तो खाड़ी क्षेत्र के महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले और तेज हो सकते हैं। शांति समझौते की उम्मीदें खत्म होने से तेल की कीमतों में यह तेजी जारी रहने की आशंका है।

मिड-स्मॉलकैप फंडों में मजबूत वापसी, पर विशेषज्ञ दे रहे फूंक-फूंक कर कदम चलने की सलाह

अप्रैल में मिडकैप ने 11 फीसदी और स्मॉलकैप ने 13.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की



नई दिल्ली ।

अप्रैल महीने में मिडकैप और स्मॉलकैप फंडों ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां मिडकैप ने औसतन 11 फीसदी और स्मॉलकैप ने 13.5 फीसदी का इजाफा दर्ज किया। यह वृद्धि निवेशकों के लिए राहत लेकर आई है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस श्रेणी में अभी भी कुछ चिंताएं बरकरार हैं। इसलिए, निवेशकों को इस चमकती वापसी के बावजूद अपने कदमों को सावधानी से आगे बढ़ाना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार यह मौजूदा उछाल 2024 के आखिरी महीनों के दौरान इन श्रेणियों में आई भारी गिरावट के बाद की तेजी है, जब मिडकैप और स्मॉलकैप में कुछ जगह 25 से 35 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड के एक अ धिकारी बताते हैं कि इस गिरावट की वजह अत्यधिक महंगे शेयर और राजकोषीय व मौद्रिक नीतियों में सख्ती के बाद वृद्धि के कमजोर आसार थे। इस गिरावट ने शेयरों को कम कीमत पर लुभावना बना दिया, जिससे निवेशकों को दोबारा निवेश करने का अवसर मिला। एडलवाइस म्युचुअल फंड के एक अ धिकारी के अनुसार मार्च में बाजार का 10 फीसदी से ज्यादा लुढ़कना अनुमान से कहीं अधिक था। मौजूदा तेजी भू-राजनीतिक समस्याओं के जल्द सुलझने और कमाई में इजाफे की रफ्तार कम न होने की उम्मीदों पर आधारित है। साथ ही, घरेलू खपत में भी पूरी तरह गिरावट नहीं आई है। जीएसटी संग्रह, ऋण उठान में वृद्धि और कुछ क्षेत्रों में कंपनियों का मुनाफा बताता है कि देश के भीतर खपत बरकरार है। मंदी के बावजूद खुदरा निवेशकों ने एसआईपी के माध्यम से शेयरों में निवेश जारी रखा है। आगे की तेजी भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। प्लान अहेड वेल्थ एडवाइजर्स के विशाल धवन के मुताबिक, तेल की कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल और रुपये में ठहराव महंगाई को थामने और आय तथा विदेशी निवेश को बल देगा। शेयरों की कीमत के हिसाब से अर्निंग में इजाफा भी महत्वपूर्ण है।

शेयर बाजार में बढ़ा म्यूचुअल फंड्स का दबदबा, कमजोर पड़ी एलआईसी की पकड़

पांच साल में तेजी से घटा एलआईसी का हिस्सा

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शेयर बाजार पर पकड़ लगातार कमजोर हो रही है। दूसरी ओर म्यूचुअल फंड उद्योग का दबदबा तेजी से बढ़ा है, जो पिछले 14 वर्षों में प्रमुख बदलाव का संकेत है। हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार यह अंतर लगातार पांचवें साल बढ़ा है। मार्च 2012 में, एलआईसी के पास सार्वजनिक कारोबार के लिए उपलब्ध सूचीबद्ध शेयरों के मूल्य का 10.67 फीसदी हिस्सा था, जो मार्च 2026 तक घटकर 7.42 फीसदी रह गया। इसी अवधि में, म्यूचुअल फंड उद्योग का हिस्सा 7.06 फीसदी से बढ़कर 22.92 फीसदी हो गया है। एक अ धिकारी ने बताया कि म्यूचुअल फंडों का बढ़ता दबदबा खुदरा निवेशकों के निरंतर निवेश का परिणाम है। यह रुझान फिलहाल धीमा होता नहीं दिख रहा। उन्होंने कहा कि बाजार हिस्सेदारी घटने के बावजूद, एलआईसी अभी भी सबसे बड़ी अकेली परिसंपत्ति प्रबंधक बनी हुई है, जिसकी इक्विटी परिसंपत्तियां



सबसे बड़े म्यूचुअल फंड से कम से कम दोगुनी हैं। उनके अनुसार म्यूचुअल फंडों के विपरीत, एलआईसी पर मोचन (रिडम्पशन) का वैसा दबाव या मासिक खुलासे की बाध्यता नहीं होती। एलआईसी की कुल इक्विटी होल्डिंग्स का मूल्य 15.11 लाख करोड़ रुपये है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (1.2 लाख करोड़ रुपये) में उसकी सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इसके अतिरिक्त, एसबीआई, एलएंडटी, आईटीसी और इन्फोसिस में भी उसकी 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की हिस्सेदारी है।

पश्चिम बंगाल में बड़े टेक निवेश की तैयारी, केंद्र कर रहा वैश्विक दिग्गजों से बात

कोलकाता । केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को एक प्रमुख तकनीकी केंद्र बनाने की दिशा में सक्रिय हो गई है। राज्य में डेटा सेंटर, हाइपरस्केलर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) हब में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए गूगल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ-साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज और अदाणी समूह जैसे भारतीय समूहों से बातचीत की जा रही है। सेमीकंडक्टर कंपनियों और अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) को भी राज्य में लाने का प्रयास जारी है। यह पहल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य चुनावों में जीत के बाद तेज हुई है, जिसने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 साल पुराने शासन का अंत किया। पश्चिम बंगाल में औद्योगिक और आर्थिक विकास को फिर से गति देना भाजपा के चुनावी अभियान का प्रमुख मुद्दा था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि बातचीत सकारात्मक रही है। फिलहाल, राज्य सॉफ्टवेयर निर्यात में केवल 2.1 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सातवें स्थान पर है, जो इसे कर्नाटक जैसे अग्रणी राज्यों से काफी पीछे रखता है। जून तक कुछ निवेशों को अंतिम रूप देकर घोषित किए जाने की उम्मीद है।

प्रूडेंशियल भारती लाइफ में 75 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगा

चेसिस निर्यात में भारत की बड़ी छलांग

मुंबई ।



ब्रिटिश बीमा दिग्गज प्रूडेंशियल ने भारती लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 75 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने पर सहमति जताई है, जो भारत में उसके परिचालन को बेहतर बनाने की नई रणनीति का हिस्सा है। रॉयटर्स के अनुसार, इस सौदे में 35 अरब रुपए का प्रारंभिक नकद भुगतान शामिल है, साथ ही शर्तों के आधार पर 7 अरब डॉलर अतिरिक्त देय हो सकते हैं। इस अधिग्रहण के बाद भारती लाइफ इंश्योरेंस का बहुमत स्वामित्व प्रूडेंशियल के पास होगा। हालांकि, नियामक मंजूरी के लिए कंपनी को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में अपनी हिस्सेदारी 10 फीसदी से कम करनी होगी। यह कदम भारत के जीवन बीमा कारोबार में बहुमत स्वामित्व हासिल करने की प्रूडेंशियल की रणनीति का हिस्सा है। भारती लाइफ, भारती एयरटेल और 360 वन के साथ रणनीतिक वितरण समझौतों पर भी विचार करेगी। इसी बीच, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के इंजन लगे चेसिस का निर्यात 302.3 मिलियन डॉलर (28.98 अरब डॉलर) तक पहुंच गया, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (144.3 मिलियन) सबसे बड़ा आयातक रहा। यह वृद्धि वैश्विक मांग और देश की बढ़ती ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है। फिलीपीन, बांग्लादेश और अमेरिका भी प्रमुख आयातक रहे।

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट डॉलर के आगे बेबस, क्या 100 की ओर जा सकता है?

कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी बिकवाली ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली ।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार दबाव में है और हाल ही में रिकॉर्ड निचले स्तर 96.14 प्रति डॉलर तक पहुंच गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भू-राजनीतिक तनाव जैसे कई कारकों ने रुपये पर चौतरफा दबाव बढ़ाया है, जिससे इसकी स्थिति और नाजुक हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर मौजूदा हालात नहीं सुधरे तो रुपया डॉलर के मुकाबले 100 के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब जा सकता है। रुपये की इस कमजोरी के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिका में ऊंची ब्याज दरों के चलते विदेशी निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर अमेरिकी बाजारों की ओर बढ़ रहे हैं। जब ये निवेशक रुपये बेचकर डॉलर खरीदते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसके अलावा, दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता या युद्ध जैसे हालात होने पर निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर अमेरिकी डॉलर की ओर रुख करते हैं, जिससे उसकी मांग और बढ़ जाती है। भारत अपनी 90 फीसदी से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। कच्चे तेल की मौजूदा ऊंची कीमतें (लगभग 111 डॉलर प्रति बैरल) देश के आयात बिल को बढ़ा रही हैं, जो रुपये पर और दबाव डालता है। मिडिल ईस्ट में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों की चिंता बढ़ा रहा है, जिससे डॉलर को सुरक्षित आश्रय के रूप में देखा जा रहा है। कमजोर रुपये का सबसे बड़ा असर आयात पर



निर्भर सेक्टरों जैसे एविएशन, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और एफएमसीजी पर पड़ेगा, क्योंकि उनकी लागत बढ़ जाएगी। इससे स्मार्टफोन, लैपटॉप, लग्जरी कार और कई दवाइयां महंगी हो सकती हैं, जिससे आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा। हालांकि, कुछ सेक्टरों को फायदा भी मिल सकता है। आईटी सर्विसेज, फार्मा, टेक्सटाइल और स्पेशलिटी केमिकल्स जैसी निर्यात आधारित कंपनियों की कमाई बढ़ सकती है, क्योंकि उन्हें डॉलर में भुगतान मिलता है और रुपये में बदलने पर उन्हें अधिक राशि मिलती है। इससे भारतीय उत्पादों का निर्यात भी विदेशों में सस्ता हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचता है और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो रुपया 100 के स्तर के करीब जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को स्थिर रखने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग और मौद्रिक नीति में बदलाव जैसे कदम उठा सकता है।

अदाणी ग्रुप बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर करेगा 60,000 करोड़ तक निवेश अदाणी

चेयरमैन गौतम अदाणी ने सारण में अखण्ड ज्योति आई हॉस्पिटल के उद्घाटन पर की घोषणा

पटना ।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए अगले तीन से चार वर्षों में 50,000 करोड़ से 60,000 करोड़ रुपये तक के विशाल निवेश का ऐलान किया है। उन्होंने यह महत्वपूर्ण घोषणा सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अदाणी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन समारोह के दौरान की।

गौतम अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप का लक्ष्य बिहार की प्रगति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से काम करना है। उन्होंने बताया कि भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2,400 मेगावाट पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हो चुका है और उस पर काम चल रहा है। इसके साथ ही, राज्य में कई रोड प्रोजेक्ट्स पर भी अदाणी ग्रुप सक्रिय है। अदाणी ने बिहार के विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बिहार की ग्रोथ का समय आ गया है। यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिकीकरण की काफी जरूरत है, जिसका लाभ राज्य की जनता को उठाना



चाहिए। उनकी पत्नी और अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन प्रीति अदाणी के साथ बिहार पहुंचे गौतम अदाणी ने इस पावन भूमि, विशेषकर मस्तीचक में आकर खुशी और गौरव व्यक्त किया। उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ के दर्शन से असीम शांति मिलने और समाज के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलने की बात कही।

गोल्डलाइन फार्मा आईपीओ ने रचा इतिहास, निवेशकों को बंपर मुनाफे की उम्मीद

840 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ आईपीओ, 19 मई को लिस्टिंग

मुंबई ।

गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल के आईपीओ ने निवेशकों के बीच अभूतपूर्व उत्साह जगाया है। इसकी जबरदस्त प्रतिक्रिया और ग्रे मार्केट में 46 फीसदी से अधिक प्रीमियम पर कारोबार इसकी मजबूत लिस्टिंग की प्रबल संभावना दर्शाते हैं। गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल का आईपीओ 12 मई को खुला था और 14 मई तक निवेश के लिए उपलब्ध रहा।

इस दौरान कंपनी के 43 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस वाले आईपीओ को कुल 840.74 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जो एक रिकॉर्ड है। लगभग 12 करोड़ रुपए के इस आईपीओ के शेयरों की लिस्टिंग मंगलवार, 19 मई को होनी है। ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 20 रुपए तक पहुंच गया है, जिससे यह करीब 63 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। यह आईपीओ पाने वाले निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही 46 फीसदी से ज्यादा के बंपर मुनाफे का संकेत देता है। गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल गोल्डलाइन ब्रांड से फार्मा उत्पादों की मार्केटिंग करती है। कंपनी थर्ड पार्टी मैन्युफैक्चरर्स से उत्पाद तैयार करवाकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश सहित 7 राज्यों में वितरित करती है।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा में दूसरा संयंत्र शुरू किया, उत्पादन क्षमता दोगुनी हुई

कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 26.5 लाख इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने सोमवार को हरियाणा के खरखौदा स्थित अपनी विनिर्माण इकाई के दूसरे संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है। इस कदम से कंपनी की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगी। मारुति सुजुकी के इस नए संयंत्र के शुरू होने से खरखौदा इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता में 2.5 लाख इकाई का इजाफा हुआ है। इसके साथ ही खरखौदा संयंत्र की कुल क्षमता अब 5 लाख इकाई प्रति वर्ष हो गई है। इस विस्तार के परिणामस्वरूप कंपनी के गुरुग्राम, मानेसर, खरखौदा (हरियाणा) और हंसलपुर (गुजरात) स्थित सभी संयंत्रों की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.5 लाख इकाइयों पर पहुंच गई है। कंपनी ने बताया कि पूरी तरह से संचालित होने पर खरखौदा संयंत्र मूल कंपनी सुजुकी के सबसे बड़े चार पहिया वाहन विनिर्माण स्थलों में से एक होगा, जिसकी क्षमता प्रति वर्ष 10 लाख वाहन बनाने



की होगी। मारुति सुजुकी ने पहले ही वित्त वर्ष 2026-27 तक पांच लाख इकाइयों की अतिरिक्त क्षमता जोड़ने की योजना की घोषणा की थी। वर्तमान में इस इकाई में कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा और मिड-एसयूवी मॉडलों का उत्पादन किया जा रहा है। यह विस्तार भविष्य की विकास योजनाओं के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पटसन संकट गहराया मिलें बंद, हजारों श्रमिक बेरोजगार, सरकार से हस्तक्षेप की अपील

हुगली में 14 मिलें बंदी की कगार पर, 75,000 श्रमिक प्रभावित



कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल का पटसन उद्योग कच्चे पटसन की भारी कमी और कीमतों में बेतहाशा उछाल के कारण गहरे संकट में है। इस स्थिति ने बड़े पैमाने पर मिल बंद होने और हजारों श्रमिकों के बेरोजगार होने की आशंका पैदा कर दी है, जिसके चलते उद्योग ने राज्य में नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) के अनुसार हुगली औद्योगिक क्षेत्र में कम से कम 14 मिलें या तो बंद हो गई हैं या कच्चे पटसन की कमी और अव्यवहार्य लागत के कारण गंभीर उत्पादन बाधा का सामना कर रही हैं। इससे उत्तर 24 परगना और हुगली जिलों सहित आसपास के क्षेत्रों में अनुमानित 75,000 श्रमिक पहले ही अनैच्छिक बेरोजगारी का शिकार हो चुके हैं। जूट बेलर्स एसोसिएशन (जेबीए) की 17,100 रुपये प्रति क्विंटल की उच्च दरें और व्यापार पर प्रतिबंध ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। उद्योग प्रतिनिधियों का आरोप है कि यह संकट केवल मौसमी कमी नहीं, बल्कि लंबे समय से जारी सट्टा भंडारण, विकृत बाजार परिस्थितियों एवं प्रशासनिक निष्क्रियता का परिणाम है। शून्य-भंडार आदेश को भी एक दोधारी तलवार बताया गया है, जो मिलों और आपूर्तिकर्ताओं दोनों को प्रभावित कर रहा है। मिल मालिकों ने नई सरकार से शेष भंडार जारी करने, आपातकालीन आयात की अनुमति देने और उद्योग के लिए व्यवहार्य मूल्य दायरा बहाल करने का आग्रह किया है। उन्होंने शून्य-भंडार आदेश को वापस लेने या उसकी समयसीमा बढ़ाने की भी मांग की है ताकि उपलब्ध कच्चा पटसन बाजार में आ सके। पटसन क्षेत्र में लगभग दो लाख श्रमिक कार्यरत हैं, और उद्योग को डबल इंजन सरकार से स्थिरता और सहयोग की उम्मीद है।

जीई एयरोस्पेस का पुणे संयंत्र में 100 करोड़ का नया निवेश

उत्पादन क्षमता बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति को मजबूत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी जीई एयरोस्पेस ने भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता और उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से पुणे स्थित अपने संयंत्र में 100 करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है।

इस ताजा निवेश के साथ, पिछले तीन वर्षों में वाणिज्यिक विमान इंजनों के महत्वपूर्ण घटक बनाने वाले इस संयंत्र में कंपनी का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा, जो देश में मेक इन इंडिया पहल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि यह 100 करोड़ रुपये नई वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों, उन्नत निरीक्षण उपकरणों, सटीक औजारों, गेज, फिक्स्चर और अतिरिक्त अवसंरचना उन्नयन पर खर्च किए जाएंगे।

इसका प्राथमिक उद्देश्य उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना, प्रक्रियाओं की सटीकता में सुधार लाना और वैश्विक ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले घटकों की निर्बाध आपूर्ति को सुनिश्चित करना है। जीई एयरोस्पेस के अनुसार यह नवीनतम निवेश पिछले दो वर्षों में घोषित 410 करोड़ रुपये के निवेश का पूरक है, जिससे पुणे संयंत्र में तीन साल का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। पुणे विनिर्माण संयंत्र के एक अ धिकारी ने इस कदम को भारत में विनिर्माण के प्रति कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता बताया।

उन्होंने कहा कि हम कौशल विकास पर भी काम कर रहे हैं, जो भारत में वैमानिकी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनेगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी आपूर्तिकर्ताओं और कौशल विकास के माध्यम से भारत में वैमानिकी उद्योग के लिए सरकार के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पुणे संयंत्र के पास स्थानीय स्तर पर 300 से अधिक आपूर्तिकर्ता हैं।

जबकि भारत में जीई एयरोस्पेस के कुल आपूर्तिकर्ताओं का नेटवर्क 2,200 से अधिक है। 2015 से अब तक, इस संयंत्र ने 5,000 से अधिक उत्पादन सहयोगियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे देश में वैमानिकी विनिर्माण प्रतिभा का एक मजबूत आधार तैयार हुआ है। बेंगलुरु में जीई एयरोस्पेस का एक प्रौद्योगिकी केंद्र भी कार्यरत है।

चीन करेगा 17 अरब डॉलर सालाना अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा के बाद व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि चीन 2026 से सालाना 17 अरब अमेरिकी डॉलर के कृषि उत्पादों की खरीद करेगा। यह कदम व्यापार युद्ध से प्रभावित अमेरिकी किसानों को बड़ी राहत देगा और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत है। यह समझौता 2026 से 2028 तक प्रति वर्ष 17 अरब डॉलर के स्तर पर रहेगा। इसमें अमेरिकी कृषि विभाग द्वारा बर्ड फ्लू से मुक्त घोषित किए गए राज्यों से पोल्ट्री आयात फिर से शुरू करना शामिल है। यह पिछली सोयाबीन खरीद प्रतिबद्धताओं के अतिरिक्त होगा। समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे की कृषि आयात संबंधी गैर-शुल्क बाधाओं और बाजार पहुंच की चिंताओं को दूर करने पर सहमत हुए हैं, जिसमें



चीनी डेयरी व समुद्री उत्पाद और अमेरिकी गोमांस प्रसंस्करण इकाइयां शामिल हैं। कुछ उत्पादों पर जवाबी शुल्क कटौती पर भी सहमति बनी है। हालांकि, चीन ने अभी तक इस समझौते की तत्काल पुष्टि नहीं की है और खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर अपने कृषि आयात स्रोतों में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।



गोंद कतीरा से बनाएं 3 डिफरेंट और टेस्टी

ड्रिंक्स, गर्मियों में भी रहेंगे कूल-कूल

समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मियों के मौसम में गोंद कतीरा का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। तेज और चिलचिलाती धूप और लू से यह हमारा बचाव करती है। इसमें मौजूद नेचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज हमारे शरीर का तापमान बैलेंस में रखता है। इस मौसम में गोंद कतीरा खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और शरीर को भी एनर्जी मिलती है। वहीं गर्मियों में यह डिहाइड्रेशन से भी बचाव करता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और गर्मियों में इसका सेवन रामबाण माना जाता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी सहयता करता है।

ऐसे में समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको गर्मियों के मौसम में एक बार इस ड्रिंक को जरूर ट्राई करना चाहिए।

पुदीना-नींबू शिकंजी गोंद कतीरा शिकंजी रेसिपी

इस रेसिपी को बनाने के लिए एक बर्तन में गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब एक मिक्सर जार में नींबू, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी डालकर पीस लें।

फिर इस पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें।

एक गिलास में भीगा हुआ गोंद कतीरा डालें और फिर यह पेस्ट डालें।

इसके बाद ऊपर से ठंडा पानी और जलजीरा डालकर मिक्स करें।

बर्फ के टुकड़े ऊपर से डालकर सर्व करें।

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत रेसिपी

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत बनाने के लिए गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब तरबूज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

फिर मिक्सर जार में इसको पीस लें।

अब एक गिलास में गोंद कतीरा, तरबूज पेस्ट, तरबूज के कटे टुकड़े डालकर मिक्स करें।

इसके ऊपर से ठंडा पानी, काला नमक और बर्फ डालकर मिलाएं और फिर सर्व करें।

गोंद कतीरा मैंगो शेक रेसिपी

सबसे पहले गोंद कतीरा को कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें।

फिर आम का छिलका हटाकर उसको टुकड़ों में काट लें।

अब एक जार में आम के टुकड़े, दूध और चीनी डालकर शेक बना लें।

इस शेक को एक बर्तन में निकाल लें और इसमें गोंद कतीरा मिलाएं।

इसमे कुछ आम के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर गिलास में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से मैंगों शेक डालें।

इस आसान तरीके से गोंद कतीरा मैंगो शेक बनकर तैयार हो जाएगा।



इस तरह बनाएंगे भरवां करेले तो हफ्तों तक नहीं होंगे खराब

करेले को अगर सही तरीके से न बनाया जाए तो इसका स्वाद बेस्वाद हो सकता है। यहां हम आपके लिए पंजाबी स्टाइल में करेला बनाने की रेसिपी लेकर आए हैं। इसे बनाकर आप करीब 10 दिन तक फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

स्वाद में कड़वा करेला सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। कोई सेहतमंद होने के लिए इसका जूस पीता है तो किसी को करेले की सब्जी बहुत अच्छी लगती है। विटामिन, मिनरल्स और पोषक तत्वों से भरपूर ये सब्जी यूं तो अमूमन हर घर में बनती है। लेकिन क्या कभी आपने पंजाबी स्टाइल में भरवां करेले बनाए हैं। ये न केवल स्वाद में बेहद टेस्टी होते हैं बल्कि इन्हें लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

भरवां करेला रेसिपी

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

5-6 करेला

1 बड़ा प्याज बारीक कटा

1 स्पून अमचूर पाउडर

1 स्पून भुना जीरा पाउडर

1 स्पून सौंफ पाउडर

आधा स्पून लाल मिर्च पाउडर

आधा स्पून हल्दी पाउडर

1 स्पून धनिया पाउडर

एक पिंच हींग

नमक स्वादानुसार

तलने के लिए तेल

भरवां करेला बनाने की रेसिपी

पंजाबी स्टाइल में भरवां करेला बनाने के लिए सबसे पहले करेला को हल्का चाकू से छील लें। इसके बाद करेले को धोकर बीच में कट लगा दें। अगर बीज पसंद हैं तो रहने दें। वहीं अगर बीज पके हुए हैं तो इन्हें निकाल दें। इससे करेले में भरावन के लिए जगह बन जाएगी। करेले का कड़वापन दूर करने के लिए नमक लगाकर करीब 2 घंटे के लिए छोड़ दें। करेले के मसाले की तैयारी शुरू करें। इसके लिए सबसे पहले कड़ाही में तेल गर्म करें। फिर इसमें प्याज डालकर भूनें। प्याज के गोल्डन ब्राउन होने तक उसमें हल्दी पाउडर डालें।

फिर धनिया पाउडर, हींग, जीरा पाउडर मिलाएं। इसके बाद सौंफ पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। खट्टेपन के लिए अमचूर पाउडर डालें। गैस बंद कर दें। अब नमक लगे करेला को दबाकर सारा पानी निकाल दें। करेले में जहां कट लगाया था वहां भरावन भरते जाएं। करेला को अच्छी तरह से दबा दें। ताकि मसाला बाहर न निकले।

जब सारे करेले भर जाएं तब कड़ाही में ऑयल डालें। आप चाहें तो इसे धागे से बांध भी सकती हैं। ताकि मसाला बाहर न निकले। अब तेल डालकर इसे फ्राई कर लें। फिर गैस को स्लो करके कम कर दें और ढ़क दें। बीच-बीच में करेला को पलटते रहें और पूरी तरह फ्राई होने तक पकाएं। दवा कर चेक करें कि ये पका है या नहीं। आप फ्रिज में इसे लंबे समय स्टोर कर सकती हैं।

अदरक को लंबे समय तक कैसे करें स्टोर?

फ्रेश रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स!

अदरक को आप अपने घर पर ही आसानी से लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ घरेलू उपाय को अपना सकते हैं।

भारतीय रसोई में अदरक का उपयोग काफी लंबे समय से होता रहा है। चाय हो या फिर कोई अन्य तरह की सब्जियां, इसके बिना स्वाद फीका पड़ जाता है। कई बार अदरक को लोग काफी मात्रा में खरीद लेते हैं, जो समय के साथ खराब होने लगता है। आप अदरक को घर पर आसानी से लंबे समय के लिए भी स्टोर कर सकते हैं, जिससे यह अधिक समय तक ताजा बना रहेगा। इस लेख में हम आपके लिए अदरक को स्टोर करने के लिए एकदम सस्ता उपाय बताने वाले हैं, जिससे आप न सिर्फ अदरक को फ्रेश रख सकते हैं, बल्कि आपको बार-बार इसको मार्केट से खरीदने की भी जरूरत नहीं होगी।

अदरक का पाउडर बनाएं

आप अदरक को सुखाकर पाउडर भी बना सकते हैं। अगर आपके पास अधिक मात्रा में अदरक है, तो उसे सबसे पहले धूप में सुखा लें और इसका पाउडर बना लें। इस तरह आप ड्राई जिंजर पाउडर को आप कई महीनों तक उपयोग कर सकते हैं।

पेपर में लपेटकर फ्रिज में करें स्टोर

अदरक को स्टोर करने के लिए आप पेपर का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप अदरक को सही से धोकर सुखा लें। सूखने के बाद इसे पेपर में लपेटें। अब इसको एक एयरटाइट प्लास्टिक बैग में डालकर फ्रिज में रख दें। इस तरह अदरक करीब एक माह तक फ्रेश बनी रहेगी।



छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर करें स्टोर

अदरक को आप छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर भी स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले इसको कद्दूकस या फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसको एयरटाइट बॉक्स में रखकर फ्रीजर में स्टोर करें। इस तरह यह अदरक लंबे समय तक खराब नहीं होगी।

मिट्टी के बर्तन में करें स्टोर

अदरक को पुराने समय में मिट्टी के बर्तन में स्टोर किया जाता था, जिससे यह लंबे समय तक खराब नहीं होता था। आप भी इस तरह से अदरक को स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप मार्केट से मिट्टी के बर्तन को खरीद लें। आप मटकी का उपयोग कर सकते हैं। इसमें अदरक को सुखाकर रखें। इस तरीके से आप बिना फ्रिज के भी अदरक को कई महीनों तक स्टोर कर सकते हैं।

तेज धूप से हाथों का रंग हो गया है काला तो ट्राई करें ये नुस्खा, तुरंत साफ होगी स्किन



गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है।

बढ़ती धूप की वजह से हमारी त्वचा पर पसीना निकलता है, जिससे हमारी स्किन पर टैनिंग की समस्या सबसे ज्यादा होती है। क्योंकि गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं, जिससे आपकी त्वचा इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का इस्तेमाल

चेहरे की चमक के लिए हम अक्सर चावल के आटे का इस्तेमाल करते हैं। आप चाहें तो हाथों की टैनिंग के लिए भी चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसका स्क्रब बनाकर अप्लाई करें। जिससे आपकी स्किन इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का स्क्रब

सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा ले लें।

फिर इसमें थोड़ा सा दही और थोड़ा सा गुलाबजल मिलाएं।

अब इसका पेस्ट बनाकर अपने हाथों पर अप्लाई करें।

इसके बाद 10 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर किसी गीले कपड़े से हाथों को साफ कर लें।

इससे आपके हाथों की टैनिंग कम होगी।

आप कम से कम 10-15 दिन तक इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

टमाटर का इस्तेमाल

टैनिंग रिमूव करने के लिए टमाटर को सबसे अच्छा माना जाता है और यह इस मौसम में काफी सस्ता भी मिल रहा है। असल, में टमाटर में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं, जिससे स्किन आसानी से साफ होती है और आप हाथों पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे लगाएं टमाटर

एक टमाटर लेकर इसको काट लें।

अब इसमें थोड़ी सी चीनी लगाएं।

वहीं अब अपने हाथों को रब करना है।

इससे आपकी स्किन इवन नजर आने लगेगी।

इन तरीकों से आप टैनिंग वाले हाथों को साफ कर सकती हैं। इससे आपके हाथ साफ-सुथरे लगेंगे और हाथों पर कालापन भी नहीं नजर आएगा। इस तरह से टैनिंग रिमूव कर सकते हैं। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि स्किन पर किस चीज को लगाना चाहिए।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी रॉयल्स

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स टीम मंगलवार को यहां होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखने उतरेगी। रायल्स ने अब तक इस सत्र में 6 मैच जीते हैं और उसके 12 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं दूसरी और सुपरजायंट्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसके ऊपर कोई दबाव नहीं है और वह इस मैच में निडर होकर खेलते हुए रॉयल्स का खेल बिगाड़ने का प्रयास करेगी। उसके चार मैचों में केवल 8 अंक हैं और वह अंतिम स्थान पर है। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स टीम पिछले मैच की गलतियों को इस मैच में नहीं दौहराना चाहेगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम की फील्डिंग बेहद खराब रही थी ओर उसने कई कैच छोड़े थे। इसी कारण उसे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सुपरजायंटस ने अपने पिछले तीन मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) तक को हराया है। ऐसे में इस मैच में रॉयल्स को सतर्क रहना है।

वहीं अगर आंकड़ों की बात करें तो दोनो के बीच अब तक 7 मैच हुए हैं। जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 5 जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं। ऐसे में मुकाबला तकरीबन बराबरी का रहा है। जयपुर के मैदान में बल्लेबाजों को सहायता मिलती है ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। अब तक यहां हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन बनाये हैं। राजस्थान की बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल के अलावा वैभव सूर्यवंशी पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जोफ्रा आर्चर, रवींद्र जड़ेजा संभालेंगे। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स की बल्लेबाज मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर अधारित रहेगी। गेंदबाजी



की जिम्मेदारी प्रिंस यादव, के अलवा मोहम्मदश शमी के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। इस मैच में रॉयल्स पर जीत के लिए दबाव रहेगा जिसका लाभ भी सुपरजायंट्स उठाना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, यशराज पुंजा

इम्पैक्ट प्लेयर- शुभम दुबे

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, एडेन मार्कराम, मुकुल चौधरी, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- जोश इंगलिस

द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि साल 2003 एकदिवसीय विश्वकप से पहले राहुल द्रविड़ को टीम में रखने पर सवाल उठने लगे थे पर उस समय उन्होंने चयनकर्ताओं के खिलाफ जाकर उन्हें टीम में बनाये रखा था। इसके लिए उन्हें टीम का ढ़ांच तक बदलना पड़ा था। इसी के तहत ही द्रविड़ को विकेटकीपर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी। गांगुली के अनुसार, 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से 2003 विश्व कप से पहले द्रविड़ की एकदिवसीय टीम में जगह को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। चयनकर्ता और विशेषज्ञ उनके स्ट्राइक रेट से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि द्रविड की जगह किसी और खिलाड़ी को मौका दिया जाना चाहिए पर मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, क्योंकि अगर मैंने उन्हें छोड़ दिया होता, तो उनका करियर समाप्त हो सकता था।

इस हालात में गांगुली ने एक साहसिक फैसला लेकर न केवल द्रविड़ का करियर बचाया बल्कि भारतीय टीम को एक नई दिशा भी दी। उस समय टीम को एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज की सख्त जरूरत थी जो मध्य क्रम में बल्लेबाजी कर सके। गांगुली ने इस समस्या को समझाते हुए कहा कि द्रविड़ को विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी। तब के समय में श्रीलंका के पास कुमार संगकारा, दक्षिण अफ्रीका के पास मार्क बाउचर और ऑस्ट्रेलिया के पास एडम गिलक्रिस्ट जैसे बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, जबकि भारत की बल्लेबाजी छठे नंबर पर समाप्त हो जाती थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, गांगुली ने द्रविड़ को मध्य क्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी। यह फैसला भारतीय क्रिकेट के लिए सफल रहा। इस कदम से न केवल टीम को मजबूती मिली और बल्लेबाजी का क्रम निचले पायदान तक बढ़ गया, जिससे सातवें नंबर पर मोहम्मद कैफ जैसे बल्लेबाज को मौका देना संभव हो सका। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय भारतीय टीम में ऑलराउंडरों की भी कमी थी। उन्होंने कहा, हमारे पास उस तरह का ऑलराउंडर नहीं था। इसलिए वीरेन्द्र सहवाग से लेकर सचिन तेंदुकर और युवराज सिंह के अलावा मैंने भी गेंदबाजी की। यह दर्शाता है कि उस दौर में टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए कितने प्रकार के प्रयासों की जरुरत थी। द्रविड़ ने कई सालों तक इस दोहरी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अपनी शानदार बल्लेबाजी और भरोसेमंद विकेटकीपिंग से टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया।

वरुण को चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी कराना केकेआर को पड़ सकता है भारी



-बीसीसीआई लेगा एक्शन

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने के बाद भी उनसे 4 ओवर फिंकवाये। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) केकेआर पर कार्रवाई कर सकता है। केकेआर पर आरोप है कि उसने स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पैर में हेयरलाइन फ्रैक्चर होने के बावजूद उस मैच में उतारा। बीसीसीआई इसे गंभीरता से ले रहा है। इसका कारण है कि वरुण भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं। वह बीसीसीआई की सेन्ट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के अहम खिलाड़ी हैं। आईपीएल में चोट के बावजूद उनके इस्तेमाल से उनकी फिटनेस का संकट गहरा सकता है जिससे इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी उपलब्धता साफ तौर पर प्रभावित होगी।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'मुझे पता है कि केकेआर के फीजियो टीम इंडिया के फीजियो के संपर्क में हैं। एक पिछले मैच में केकेआर की तरफ से बीसीसीआई को बताया गया था कि बाउंड्री पर फील्डिंग करते वक्त वरुण के बाएं पैर में चोट लगी है। समझा जा रहा कि उन्हें हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम इस मामले में दखल दे सकती है।

सूर्यकुमार को लेकर फैसला करेगा बीसीसीसीआई, गंभीर की सलाह रहेगी अहम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है जिससे उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गया है। ऐसे में अनुमान है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही उनके मामले में कोई फैसला ले सकता है। हाल ही में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीता था पर माना जा रहा है कि बोर्ड अब भविष्य को देखते हुए नये कप्तान पर विचार कर सकता है। ऐसे में बोर्ड की बैठक में चयन समिति और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया सूर्यकुमार के भविष्य पर अनौपचारिक रुप से बात कर सकते हैं। इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह काफी अहम मानी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर की सलाह से ही तय होगा कि सूर्यकुमार को कप्तान बनाये रखा जाये



या किसी और को अवसर दिया जाये।

यदि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाया जाता है, तो एक बल्लेबाज के तौर पर भी उनकी राष्ट्रीय टीम में जगह खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में एक विकल्प यह भी सुझाया जा रहा है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तान के तौर पर ही अवसर दिया जाये। इन सीरीज में उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन के आधार पर ही उनके भविष्य पर कोई अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सूर्यकुमार के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। पिछले साल उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये। इस दौरान वह पूरे साल एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। साल 2026 में उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब जीता पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2026 में भी वह रन नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने अब तक 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाए हैं, औसत 44 और स्ट्राइक रेट 161.33 रहा है।

उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड हालांकि प्रभावशाली है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें से 40 में जीत हासिल की है, जबकि 8 में हार का सामना करना पड़ा और 2 मैच टाई रहे है।

लखनऊ के खिलाफ मैच से पहले पंजाब किंग्स को बड़ी राहत, अर्शदीप सिंह पूरी तरह फिट हुए

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स ने सोमवार को अपने मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फिटनेस को लेकर एक मजबूत स्पष्टीकरण जारी किया। टीम ने जोर देकर कहा कि यह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज पूरी तरह से फिट है और IPL 2026 के एक अहम दौर से पहले टीम के साथ जोरदार ट्रेनिंग कर रहा है। हाल की उन रिपोर्टों के विपरीत जिनमें अर्शदीप की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई गई थी, फ्रेंचाइजी ने पुष्टि की कि अर्शदीप (जो इस सीजन में 13 मैचों में 14 विकेट लेकर टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं) उनकी योजनाओं का एक अहम हिस्सा बने हुए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को अपने बयान में कहा, 'रिपोर्ट्स के उलट हम यह कन्फर्म करना चाहेंगे कि हमारे लीडिंग फास्ट बॉलर और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी अर्शदीप सिंह पूरी तरह से फिट हैं और टीम के साथ एक्टिवली ट्रेनिंग कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट उनकी प्रोग्रेस से पूरी तरह खुश है और जैसे ही हम टूर्नामेंट के एक अहम मुकाबले की ओर बढ़ रहे हैं, वह खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नेट्स में उनकी एनर्जी, रिदम और कमिटमेंट बहुत ही उत्साहजनक रही है और हमें पूरा भरोसा है कि वह आगे भी पंजाब किंग्स के लिए एक अहम भूमिका निभाते रहेंगे।' लगातार दो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जीत के साथ कामयाबी की ऊंचाइयों को छूने के ठीक दो महीने बाद अर्शदीप अपने बेस्ट फॉर्म में नहीं रहे हैं और उनका असामान्य रूप से महंगा साबित होना PBKS के फॉर्म में अचानक आई गिरावट की एक वजह रहा है। इसने उस मोमेंटम को खत्म कर दिया है जो उन्होंने टूर्नामेंट के बीच में बनाया था। PBKS की बात करें तो पिछले तीन हफ्तों में उनका कैंपेन तेजी से नीचे गिरा है और धर्मशाला में डिफेंडिंग चैंपियंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 23 रन की हार के साथ उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को एक और झटका लगा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ एक मैच बाकी होने के साथ वह ज़्यादा-ज्यादा से ज्यादा 15 पॉइंट्स के साथ अपना अभियान खत्म कर सकती है। लेकिन दस टीमों वाले इस टूर्नामेंट के आखिरी चार स्टेज में पहुंचने के लिए वे अभी भी दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर हैं।

जडेजा की अनुपस्थिति को लेकर कोच और कप्तान के बचानों से संशय गहराया

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को यहां हुए मुकाबले में जस्थान रॉयल्स के प्रमुख ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा उपलब्ध नहीं थे। जिसको लेकर कोच और कप्तान के अलग-अलग बयान आये हैं जिससे लगता है कि रॉयल्स में सब कुछ ठीक नहीं है। टॉस के समय राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे रियान पराग ने रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी के पीछे वर्कलोड मैनेजमेंट को वजह बताया था। पराग ने कहा, जडेजा अपने वर्कलोड मैनेजमेंट और उस सब की वजह से इस मैच का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। जडेजा की जगह इस मैच में रवि सिंह को आईपीएल डेब्यू करने का मौका मिला, जिससे यह लगा कि टीम एक स्थापित खिलाड़ी को आराम देकर युवा प्रतिभा को आज़मा रही है। हालांकि, मैच में हार के बाद बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जडेजा के बाहर होने का कारण घुटने में थोड़ी तकलीफ बताया।



उन्होंने कहा, उसके घुटने में बस थोड़ी सी तकलीफ थी। वे बस उसे मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें लगा कि अगर हम उसे एक और गेम ब्रेक दें, तो यह उसके लिए अच्छा होगा। इसी वजह से उसे आज आराम दिया गया। कप्तान और कोच के इन विरोधाभासी बयानों से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि जडेजा की गैरमौजूदगी का असली कारण क्या था वर्कलोड मैनेजमेंट या चोट।

वैभव को टी20 टीम में शामिल करें : रवि शास्त्री



मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने कहा है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। ऐसे में उसे भारतीय टी20 टीम में जगह दी जानी चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार दूसरे साल वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाई हुई है। ऐसे में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें शीघ्र ही टीम में जगह दी जानी चाहिये। साथ ही सुझाव दिया कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए भी वैभव को शामिल करना सबसे अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, उन्हें टी20 में मौका देना सही होगा क्योंकि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को जल्दी टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो यह प्रारुप सबसे उपयुक्त है। शास्त्री ने वैभव की प्रतिभा को सराहते हुए कहा, वह किसी भी लिहाज से कम नहीं है। यह खिलाड़ी इस समय दुनिया की कई टीमों में खेल सकता है। जब आप उसकी युवा ऊर्जा देखते हैं, तो वह उसके चेहरे पर साफ नजर आती है। 15 साल के इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने पिछले कुछ महीनों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इसी साल की शुरुआत में, उन्होंने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से भी उनका आतिशी बल्लेबाजी जारी रही। इस सत्र में वैभव ने केवल 11 पारियों में 236.56 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से कुल 440 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बनाया गया उनका 36 गेंदों में तेज शतक रहा। इस सत्र में उन्होंने सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाकर भी अपने को साबित किया है। शास्त्री ने कहा कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव को शामिल किया जाना चाहिये। उन्होंने कम उम्र के सवाल को खारिज करते हुए कहा कि हमें केवल उसका खेल देखन चाहिये। उन्होंने कहा, तो मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से दावेदार है। और जब आयरलैंड जैसे दौरे हो रहे हैं, तो मैं उसे तुरंत खेलते देखना चाहूंगा।

चहल से रिश्ता दोस्ती से बढ़कर कुछ और नहीं : आरजे महवश

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से रिश्ते की अटकलों पर आरजे महवश ने विराम लगा दिया है। इससे पहले कहा जा रहा था कि वह चहल के साथ रिलेशनशिप में हैं। गौरतलब हैं कि चहल के उनकी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक के बाद से ही महवश का नाम लगातार सुर्खियों में बना हुआ था। दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दोनों का साथ दिखना हो या आईपीएल मैचों में महवश का चहल को स्टैंड्स से चीयर करना, सोशल मीडिया पर हमेशा इस बात पर बहस छिड़ी रहती थी कि उनका रिश्ता दोस्ती से बढ़कर है या नहीं। हाल ही में दोनों के एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो करने की खबर ने इस चर्चा को और भी हवा दे दी थी। अब, आरजे महवश ने इन सभी अटकलों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूरी स्थिति स्पष्ट की है।

महवश ने बताया, लोग छोटी-छोटी चीजों को बहुत बड़ी बना देते हैं। जब आप उस स्थिति

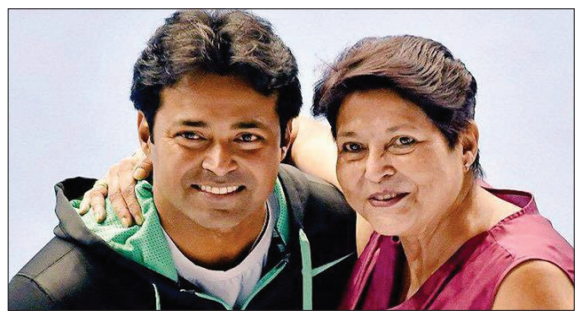


से गुजरते हैं, तो वह उतनी बड़ी बात होती नहीं है। हम दोनों के बीच कुछ नहीं हुआ है यार। दो दोस्तों के बीच बस एक बहस हुई, एक-दूसरे को फॉलो-अनफॉलो किया और बात वहीं खत्म हो गई। उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि जिन दोस्तों के साथ आपने सबसे बुरे जोक्स पर भी हंसा हो या सबसे गंदी बातों पर चर्चा की हो, उनके लिए दिल में कोई मतभेद नहीं रखना चाहिए।

चहल के प्रति अपनी भावनाओं को लेकर महवश ने साफ किया कि वह हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आप किसी से नफरत तब रख सकते हैं जब वो इंसान अस्पताल में हो और आप उससे मुंह फेर पाएं। वरना कोई फायदा नहीं है। ज़िंदगी बहुत छोटी है। लोग जैसे हैं उन्हें वैसे स्वीकार करें और ज़िंदगी में आगे बढ़ें। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी बहसबाजी एक आम दोस्तों की लड़ाई का नतीजा थी और इसमें कोई बड़ी बात नहीं थी।

जब उनसे सीधा पूछा गया कि क्या उनका रिश्ता कभी दोस्ती से ज्यादा था, तो आरजे महवश ने इसे पूरी तरह से नकार दिया। उन्होंने कहा, नहीं। मैं दोस्ती बहुत अच्छे से निभाती हूं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात का खुलासा किया कि उस समय युजवेंद्र चहल को एक दोस्त की बहुत जरूरत थी। महवश ने बताया कि चहल ने अपने एक पॉडकास्ट में सुसाइडल थॉट्स के बारे में बात की थी, और उस कठिन समय में वे सभी दोस्त मिलकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनका आईपीएल का वह सीजन अच्छे से निकल जाए।

लिएंडर पेस की मां ओलंपियन जेनिफर पेस का निधन, कैंसर से थीं पीड़ित

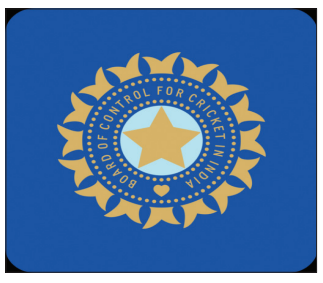


नई दिल्ली। भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम की पूर्व कप्तान और ओलंपियन जेनिफर पेस का रविवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। जेनिफर 72 वर्ष की थीं और वह भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस की मां थीं। परिवार के एक सूत्र ने बताया, 'वह कैंसर से गंभीर रूप से पीड़ित थीं और उन्होंने रविवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज कोलकाता के सेंट थॉमस चर्च में हुआ।' उनका जन्म का नाम जेनिफर डटन था और वह प्रसिद्ध बंगाली कवि और नाटककार माइकल मधुसूदन दत्त की वंशज थीं। उन्होंने वर्ष 1972 के म्यूनिख ओलंपिक 1972 में भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया और बाद में टीम की कप्तान भी बनीं। भारतीय महिला बास्केटबॉल में उन्हें प्रमुख हस्तियों में गिना जाता है। जेनिफर पेस एक प्रतिष्ठित खेल परिवार से जुड़ी थीं। उनके पति डॉ. वेसे पेस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे, जिसने 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल किया था। उनका निधन अगस्त 2025 में हुआ था। उनके बेटे लिएंडर पेस ने भारतीय टेनिस को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। लिएंडर ने अपने करियर में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब भी अपने नाम किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय टीम आज घोषित करेगा बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के साथ ही एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित करेगा। भारतीय टीम अफगानिस्तान से ये मुकाबले जून में खेलेगी। एकमात्र टेस्ट के बाद 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कुछ युवाओं को अवसर मिल सकता है।

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवओं को भ अवसर मिल सकता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से उपकप्तानी छीनी जा सकती है। उनकी जगह पर यशस्वी



जायसवाल को उपकप्तानी सौंपी जा सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। उनकी जगह पर आकिब नबी डार को अवसर मिल सकता है। संभावित टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, साई सुदर्शन, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और आकिब नबी डार।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम की करें तो 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देकर युवा प्रिंस यादव को अवसर मिल सकता है। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में प्रिंस का प्रदर्शन अच्छा रहा है। यशस्वी जायसवाल की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ऋषभ को शायद ही जगह मिले। उनकी जगह ईशान विकेटकीपर के साथ ही आक्रामक बल्लेबाज की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और प्रिंस यादव।

CSK vs SRH एक वर्चुअल नॉकआउट मैच हो सकता है : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच गया है, जहां बाकी बचे तीन प्लेऑफ स्पॉट तय होने हैं। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले मुकाबले को एक 'वर्चुअल नॉकआउट मैच' बताया है। उनका मानना है कि यह मैच प्लेऑफ में जगह बनाने के लिहाज से बहुत अहम साबित हो सकता है।

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉप-4 में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में अगर SRH सोमवार को चिदंबरम स्टेडियम में होने वाला मैच जीत जाती है तो प्लेऑफ में उसकी जगह भी पक्की हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो गुजरात टाइटंस की जगह भी प्लेऑफ में पक्की हो जाएगी और फिर सिर्फ एक ही स्पॉट खाली बचेगा।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'यह CSK का इस सीजन का आखिरी घरेलू मैच है। पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह मैच दोनों ही टीमों के लिए, खासकर घरेलू टीम के लिए जीतना बेहद जरूरी है। उन्हें खिलाड़ियों की चोटों से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद अंशुल कंबोज, उर्विल पटेल और दोनों स्पिनरों जैसे खिलाड़ियों ने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। अगर उन्हें SRH के बड़े-बड़े हिटर्स को रोकना है, तो इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन एक बार फिर अहम साबित होगा।'

उन्होंने कहा, 'SRH अपनी पिछली हार से जरूर निराश होगी। लेकिन, उनके पास अभी भी 18 पॉइंट्स तक पहुंचने का मौका है, इसलिए वे आखिरी मैच तक इंतजार नहीं करना चाहेंगे। मेरी राय में यह मैच दोनों ही टीमों के लिए एक वर्चुअल नॉकआउट मैच जैसा हो सकता है। जो भी टीम यह मैच जीतेगी, वह प्लेऑफ में जगह बनाने के और भी करीब पहुंच जाएगी। इस मैच में बहुत कुछ दांव पर लगा है और चेपॉक स्टेडियम में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिलेगा, इसलिए क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह एक शानदार मुकाबला होने वाला है।'



ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

लंदन । इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, जिसे मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है। इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डॉलर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है। बेकहम एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं। उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है। स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वहीं पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। एक्लेस्टोन परिवार की संपत्ति खेल प्रबंधन और व्यवसाय से जुड़ी है, जबकि बेकहम ने पहले खिलाड़ी और उसके बाद कारोबारी के तौर पर काम किया है। वहीं बेकहम के अलावा उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैक्लरॉय भी 325 मिलियन पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। लगातार दो मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने के बाद हासिल हुई सफलता और वैश्विक ब्रांड अपील से उनकी आय बढ़ी है। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ भी सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं।



मैंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था

शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म में वेदांग रैना के साथ नजर आने वाली हैं और फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप्स काफी पसंद थीं, लेकिन उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने 11वीं में साइंस स्ट्रीम ली थी क्योंकि उनका सपना सिविल इंजीनियर बनने का था। उनके पिता बिल्डर हैं और मां इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट, इसलिए उन्हें लगा कि वही रास्ता उनके लिए सही रहेगा। शरवरी ने कहा, 'मैंने कभी अपने पैरेंट्स को एक्टिंग के लिए मनाने की कोशिश नहीं की, क्योंकि वो हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। कॉलेज के दौरान मैंने एक टैलेंट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और उसे जीतने के बाद मुझे ऑडिशन मिलने शुरू हो गए।'

हालांकि शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट की तरह लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने एक्टिंग के लिए उनका जुनून महसूस कर लिया था। शरवरी ने बताया, 'एक दिन मेरे पैरेंट्स ने मुझसे पूछा कि क्या तुम एक्ट्रेस बनना चाहती हो? उस पल सबकुछ बदल गया। मैंने कभी खुद से भी यह बात खुलकर नहीं कही थी, लेकिन जब उन्होंने पहली बार इसे जोर से कहा, तब मुझे हिम्मत मिली। मैं हर रात यह सपना देखती थी, लेकिन खुद से भी स्वीकार नहीं कर पाती थी।' शरवरी ने कहा कि उस सवाल के जवाब में उन्होंने सिर्फ 'हां' कहा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।



करुप्पु के लिए तृषा और सूर्या ने कितनी फीस चार्ज की

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित फिल्म 'करुप्पु' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जानिए कि 'करुप्पु' के लिए तृषा कृष्णन, सूर्या और बाकी पांच अभिनेताओं ने कितनी फीस ली है।

तृषा कृष्णन

'थग लाइफ' में आखिरी बार नजर आईं तृषा कृष्णन की फिल्म 'करुप्पु' रिलीज हो गई है। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा फिल्म में तृषा एक वकील की भूमिका में हैं। सूर्या के साथ मुख्य भूमिका निभा रहीं तृषा ने इस फिल्म में अपने रोल के लिए 5 करोड़ रुपये फीस ली है।

सूर्या

फिल्म में सूर्या डबल रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में सबसे ज्यादा फीस फिल्म के मुख्य अभिनाता सूर्या ने ली है। इस एक्शन फिल्म में सूर्या- सरवनन और करप्पुस्वामी की भूमिका निभाते नजर आए। सूर्या ने इस फिल्म के लिए 45 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस ली है।

आरजे बालाजी

आरजे बालाजी ने न सिर्फ 'करुप्पु' का निर्देशन किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है। बालाजी अपनी इस फिल्म में एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे,



जिसका नाम बेबी कन्नन है। उन्होंने इसके लिए 4 करोड़ रुपये फीस ली है।

योगी बाबू

ज्यादातर साउथ फिल्मों में अपनी दमदार कॉमेडी से सभी को हंसाने वाले योगी बाबू फिल्म 'करुप्पु' में सहायक कलाकार की भूमिका में से एक हैं। 'करुप्पु' के लिए योगी बाबू ने 2 करोड़ रुपये फीस ली है।

बाकी कलाकारों की फीस

'करुप्पु' के लिए नट्टी सुब्रमण्यम, इंद्रन्स और स्वासिका जैसे शानदार कलाकारों ने भी अपनी भूमिकाओं के लिए लाखों-करोड़ों की फीस ली है। मोहनलाल की फिल्म 'पैट्रियट' में आखिरी बार नजर आए इंद्रन्स की अगली फिल्म 'करुप्पु' के लिए 80 लाख रुपये लिए हैं। स्वसिका ने 'थम्मुडु' और 'रेट्रो' जैसी कई फिल्में की हैं। 'करुप्पु' में, अभिनेत्री की सहायक भूमिका है, जिसके लिए उन्होंने 40 लाख रुपये चार्ज किए हैं।



मेरे कई रोल स्टारकिड्स को मिल गए

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अभी सिर्फ फिल्म का एक गाना सामने आया है, जिसे पसंद किया जा रहा है। इस बीच कृति ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की।

इस दौरान कृति ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर और संघर्षों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लंबे समय तक सिर्फ निराशा हाथ लगी और मनचाहे किरदार नहीं मिले। लेकिन बाद में 'मिमी' ने उनके लिए सबकुछ बदल दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ भूमिकाएं ऐसी थीं जिनके मैं बहुत करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंततः वे स्टार किड्स को मिल गईं, जो मेरे बस में नहीं था। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो आपको बहुत अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। यह चलता रहा, इस दौरान मैंने जोखिम उठाए और अधिक सोच-समझकर फैसले लिए। मैंने हर मौके को अपनी मेहनत से कमाया है। मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला। एक दौर ऐसा भी था जब कुछ भी काम नहीं कर रहा था और सब कुछ उलझन भरा लग रहा था। हालांकि, मैं उस दौर के लिए आभारी हूं, क्योंकि इसने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि मैं क्या नहीं करना चाहती। असफलताएं आपको सफलता से कहीं अधिक सिखाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति अब 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रेखा की बायोपिक करना चाहती हैं कृति

बातचीत में जब कृति सेनन से पूछा गया कि वह किसकी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहेंगी, तो कृति के मन में सिर्फ एक ही नाम था- रेखा। रेखा के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीया है। इसलिए मुझे वह बेस्ट लगती हैं। मुझे पता है कि मैं उनके जैसी बिल्कुल नहीं दिखती, लेकिन मैं उनसे प्यार करती हूं। उनका दिल, उनका साहस, उनका व्यक्तित्व। वह मिलनसार, बुद्धिमान हैं।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर कुल प्रीत सिंह का बयान

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने आईएएनएस संग बातचीत में अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। आईएएनएस से बात करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए।'' रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।'' रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।''



इंटरनेट वाला ओरी और असली, जिंदगी वाला ओरी अलग नहीं है



इंटरनेट सेंसेशन, बॉलीवुड पार्टियों के परमानेंट गेस्ट और सोशल मीडिया के सबसे रहस्यमयी चेहरों में शामिल ओरी अब 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगे। लेकिन शो से पहले उन्होंने बातचीत में साफ कह दिया कि लोग उन्हें जितना पार्टी बॉय समझते हैं, वे उससे कहीं ज्यादा हैं।

ओरी का कहना है कि लोग अक्सर सोचते हैं कि सोशल मीडिया वाला ओरी सिर्फ कैमरों के लिए बनाया गया एक कैरेक्टर है। लेकिन उनके मुताबिक ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक ही ओरी है। लोग सोचते हैं कि इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं नकली रूप बनाकर नहीं जीता। लेकिन हां, यह पहली बार है जब मैं इतने लंबे फॉर्मेट में लोगों के सामने रहूंगा। इसलिए सच कहूं तो मैं खुद भी उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि दबाव, डर और मुश्किल हालात में मेरा कौन सा रूप बाहर आता है। शायद लोग पहली बार मुझे ग्लैमर और फिल्टर्स के बिना देखेंगे'।

उम्मीद है कि रोहित को भी मेरी वाइब पसंद आए

अपने कॉन्फिडेंस को लेकर ओरी बिल्कुल भी पीछे नहीं हटे। उनका कहना है कि उनके बारे में हर चीज अपने आप में एंटरटेनमेंट है। 'मुझे सच में लगता है कि मेरे बारे में हर चीज एंटरटेनिंग है। चाहे मेरी एनर्जी हो, मेरी पर्सनैलिटी हो, मेरा बोलने का तरीका हो या मेरे रिएक्शंस... लोग मुझे नजरअंदाज नहीं कर सकते। शायद यही वजह है कि बिना कुछ समझाए भी लोग लगातार मेरे बारे में बात करते रहते हैं। बस उम्मीद है कि रोहित शेट्टी को भी मेरी वाइब पसंद आए।'

लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता

जब ओरी से पूछा गया कि वह इस शो के जरिए लोगों की कौन सी राय बदलना चाहते हैं। तो उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैं कमजोर हूं। सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं ग्लैमरस लाइफ जीता हूं, पार्टियों में दिखता हूं, लक्जरी पसंद करता हूं..., लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता। लेकिन ताकत सिर्फ मसल्स या गुस्से में नहीं होती। कभी-कभी सबसे मजबूत लोग वही होते हैं जो दबाव में भी खुद को खोते नहीं हैं। और शायद खतरों के खिलाड़ी में लोग पहली बार वो देखेंगे।'

मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं... खिलाड़ी भी हूं

शो साइन करने की वजह बताते हुए ओरी ने कहा कि वह सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने नहीं आए हैं। 'मैंने खतरों के खिलाड़ी सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने के लिए साइन नहीं किया। मैंने यह शो इसलिए किया क्योंकि मैं दुनिया को दिखाना चाहता हूं कि मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं। मैं खिलाड़ी भी हूं।'

लोगों ने मुझे इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया

अपनी वायरल इमेज को लेकर ओरी ने बेहद विवादित बयान दिया। उनका कहना है कि लोगों ने उनके बारे में जो धारणा बना ली है। वह उनकी खुद की बनाई हुई नहीं है। 'लोगों ने मेरी यह इमेज बनाई है। लोगों ने मुझे मिस्ट्री बॉय बना दिया, सेलिब्रिटी बेस्ट फ्रेंड बना दिया, इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया। लेकिन मैंने कभी खुद को उस तरह पेश नहीं किया। मजेदार बात यह है कि लोग पहले आपको एक कैरेक्टर बनाते हैं...फिर उसी कैरेक्टर को जज भी करने लगते हैं। अगर ऑडियंस अब मेरा कोई दूसरा साइड देखेंगे, तो मुझे उससे कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वह इमेज उनकी बनाई हुई थी, मेरी नहीं।'

मुझे रेप्टाइल्स से नहीं... हारने से डर लगता है

आखिर में जब ओरी से पूछा गया कि उन्हें सबसे ज्यादा डर किस चीज से लगता है, तो उनका जवाब बेहद सीधा था। 'मुझे रेप्टाइल्स से डर नहीं लगता। मुझे खतरनाक स्टंट्स से डर नहीं लगता। लेकिन हां... मुझे हारना पसंद नहीं है, क्योंकि एक बार अगर लोगों को लगने लगे कि आप हार गए हो, तो वो आपको गंभीरता से लेना बंद कर देते हैं। और मैं कभी वो इंसान नहीं बनना चाहता।'



महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संक्षिप्त समाचार

आव्रजन के खिलाफ लंदन की सड़कों पर उतरे 80 हजार लोग

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को दो अलग-अलग बड़ी रैलियां हुईं। एक रैली आव्रजन के खिलाफ थी, जबकि दूसरी रैली फलस्तीन के समर्थन में हुई। पुलिस का अनुमान है कि इन रैलियों में 80 हजार से ज्यादा लोग शामिल थे। पुलिस ने राजधानी के बाहर से बुलाए गए अतिरिक्त बलों सहित 4,000 अधिकारियों को तैनात किया। पुलिस ने रैलियों में 80 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूनाइट द किंगडम मार्च के आयोजकों पर स्पष्ट रूप से नफरत और विभाजन फैलाने का आरोप लगाया। यह मार्च इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता स्टीफन यैक्सली-लेनन, जिन्हें टॉमी रॉबिन्सन के नाम से जाना जाता है द्वारा आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालयों में छात्र संघों पर प्रतिबंध के खिलाफ राजधानी में व्यापक प्रदर्शन

काठमांडो, एजेंसी। विश्वविद्यालयों में छात्र संघ पर प्रतिबंध के खिलाफ बड़ी संख्या में छात्रों ने नेपाल की राजधानी काठमांडो में प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में 100 सूत्री कार्य योजना की घोषणा की है, जिसके तहत विश्वविद्यालयों में छात्र संघों के कामकाज पर रोक लगा दी गई है। सरकार का कहना है कि शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक दलों के औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने छात्र संघों पर प्रतिबंध का विरोध करें जैसे नारे लगाते हुए सरकार के इस कदम की आलोचना की। नेपाली छात्रों के 62वें छात्र दिवस के अवसर पर आयोजित यह प्रदर्शन त्रिचंद्र कैंपस से शुरू होकर काठमांडो के आरआर कैंपस में समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय की स्वायत्तता की रक्षा, छात्रों के अधिकारों की गारंटी और संगठन बनाने की स्वतंत्रता के संरक्षण की मांग करते हुए नारे भी लगाए। नेपाल छात्र संघ, अखिल नेपाल स्वतंत्र छात्र संघ और अन्य समूहों ने इसमें हिस्सा लिया।

रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की हिरासत में मौत

हेग , एजेंसी। रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की 91 साल की आयु में मौत हो गई। काबुगा की मृत्यु नीदरलैंड के हेग में अस्पताल में हिरासत के दौरान हुई। संयुक्त राष्ट्र की एक अदालत ने शनिवार को बताया कि 91 वर्षीय काबुगा पर 1994 के नरसंहार में तुत्सी अल्पसंख्यक के सामूहिक नरसंहार को बढ़ावा देने और आर्थिक मदद मुहैया कराने का आरोप था। एक अनुमान के मुताबिक इस नरसंहार में आठ लाख लोग मारे गए थे। काबुगा पर मुकदमा 2022 में शुरू हुआ था। 2023 में, न्यायाधीशों ने उसे डिमेंशिया के कारण मुकदमा चलाने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। दोषी पाए जाने पर काबुगा को आजीवन कारावास की सजा हो सकती थी। कोर्ट ने अस्पताल में हुई मौत के बाद परिस्थितियों की जांच का आदेश दिया है।

इतालवी शहर में चालक ने पैदल यात्रियों को रौंदा, आठ घायल, चार गंभीर

मोडेना , एजेंसी। उत्तरी इतालवी शहर मोडेना में शनिवार को एक चालक ने पैदल यात्रियों को रौंद दिया। इस घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में कोई मौत नहीं हुई। महापौर मास्सिमो मेज़ेटी के अनुसार, एक महिला दुकान की खिड़की से दब गई, जिसके दोनों पैर काटने पड़े। 31 वर्षीय चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि उसने नशे में या जानबूझकर यह कृत्य किया। चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन नागरिकों और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसके पास चाकू था, पर उसने किसी को नहीं मारा। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घटना को 'बेहद गंभीर' बताया।

मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब वेनेजुएला से अमेरिका निर्वासित

वेनेजुएला , एजेंसी। वेनेजुएला सरकार ने निकोलस मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब को अमेरिका निर्वासित किया है, जहां उसे न्यायिक कार्रवाई का सामना करना होगा। यह कैदी अदला-बदली में राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा माफी दिए जाने के तीन साल बाद हुआ। सरकार ने निर्वासन का स्थान नहीं बताया, पर यह अमेरिकी आपराधिक जांचों पर आधारित है। एसोसिएटेड प्रेस ने फरवरी में बताया कि अभियोजक साब की भूमिका की जांच कर रहे हैं। यह जांच वेनेजुएला के खाद्य आयात ठेकों से जुड़ी रिश्वतखोरी की साजिश से संबंधित है। साब ने सरकारी ठेकों से संपत्ति अर्जित की थी, जिसे अमेरिकी अधिकारी मादुरो का 'बैग मैन' बताते थे। नए वेनेजुएला नेतृत्व के सत्ता में आने के बाद साब का प्रभाव कम हो गया। उससे अपने पूर्व संरक्षक के खिलाफ गवाही देने के लिए कहा जा सकता है।

बालेंद्र सरकार को सुप्रीम झटका, भारतीय उत्पादों पर नहीं लगेगा सीमा शुल्क

काठमांडु, एजेंसी। झनेपाल में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की नव निर्वाचित सरकार को देश के सर्वोच्च न्यायालय से एक बहुत बड़ा और करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत से नेपाल में लाए जाने वाले आम इस्तेमाल के भारतीय उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने के सरकार के एक विवादास्पद फैसले पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है। अदालत के इस अहम आदेश के बाद अब सीमा पार से 100 नेपाली रुपये से अधिक का सामान लाने पर आम जनता को सीमा शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

दरअसल, हाल ही में नेपाल के वित्त मंत्रालय ने एक नया नियम लागू किया था। इस नियम के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया था कि भारत से अगर कोई 100 नेपाली रुपये से ज्यादा का सामान लाता है, तो उसे सीमा शुल्क यानी टैक्स चुकाना ही होगा। जनता इस फैसले से बहुत परेशान थी और इसकी कड़ी आलोचना हो रही थी। अब नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अंतरिम आदेश जारी करके सरकार के इस कठोर फैसले को लागू करने से रोक दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा है : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और जस्टिस टेक प्रसाद दुंगाना की पीठ ने इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई की। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और अन्य सभी संबंधित अधिकारियों को



स्पष्ट निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस मामले में अदालत का कोई अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक इस विवादित सीमा शुल्क प्रावधान को बिल्कुल भी लागू न किया जाए।

अदालत में यह मामला किसने और क्यों उठाया : सरकार के इस फैसले के खिलाफ कुछ जागरूक वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता अमितेश पंडित, आकाश महतो, सुयोगी सिंह और प्रशांत बिक्रम शाह ने वित्त मंत्रालय के इस फैसले को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। इन याचिकाकर्ताओं ने अदालत में तर्क दिया कि 100 नेपाली रुपये से ज्यादा के सामान पर टैक्स लगाने की नीति नेपाल के सीमा शुल्क अधिनियम-2081 के सख्त खिलाफ है। वकीलों ने बताया कि यह फैसला अधिनियम में दी गई छूट के प्रावधानों का सीधा-सीधा उल्लंघन करता है।

तराई-मधेस क्षेत्र में लोगों का गुस्सा क्यों भड़क रहा था : इस नए नियम के लागू होने के बाद नेपाल-भारत सीमा पर तराई-मधेस क्षेत्र की चौकियों पर बहुत कड़ी जांच शुरू हो गई थी। सीमा शुल्क वसूलने के इस अनिवार्य नियम के कारण सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आम लोगों की सघन तलाशी लेनी शुरू कर दी थी। पहले आम नागरिकों को छोटी-मोटी रोजमर्रा की खरीदारी और घरेलू सामानों पर अनौपचारिक रूप से सीमा शुल्क में छूट मिल जाती थी। लेकिन छूट खत्म होने से लोगों में भारी आक्रोश फैलने लगा था।

सरकार ने यह कदम सीमा शुल्क की चोरी को रोकने के नाम पर उठाया था। लेकिन इसके आड़ में चौकियों पर बड़े पैमाने पर आम लोगों के खिलाफ ही सख्त कार्रवाई की जाने लगी थी। इस एकतरफा और कठोर नीति ने मधेस के सीमावर्ती जिलों में रहने वाले लोगों का जीवन बहुत ही मुश्किल कर दिया था। आम आदमी छोटी-सी खरीदारी के लिए भी परेशान हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश अब तराई-मधेस और सीमावर्ती इलाकों की आम जनता के लिए एक बहुत बड़ी राहत बनकर आया है। लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। फिलहाल, अदालत के इस कड़े रुख के बाद बालेंद्र शाह सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े हैं और सीमा पर एपीएफ की अनावश्यक सख्ती पर भी लगाम लग गई है।

पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी: बांग्लादेशी अफसर अब लाहौर में प्रशिक्षण लेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भारत के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की जगह अब पाकिस्तान के लाहौर को चुना है। इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई दूरी और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच इस तरह का पहला मामला बांग्लादेश के 12 वरिष्ठ अधिकारी इन दिनों लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में चार से 21 मई तक प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच इस तरह का यह पहला व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम है। कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है बताया गया है कि प्रशिक्षण लेने वालों में एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है और इसमें बांग्लादेश सरकार की कोई आर्थिक भागीदारी नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं व कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है।

ईरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है, डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दी धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर शांति समझौता जल्द नहीं हुआ तो तेहरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है। फ्रांसीसी ब्रॉडकास्टर को दिए गए टेलीफोनिक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान को समझौते में दिलचस्पी रखनी चाहिए। उनका बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत चल रही है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने नई दिल्ली में कहा कि ट्रंप प्रशासन से संदेश आए हैं जिसमें बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई गई है, लेकिन अमेरिका पर गहरे अविश्वास की वजह से प्रक्रिया धीमी हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बावजूद ईरान ने अमेरिका पर दो बार हमला करने का आरोप लगाया है, खासकर परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी पुरानी वार्ताओं के दौरान। अराघची ने वाशिंगटन के विरोधाभासी संकेतों को बातचीत में बाधा बताया। उन्होंने चीन जैसे देशों के कूटनीतिक समर्थन का स्वागत किया और क्षेत्रीय शांति के लिए भारत की बड़ी भूमिका की मांग की। वहीं, ईरान के संसद स्पीकर और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर घालिबाफ ने कहा कि अमेरिका को ईरान के 14 सूत्री प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए, नहीं तो उसे असफलता का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ईरानी प्रस्ताव को खारिज करते हुए युद्धविराम को जीवन रक्ष' पर



बताया था। इस बीच, मध्य पूर्व में तनाव जारी है। इजरायल ने हाल ही में विस्तारित युद्धविराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। लेबनानी मीडिया के अनुसार, 50 किलोमीटर से ज्यादा दूर के दो दर्जन से अधिक गांवों पर हमले हुए। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बताया और कई गांवों के लिए निकासी चेतावनी जारी की। इन हमलों से सैकड़ों नागरिक बेघर हो गए और सिदोन व बेरूत की ओर पलायन शुरू हो गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने युद्धविराम के विस्तार का स्वागत किया और सभी पक्षों से इसे पूरी तरह मानने की अपील की। युद्धविराम 17 अप्रैल को शुरू हुआ था और शुक्रवार को 45 दिनों के लिए बढ़ाया गया, लेकिन इसका उल्लंघन बार-बार हो रहा है। लेबनान के अनुसार, युद्ध शुरू होने से अब तक 2900 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें युद्धविराम के बाद 400 से अधिक शामिल हैं। हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमले जारी रखे हैं। ईरान-अमेरिका वार्ता की सफलता न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अहम है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोलंबिया में हिंसा, पूर्व मेयर और उनके सहयोगी की गोली मारकर हत्या

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के मध्य इलाके में एक पूर्व मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। इस हमले में पूर्व मेयर रोजर्स डेविया के साथ उनके एक सहायक एडर कार्डोना की भी मौत हो गई। डेविया राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला के करीबी सहयोगी थे। एस्प्रिएला नेशनल साल्वेशन मूवमेंट पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमला कुबरल के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ। रोजर्स डेविया ने साल 2020 से 2023 के बीच इस शहर के मेयर के रूप में शासन किया था। कुबरल शहर राजधानी बोगोटा से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेटा विभाग के लोकपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की जानकारी साझा की।

यह क्षेत्र वर्तमान में तीन सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। इनमें से दो समूहों को अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी संगठन माना है। तीसरा समूह पूर्व विद्रोही संगठन 'फार्क' से अलग होकर बना एक गुट है। लोकपाल कार्यालय का कहना है कि इस तरह की हिंसा से 31 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में लोगों के राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी पर बुरा असर पड़ सकता है।

आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कम से कम छह उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दो सदस्य छोटी वामपंथी पार्टियों से हैं। चुनाव के नियमों के अनुसार, यदि किसी भी उम्मीदवार को कुल वोटों का 50 प्रतिशत हिस्सा नहीं मिलता है, तो जून में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दोबारा मतदान कराया जाएगा।

कोलंबिया के गृह मंत्री अरमांडो बेनेडेटी ने सोशल मीडिया पर कहा कि जांच अधिकारी अभी तक यह नहीं जान पाए हैं कि डेविया पर हमला क्यों किया गया। मंत्री ने यह भी बताया कि पुलिस ने हाल ही में इसी शहर में एक अन्य राष्ट्रपति उम्मीदवार पालोमा वालेंसिया के एक कर्मचारी पर होने वाले हमले को नाकाम किया था। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

एपस्टीन फाइल्स की वजह से ब्रिटेन में उथल-पुथल, जल्द इस्तीफा पदे सकते हैं पीएम कीर स्टारमर

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल की वजह से प्रधानंत्री कीर स्टारमर अपना पद छोड़ने को तैयार हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने करीबियों से कहा है कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं। डेली मेलकी रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री कीर स्टारमर अपने हिसाब से आगे का कदम उठाएंगे। उन्हें इस्तीफा कब देना है, इसका विचार भी वह खुद ही करेंगे।

क्यों खतरे में है कीर स्टारमर की सरकार : जानकारी के मुताबिक यूके की लेबर सरकार संकटों से जूझ रही है। लोगों की इस सरकार में विश्वास कम हो गया है। लेबर पार्टी के पीटर मैंडलसन का नाम एपस्टीन फाइल्स में आने केबाद लोगों ने लेबर पार्टी पर अविश्वास जताया और स्थानीय चुनावों में इसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी वजह से कीर



स्टारमर पर भी इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया है।

गुरुवार को ब्रिटेन में क्षेत्रीय चुनाव हुए। यह चुनाव 136 क्षेत्रों में आयोजित किए गए। अंतिम नतीजों के अनुसार लेबर पार्टी ने परिषद की उन 2,200 से ज़्यादा सीटों में से लगभग 1,200 सीटें गंवा दीं, जिन पर पहले उसका कब्ज़ा था। दक्षिणपंथी 'रिफॉर्म यूके ' पार्टी स्पष्ट विजेता के तौर पर उभरी और उसने लगभग 1,400 सीटें जीतीं।

बता दें कि लेबर पार्टी के ही 80 से ज्यादा सांसदों ने उनसे पद छोड़ने की अपील की है। बीते दिनों सरकार के तीन सदस्यों के इस्तीफा देने की बात भी सामने आई थी।

निगेल फराज के नेतृत्व वाली रिफॉर्म यूके को चुनावों का सबसे बड़ा विजेता माना जा रहा है। स्काई न्यूज के अनुसार, इसने अब तक 1,422 सीटें जीती हैं। लेबर पार्टी 980 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि लिबरल डेमोक्रेट्स और कंजरवेटिव पार्टी क्रमशः 834 और 754 सीटों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।प्लाइड सिमरु, जो वेल्स की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध एक मध्य-वामपंथी पार्टी है, 43 सीटों के साथ वेल्स सेनेड में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। रिफॉर्म यूके 34 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि लेबर पार्टी नौ सीटों के साथ बहुत पीछे तीसरे स्थान पर है। वेल्स में 27 साल सत्ता में रहने के बाद लेबर पार्टी ने पहले ही हार स्वीकार कर ली थी।

स्टारमर ने इस्तीफा देने से कर दिया था इनकार : वहीं स्कॉटलैंड में, स्कॉटिश नेशनल पार्टी ने सबसे अधिक 58 सीटें जीतीं लेकिन बहुमत के लिए आवश्यक 65 सीटों से पीछे रह गई। लेबर और रिफॉर्म यूके 17-17 सीटों पर बराबरी पर हैं जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की सीटें घटकर 12 रह गईं। अपनी पार्टी के लिए निराशाजनक नतीजों के बावजूद, स्टारमर ने इस्तीफा देने से मना करते हुए कहा था कि वह पीछे नहीं हटेंगे और देश को अराजकता में नहीं धकेलेंगे।

चीन की नई चाल, एशियाई समुद्र में बढ़ा रहा अपना दबदबा: बड़े बेड़ों की तैनाती

बीजिंग, एजेंसी। नई चाल के तह चीन एशिया के विवादित समुद्री इलाकों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसके लिए वह मछली पकड़ने वाली नावों, कोस्ट गार्ड जहाजों और समुद्री मिलिशिया यूनिट्स के बड़े बेड़े तैनात कर रहा है। यह एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद बिना किसी सीधी सैन्य टकराव के अपना नियंत्रण मजबूत करना है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट और ताइवान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी गई है। हाल ही में चीन की लगभग 200 मछली पकड़ने वाली नावें येलो सी में और अंदर तक चली गईं। ये नावें उन समुद्री इलाकों के और करीब पहुंच गईं, जिन पर चीन और दक्षिण कोरिया दोनों अपना दावा करते हैं। जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी Ingenispace द्वारा जुटाए गए डेटा से पता चला है कि अहम शिपिंग मार्गों और विवादित समुद्री क्षेत्रों में जहाजों की आवाजाही असामान्य रूप से बहुत ज्यादा बढ़ गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बीजिंग अपनी 'ग्रे-जोन' रणनीति के तहत अब ज्यादा से ज्यादा नागरिक मछली पकड़ने वाले बेड़ों पर निर्भर हो रहा है। ये बेड़े दोहरे इस्तेमाल वाले ऑपरेशन्स के लिए तैयार किए गए हैं। इस रणनीति का मकसद धीरे-धीरे अपना प्रभाव बढ़ाना है, लेकिन साथ ही खुले युद्ध की स्थिति से भी बचना है।

चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जेसन वांग ने कहा कि इन जहाजों की तैनाती से यह जाहिर होता है कि चीन अनियमित समुद्री ऑपरेशन्स के जरिए क्षेत्रीय समुद्री इलाकों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जहाजों की यह बढ़ती संख्या चीन की उस संभावित क्षमता को भी दर्शाती है, जिसके तहत वह तनाव बढ़ने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक शिपिंग मार्गों को बाधित कर सकता है। पूर्वी चीन सागर में भी चीन की समुद्री गतिविधियां तेज हो गई हैं। 3 अप्रैल को 600 से ज्यादा चीनी मछली पकड़ने वाली नावें लगभग 18 घंटों तक एक लंबी कतार बनाकर खड़ी देखी गईं।

कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ी : इसके साथ ही, बीजिंग ने विवादित डियाओयुताई द्वीपों के आसपास कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ा दी। साउथ चाइना सी में, चीन ने पिछले एक साल में स्कारबोरो शोल के पास अपने कोस्ट गार्ड ऑपरेशन्स को कथित तौर पर दोगुना कर दिया है और इस इलाके को 'नेशनल नेचर रिजर्व' घोषित करने के बाद ज्यादा सख्त प्रशासनिक उपाय लागू किए हैं। वियतनाम के पास पैरासेल आइलैंड्स में नई कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी देखी गई है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 'सीलाइट प्रोजेक्ट' के रिसर्चर्स ने बताया कि चीन ने पिछले साल समुद्री मिलिशिया और कोस्ट गार्ड जहाजों की सुरक्षा में 'एंटेलोप रीफ' का विस्तार करना शुरू कर दिया था। एक्सपर्ट्स ने कहा कि चीन का लंबे समय का मकसद विवादित पानी में अपने दबदबे को धीरे-धीरे सामान्य बनाना है, और साथ ही सीधे टकराव से बचना है। सीएसआईएस में जियोपॉलिटिक्स और विदेश नीति विभाग के प्रेसिडेंट विक्टर चा ने कहा कि चीन की कार्रवाइयां बहुत सोच-समझकर की गई हैं, ताकि बिना युद्ध छेड़े क्षेत्रीय नियंत्रण को मजबूत किया जा सके।

इराक के नए प्रधानमंत्री बने अली फलिह काजिम अल-जैदी, पीएम मोदी ने दी बधाई

बगदाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा संदेश : प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अली फालिह काजिम अल-जैदी को इराक का प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा।

अमेरिकी राजदूत ने भी दी अल-जैदी को बधाई : वहीं, तुर्किये में अमेरिका के राजदूत और सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और



अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे।

इराक की नई सरकार को यूएन ने भी दी बधाई : संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा। यूरोपीय संघ ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए देश की एकता, संप्रभुता और स्थिरता के समर्थन की बात दोहराई। वहीं जापान ने इराक में सुरक्षा स्थिति बेहतर होने पर खुशी जताई और कहा कि वह इराक में निवेश तथा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान रक्षा बजट में करने जा रहा 100 अरब की बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष में रक्षा बजट में करीब 100 अरब पाकिस्तानी रुपये की बढ़ोतरी कर सकती है। सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मालूम हो कि पाकिस्तान ने पिछले साल भारत के खिलाफ बड़ा युद्ध हारा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तानी सेना को बुरी तरह से पराजित करते हुए कई ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए थे। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान भारत से बुरी तरह से 'पिटा' था। ऐसे में अब अगले साल से रक्षा बजट के इतना बढ़ाए जाने से आशंका जताई जा रही है कि क्या पाकिस्तानी सेना कोई बड़ी तैयारी तो नहीं कर रही है और भारत के लिए बड़ा खतरा तो नहीं पैदा होने जा रहा? माना जा रहा है कि इसके जरिए वह अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाएगा और हथियारों की खरीद भी बढ़ा सकता है, जिससे मुनीर की सेना की ताकत में इजाफा होगा। अखबार 'डॉन' ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 2026-27 के लिए रक्षा खर्च 2.66 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष में 2.56 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने 2026-27 में पाकिस्तान की कुल संघीय आय 17.14 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान लगाया है। यह मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक और करीब 13.5 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने केंद्र और प्रांतीय सरकारों के कुल खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.2 प्रतिशत तक बढ़ाकर 4.23 लाख करोड़ रुपये करने का वादा किया है। साथ ही जून 2027 तक केंद्र और प्रांतीय सरकारों के सभी भुगतानों को डिजिटल माध्यम से करने



की योजना है। आईएमएफ कार्यक्रम से जुड़े व्यापक सुधारों के तहत सरकार इस वर्ष के अंत तक सबसे अधिक भ्रष्टाचार प्रभावित 10 संस्थानों की पहचान कर उनका विस्तृत अध्ययन और लेखा जांच करेगी। प्रांतीय भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों को भी मजबूत किया जाएगा।

40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर : रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जो लोग घोर गरीबी में जी रहे हैं और जिन्हें सामाजिक सहायता मिल रही है, उनके अलावा भी लगभग 40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर बनी हुई है। आईएमएफ का एक मिशन इस समय पाकिस्तान में है, जो 2026-27 के बजट से पहले बजट पर होने वाली चर्चाओं को अंतिम रूप देने के लिए आया है। उम्मीद है कि यह बजट अगले महीने की शुरुआत में कैबिनेट और संसद के सामने पेश किया जाएगा।

कांगो के इटुरी प्रांत में इबोला से अब तक 80 मौतें, स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय : ब्राज़ाविल, एजेंसी। कांगो के पूर्वी इटुरी प्रांत में इबोला बीमारी के नए प्रकोप से कम से कम 80 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी बीमारी को रोकने के लिए स्क्रीनिंग और संपर्क ट्रेसिंग तेज कर रहे हैं। शुक्रवार को इस प्रकोप की घोषणा की गई थी, तब 65 मौतें और 246 संदिग्ध मामले थे। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल-रोजर काम्बा ने आठ प्रयोगशाला-पुष्टि मामलों की जानकारी दी, जिनमें चार मौतें शामिल हैं। परीक्षणों में बंडिबुग्यो वायरस की पुष्टि हुई है। यह कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप है। इबोला अत्यधिक संक्रामक और अक्सर घातक होता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.